लोक शिक्षण संचालनालय, म.प्र. भोपाल
द्वारा वर्ष 202[illegible] के लिए जारी प्रश्न बैंक

GPH®

प्रश्न बैंक

(रेमेडियल माड्यूल के प्रश्न-उत्तर सहित)

राजनीति

कक्षा 12

असली प्रश्न बैंक की पहचान

नई ब्लू प्रिंट सहित
सबसे कम मूल्य

कव्हर एवं प्रत्येक पृष्ठ पर GPH देखकर ही खरीदें।

GUPTA PUBLISHING HOUSE, INDORE (M.P.)

राजनीति शास्त्र - 12वीं

कम किए गए पाठ्यक्रम की विषय वस्तु

क्र.	इकाई / खण्ड / अध्याय	कम किये गये अध्याय/ विषय वस्तु का नाम
1.	शीत युद्ध का दौर	- सम्पूर्ण पाठ
2.	समकालीन विश्व में अमेरिकी वर्चस्व	- सम्पूर्ण पाठ
3.	एक दल के प्रभुत्व का दौर	- सम्पूर्ण पाठ
4.	जन आंदोलन का उदय	- सम्पूर्ण पाठ

भाग-1 समकालीन विश्व राजनीति

अध्याय 1. शीत युद्ध का दौर

अध्याय 2. दो ध्रुवायता का अत

स्मरणीय बिन्दु

- शीतयुद्ध के दौर में बर्लिन की दीवार खड़ी की गई थी।
- 9 नवम्बर 1989 को बर्लिन की दीवार को पूर्वी जर्मन के लोगों ने तोड़ दिया।
- रूस में हुई सन् 1917 की समाजवादी क्रांति के पश्चात् समाजवादी सोवियत गणराज्य अस्तित्व में आया।
- सोवियत राजनीतिक प्रणाली का आधार स्तम्भ कम्युनिस्ट पार्टी थी।
- सन् 1979 में अफगानिस्तान में हस्तक्षेप की वजह से सोवियत संघ की व्यवस्था कमजोर पड़ी।
- सन् 1988 में स्वतंत्रता हेतु आंदोलन लिथुआनिया से प्रारंभ हुआ।
- सन् 1980 के दशक के मध्य में सोवियत संघ की कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव बनें।
- सन् 1985 में कम्युनिस्ट पार्टी प्रमुख बने बोरिस येल्तसिन् ने सोवियत संघ में सुधारों की एक शृंखला प्रारम्भ की।
- फरवरी 1990 में गोर्वाचिव द्वारा डयूमा (सोवियत संघ) चुनाव हेतु बहुदलीय राजनीति की शुरूआत की।
- बोरिस येल्तसिन् ने सन् 1991 में सोवियत संघ के तीन बड़े गणराज्य रूस, यूक्रेन, तथा बेलारूस ने सोवियत संघ की समाप्ति की घोषणा की थी।
- 25 दिसम्बर, 1991 को सोवियत संघ का अंत हो गया।
- वर्ष 1990 में अपनाई गई शॉक थेरेपी से अर्थव्यवस्था तहस-नहस हुई।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न 1. बहुविकल्प प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1. शॉक थेरेपी कब अपनाई गई थी-

(अ) 1988 में (ब) 1989 में
(स) 1990 में (द) 1992 में

2. सम्पूर्ण विश्व में साम्यवाद के प्रेरणा स्रोत थे-

(अ) नीकिता खुश्चेव (ब) ब्लादीमीर लेनिन
(स) लिओनिद ब्रेझनेव (द) बोरिस येल्तसिन्

3. समाजवादी गुट के देशों को क्या कहा जाता है?

(अ) प्रथम दुनिया के देश (ब) दूसरी दुनिया के देश
(स) तीसरी दुनिया के देश (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

4. अमेरिका में आतंकवादी हमला कब हुआ था?

(अ) 9 सितम्बर 2000 को (ब) 9 सितम्बर 2001 को
(स) 11 सितम्बर 2000 को (द) 11 सितम्बर 2001 को

5. सोवियत संघ के अन्तिम राष्ट्रपति निम्नलिखित में से कौन थे?

(अ) नीकिता खुश्चेव (ब) ब्लादिमीर लेनिन
(स) बोरिस येल्तसिन् (द) मिखाइल गोर्वाचिव

6. सोवियत संघ का विघटन किस वर्ष हुआ?

(अ) 1988 (ब) 1991 (स) 1992 (द) 1993

7. समाजवादी क्रांति किस वर्ष हुई?

(अ) 1915 (ब) 1917 (स) 1921 (द) 1939

8. बोल्शेविक क्रांति कहां हुई थी?

(अ) फ्रांस (ब) इंग्लैण्ड (स) रूस (द) जापान

9. द्वि ध्रुवीयता का उदय का कारण निम्नलिखित में से क्या था-

(अ) दो महांशक्तियों का उदय
(ब) बड़ी शक्तियों की कम संख्या
(स) परमाणु हथियारों की दौड़
(द) उपर्युक्त सभी

10. रूस के पहले चुने हुए राष्ट्रपति कौन थे?

(अ) मिखाइल गोर्बाचेव (ब) बोरिस येल्तसिन्

(स) लियोनिड ब्रेझनेव (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

11. निम्न में बाल्टिक गणराज्य कौन है-

(अ) एस्टोनिया (ब) लताविया

(स) लिथुआनिया (द) उक्त सभी

उत्तर- (1) (स), (2) (ब), (3) (ब), (4) (द), (5) (द), (6) (ब), (7) (ब), (8) (स), (9) (ब), (10) (द), (11) (ब)।

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(1) बोल्शेविक कम्युनिस्ट पार्टी के संस्थापक .... थे।

(2) नाटो का पूरा नाम .... है।

(3) जनता द्वारा बर्लिन की दीवार को सन् .... में तोड़ा गया।

(4) लेनिन के उत्तराधिकारी .... थे।

(5) .... का शाब्दिक अर्थ आघात पहुँचाकर उपचार करना है।

(6) सोवियत संसद का नाम .... है।

(7) रूसी मुद्रा का नाम .... है।

(8) .... शाब्दिक अर्थ आघात पहुंचाकर उपचार करना है।

उत्तर- (1) ब्लादिमीर लेनिन, (2) उत्तर अटलांटिका संधि संगठन, (3) 1989, (4) जोसिफ स्टॉलिन, (5) शॉक थेरेपी, (6) डयूमा, (7) रूबल, (8) ....।

प्रश्न 3. सही जोड़ियां बनाइए- **(1 अंक)**

स्तम्भ-(अ)	स्तम्भ-(ब)
(1) उत्तर अटलांटिक संधि संगठन	(अ) समाजवादी सोवियत गणराज्य
(2) शॉक थेरेपी का परिणाम	(ब) लिथुआनिया
(3) वारसा	(स) पूर्वी यूरोप के देश
(4) बाल्टिक गणराज्य	(द) अर्थव्यवस्था तहस-नहस होना
(5) यू. एस. एस. आर.	(इ) 12 देश
(6) यूरोपीय संघ	(फ) सैन्य समझौता।

उत्तर- (1) (इ), (2) (द), (3) (फ), (4) (ब), (5) (अ), (6) (स)।

(2)

स्तम्भ-(अ)	स्तम्भ-(ब)
(1) सोवियत संघ	(अ) आर्थिक मॉडल
(2) बर्लिन की दीवार बनी	(ब) राष्ट्रपति भारत
(3) ग्लासनोस्त	(स) 15 गणराज्य
(4) शॉक थेरेपी	(द) 1961
(5) ताशकन्द	(इ) खुलेपन की नीति
(6) डॉ. राधाकृष्णन	(फ) उज्बेकिस्तान

उत्तर- (1) (स), (2) (द), (3) (इ), (4) (अ), (5) (फ), (6) (ब)।

प्रश्न 4. एक शब्द या एक वाक्य में उत्तर लिखिए-

(1) सोवियत संघ के नेतृत्व में बने गठबंधन को किस नाम से जाना जाता है?

(2) अमेरिका में आतंकवादी हमला कब हुआ?

(3) शॉक थेरेपी का कोई एक परिणाम लिखिए।

(4) रूसी संसद ने सोवियत संघ से अपनी स्वतंत्रता कब घोषित की थी?

(5) यू.एस.एस.आर. का क्या अर्थ है?

(6) जोसेफ स्टालिन किस देश के नेता थे?

(7) द्वि-ध्रुवीयता के उदय का क्या कारण था?

(8) स्वतंत्रता की घोषणा करने वाला प्रथम सोवियत संघ गणराज्य कौन-सा था?

(9) सोवियत राजनीतिक व्यवस्था पर किस पार्टी का दबदबा था?

(10) सोवियत संघ के विघटन का कोई एक परिणाम लिखिए।

उत्तर- (1) वारसा पैक्ट, (2) 11 सितम्बर 2001 को, (3) गराज सेल, (4) जून 1990, (5) यूनियन ऑफ सोशलिस्ट, सोवियत रिपब्लिक अथवा सोवियत समाजवादी गणराज्य।, (6) सोवियत रूस, (7) दो महाशक्तियों का उदय, बड़ी शक्तियों की कम संख्या, तथा परमाणु हथियारों की दौड़, (8) लिथुआनिया, (9) कम्युनिस्ट पार्टी, (10) सोवियत खेमे का अंत तथा नये देशों का उदय।

प्रश्न 5. निम्नलिखित कथनों में सत्य/असत्य लिखिए-

(1) शॉक थेरेपी से रूस में पूरा राज्य नियंत्रित औद्योगिक ढांचा चरमरा उठा।

(2) समाजवादी खेमे के देश प्रथम दुनिया के देश कहे जाते हैं।

(3) ब्लादिमीर लेनिन पूरी दुनिया में साम्यवाद के प्रेरणा स्रोत रहे।

(4) जून 1991 में येल्तसिन् ने कम्युनिस्ट पार्टी से इस्तीफा दिया।

(5) सोवियत संघ प्रथम विश्वयुद्ध के बाद महाशक्ति के रूप में उभरा।

(6) सोवियत राजनीतिक प्रणाली का आधार स्तम्भ कम्युनिस्ट पार्टी थी।

(7) सन् 1991 के बाद यूगोस्लाविया कई प्रान्तों में टूट गया।

(8) सन् 1971 में भारत-पाकिस्तान युद्ध में सोवियत संघ ने भारत की मदद नहीं की।

(9) दो ध्रुवीयता में किसी एक शक्ति का अस्तित्व रहता है।

(10) 25 दिसम्बर 1991 को सोवियत संघ का अंत हो गया।

उत्तर- (1) सत्य, (2) असत्य, (3) सत्य, (4) सत्य, (5) सत्य, (6) सत्य, (7) सत्य, (8) असत्य, (9) असत्य, (10) सत्य।

10. रूस के पहले चुने हुए राष्ट्रपति कौन थे?

(अ) मिखाइल गोर्बाचेव (ब) बोरिस येल्तसिन्

(स) लियोनिड ब्रेझनेव (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

11. निम्न में बाल्टिक गणराज्य कौन है-

(अ) एस्टोनिया (ब) लताविया

(स) लिथुआनिया (द) उक्त सभी

उत्तर- (1) (स), (2) (ब), (3) (ब), (4) (द), (5) (द), (6) (ब), (7) (ब), (8) (स), (9) (ब), (10) (द), (11) (ब)।

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(1) बोल्शेविक कम्युनिस्ट पार्टी के संस्थापक .... थे।

(2) नाटो का पूरा नाम .... है।

(3) जनता द्वारा बर्लिन की दीवार को सन् .... में तोड़ा गया।

(4) लेनिन के उत्तराधिकारी .... थे।

(5) .... का शाब्दिक अर्थ आघात पहुँचाकर उपचार करना है।

(6) सोवियत संसद का नाम .... है।

(7) रूसी मुद्रा का नाम .... है।

(8) .... शाब्दिक अर्थ आघात पहुंचाकर उपचार करना है।

उत्तर- (1) ब्लादिमीर लेनिन, (2) उत्तर अटलांटिका संधि संगठन, (3) 1989, (4) जोसिफ स्टॉलिन, (5) शॉक थेरेपी, (6) डयूमा, (7) रूबल, (8) ....।

प्रश्न 3. सही जोड़ियां बनाइए- **(1 अंक)**

स्तम्भ-(अ)	स्तम्भ-(ब)
(1) उत्तर अटलांटिक संधि संगठन	(अ) समाजवादी सोवियत गणराज्य
(2) शॉक थेरेपी का परिणाम	(ब) लिथुआनिया
(3) वारसा	(स) पूर्वी यूरोप के देश
(4) बाल्टिक गणराज्य	(द) अर्थव्यवस्था तहस-नहस होना
(5) यू. एस. एस. आर.	(इ) 12 देश
(6) यूरोपीय संघ	(फ) सैन्य समझौता।

उत्तर- (1) (इ), (2) (द), (3) (फ), (4) (ब), (5) (अ), (6) (स)।

(2)

स्तम्भ-(अ)	स्तम्भ-(ब)
(1) सोवियत संघ	(अ) आर्थिक मॉडल
(2) बर्लिन की दीवार बनी	(ब) राष्ट्रपति भारत
(3) ग्लासनोस्त	(स) 15 गणराज्य
(4) शॉक थेरेपी	(द) 1961
(5) ताशकन्द	(इ) खुलेपन की नीति
(6) डॉ. राधाकृष्णन	(फ) उज्बेकिस्तान

उत्तर- (1) (स), (2) (द), (3) (इ), (4) (अ), (5) (फ), (6) (ब)।

प्रश्न 4. एक शब्द या एक वाक्य में उत्तर लिखिए-

(1) सोवियत संघ के नेतृत्व में बने गठबंधन को किस नाम से जाना जाता है?

(2) अमेरिका में आतंकवादी हमला कब हुआ?

(3) शॉक थेरेपी का कोई एक परिणाम लिखिए।

(4) रूसी संसद ने सोवियत संघ से अपनी स्वतंत्रता कब घोषित की थी?

(5) यू.एस.एस.आर. का क्या अर्थ है?

(6) जोसेफ स्टालिन किस देश के नेता थे?

(7) द्वि-ध्रुवीयता के उदय का क्या कारण था?

(8) स्वतंत्रता की घोषणा करने वाला प्रथम सोवियत संघ गणराज्य कौन-सा था?

(9) सोवियत राजनीतिक व्यवस्था पर किस पार्टी का दबदबा था?

(10) सोवियत संघ के विघटन का कोई एक परिणाम लिखिए।

उत्तर- (1) वारसा पैक्ट, (2) 11 सितम्बर 2001 को, (3) गराज सेल, (4) जून 1990, (5) यूनियन ऑफ सोशलिस्ट, सोवियत रिपब्लिक अथवा सोवियत समाजवादी गणराज्य।, (6) सोवियत रूस, (7) दो महाशक्तियों का उदय, बड़ी शक्तियों की कम संख्या, तथा परमाणु हथियारों की दौड़, (8) लिथुआनिया, (9) कम्युनिस्ट पार्टी, (10) सोवियत खेमे का अंत तथा नये देशों का उदय।

प्रश्न 5. निम्नलिखित कथनों में सत्य/असत्य लिखिए-

(1) शॉक थेरेपी से रूस में पूरा राज्य नियंत्रित औद्योगिक ढॉचा चरमरा उठा।

(2) समाजवादी खेमे के देश प्रथम दुनिया के देश कहे जाते हैं।

(3) ब्लादिमीर लेनिन पूरी दुनिया में साम्यवाद के प्रेरणा स्रोत रहे।

(4) जून 1991 में येल्तसिन् ने कम्युनिस्ट पार्टी से इस्तीफा दिया।

(5) सोवियत संघ प्रथम विश्वयुद्ध के बाद महाशक्ति के रूप में उभरा।

(6) सोवियत राजनीतिक प्रणाली का आधार स्तम्भ कम्युनिस्ट पार्टी थी।

(7) सन् 1991 के बाद यूगोस्लाविया कई प्रान्तों में टूट गया।

(8) सन् 1971 में भारत-पाकिस्तान युद्ध में सोवियत संघ ने भारत की मदद नहीं की।

(9) दो ध्रुवीयता में किसी एक शक्ति का अस्तित्व रहता है।

(10) 25 दिसम्बर 1991 को सोवियत संघ का अंत हो गया।

उत्तर- (1) सत्य, (2) असत्य, (3) सत्य, (4) सत्य, (5) सत्य, (6) सत्य, (7) सत्य, (8) असत्य, (9) असत्य, (10) सत्य।

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. द्वि ध्रुवीयता का क्या अर्थ है?

उत्तर- 'द्वि-ध्रुवीकरण का अर्थ है दो महान शक्तियों का उद्भव। इसमें अमेरिका तथा सोवियत संघ सम्मिलित है। द्विध्रुवीकरण का तात्पर्य महान अथवा उच्च शक्ति से है, जो कि सैन्य शक्ति के केन्द्रों से है।

प्रश्न 2. शॉक थेरेपी के कोई दो परिणाम लिखिए।

उत्तर- शॉक थेरेपी के दो परिणाम निम्न है-

(i) रूस का औद्योगिक ढाँचा नष्ट हो गया।

(ii) शॉक थेरेपी के कारण पूरे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से तहस-नहस हो गई।

(iii) सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में कमी देखी गई।

प्रश्न 3. सोवियत संघ के विघटन के कोई दो कारण लिखिए।

उत्तर- सोवियत संघ के विघटन के दो कारण-

(1) तत्कालीन सोवियत राष्ट्रपति गोर्बाचेव द्वारा चलाए गए आर्थिक एवं राजनीतिक सुधार कार्यक्रम।

(2) सोवियत गणराज्यों में लोकतान्त्रिक एवं उदारवादी भावनाएँ पैदा होना।

प्रश्न 4. दूसरी दुनिया से आप क्या समझते हैं?

उत्तर- दूसरी दुनिया से तात्पर्य विशेषकर पूर्वी यूरोप के उन [illegible] से था, जिन्हें समाजवादी प्रणाली की तर्ज पर विकसित [illegible] गया था। इन देशों को समाजवादी खेमें के देश [illegible] दुनिया कहा गया। इन देशों का नेतृत्व सोवियत संघ [illegible] था।

प्रश्न 5. सोवियत संघ के विघटन के पश्चात् अधिकांश गणराज्यों की अर्थव्यवस्था का पुनर्जीवित होने का क्या कारण था?

उत्तर- सोवियत संघ 26 दिसम्बर 1991 को विघटित घोषित हुआ। इस घोषणा में सोवियत संघ के भूतपूर्व गणतन्त्रों को स्वतंत्रता मान लिया गया। विघटन के पूर्व मिखाइल गोर्वाचेव सोवियत संघ के राष्ट्रपति थे। विघटन की घोषणा के एक दिन पूर्व उन्होंने पद-त्याग दिया था। विघटन की इस प्रक्रिया का आरम्भ आम तौर पर गोर्वाचेव के सत्ता ग्रहण करने के साथ जोड़ा जाता है। वास्तव में सोवियत संघ के विघटन की प्रक्रिया बहुत पहले शुरू हो चुकी थी। सोवियत संघ के निपात के अनेक बुनियादी एवं ऐतिहासिक कारण हैं जो सतही नजर डालने पर नहीं दिखते।

प्रश्न 6. सोवियत प्रणाली के कोई दो दोष लिखिए।

उत्तर- सोवियत प्रणाली के दो दोष-

(1) धीरे-धीरे सोवियत प्रणाली समाजवादी हो गई, जिसमें नौकर शाही का प्रभाव बढ़ा।

(2) सोवियत संघ में एकदलीय शासन था, जो किसी के भी प्रति उत्तरदायी नहीं था।

प्रश्न 7. चार सैनिक संगठनों के नाम लिखिए।

उत्तर- (1) लाइन या रेखीय संगठन

(2) क्रियाशील संगठन

(3) लाइन एवं स्टाफ संगठन

(4) लाइन, स्टाफ व क्रियाशील संगठन।

प्रश्न 8. रूस के साथ किन-किन देशों की सीमाएँ मिलती हैं?

उत्तर- रूस के साथ नार्वे, फिनलैण्ड, एस्टोनिया, लातविया, लिथुआनिया, पोलैण्ड, बेलारूस, यूक्रेन, जार्जिया, आजरबैजान, कजाकिस्तान, चीन, मंगोलिया और उत्तर कोरिया की सीमाएँ मिलती हैं।

प्रश्न 9. सोवियत संघ के इतिहास की सबसे बड़ी ''गराज सेल'' कौन-सी थी?

उत्तर- राष्ट्रपति येल्तसिन और अन्य उच्च अधिकारियों ने सगे-संबंधियों ने सरकारी कल-कारखानों और कृषि फार्मों को मिट्टी के मोल पर खरीद लिया। चूँकि कल-कारखानों की बिक्री-किमतें बहुत कम थी, इसे इतिहास की सबसे बड़ी ''गैराज से[illegible]'' के नाम से भी जाना जाता है, जो कि येल्तसिन के [illegible] में हुई थी।

[illegible] 10. शॉक थेरेपी क्या थी?

उत्तर- शॉक थेरेपी का अर्थ- साम्यवाद के पतनोपरान्त पूर्व सोवियत संघ के गणराज्य एवं सत्तावादी प्रणाली से लोकतान्त्रिक पूँजीवादी व्यवस्था तक के पीड़ादायी संक्रमण काल से गुजरें। रूस, मध्य एशियाई गणराज्य तथा पूर्वी यूरोपीय देशों में पूँजीवाद की तरफ से संक्रमण का एक विशेष प्रारूप अपनाया गया। विश्व बैंक तथा अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा निर्देशित इस प्रारूप को ''शॉक थेरेपी'' अर्थात् 'आघात पहुँचाकर उपचार करना' कहा गया। 'शॉक थेरेपी' में सम्पत्ति पर निजी स्वामित्व राज्य सम्पदा के निजीकरण तथा व्यावसायिक स्वामित्व के ढाँचे को अपनाना, मुक्त व्यापार को पूर्णरूपेण अपनाना आदि शामिल है।

प्रश्न 11. बर्लिन की दीवार किसका प्रतीक थी?

उत्तर- बर्लिन की दीवार शीत युद्ध का प्रतीक थी, जिसमें 28 साल तक शहर बर्लिन को पूर्वी और पश्चिमी भागों में बाँट कर रखा, इस दीवार ने पश्चिम बर्लिन और जर्मन लोकतांत्रिक गणराज्य के बीच अवरोध का काम किया।

प्रश्न 12. चेकोस्लोवाकिया से किन नामों के दो देश बने?

उत्तर- चेकोस्लोवाकिया से चेक गणतंत्र और स्लोवाकिया नाम के दो देश बने।

प्रश्न 13. ताजिकिस्तान [illegible] युद्ध कब समाप्त हुआ।

उत्तर- ताजिकिस्तानः [illegible] राष्ट्र-प्रायोजित युद्धविराम ने अंततः 1997 में युद्ध [illegible] दिया।

नाम लिखिए।

देशों की सीमाएँ मिलती हैं?
एस्टोनिया, लाताविया,
जार्जिया, आजरबैजान,
और उत्तर कोरिया की सीमाएँ

की सबसे बड़ी ''गराज

अन्य उच्च अधिकारियों ने
रखानों और कृषि फार्मों को
चूंकि कल-कारखानों की
इतिहास की सबसे बड़ी
जाता है, जो कि येल्तसिन

म्यवाद के पतनोपरान्त पूर्व
दी प्रणाली से लोकतान्त्रिक
संक्रमण काल से गुजरें।
यूरोपीय देशों में पूँजीवाद
प्रारूप अपनाया गया।
द्वारा निर्देशित इस प्रारूप
चाकर उपचार करना' कहा
जी स्वामित्व राज्य सम्पदा
त्व के ढाँचे को अपनाना,
आदि शामिल है।
प्रतीक थी?
प्रतीक थी, जिसमें 28
श्चिमी भागों में बाँट कर
और जर्मन लोकतांत्रिक
या।
नामों के दो देश बने?
और स्लोवाकिया नाम

कब समाप्त हुआ।
-प्रायोजित युद्धविराम ने
दिया।

प्रश्न 14. सोवियत संघ के विघटन का आरोप किन-किन पर लगाया गया?

उत्तर- 1920 एवं 1930 के दशक में लेनिन की मृत्यु के बाद स्टालिन ने अपने को सर्वोच्च नेता के रूप में स्थापित किया और उस देश में साम्यवादी पार्टी की तानाशाही स्थापित हो गई। स्टालिन ने अपने विरोधियों का बर्बरता से उन्मूलन व दमन किया। इस कारण सोवियत संघ की पहचान जनतंत्र का हनन करने वाले राज्य के रूप में होने लगी।

प्रश्न 15. ध्रुवीकरण का अर्थ क्या है?

उत्तर- ध्रुवीकरण का अर्थ- किसी खास राजनीतिक उद्देश्य के लिए किसी खास वर्ग समुदाय का एक हो जाना कहलाता है। ध्रुवीकरण होने से सही या गलत की पहचान नहीं हो पाती है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. सोवियत प्रणाली क्या थी? समझाइए।

उत्तर- समाजवादी सोवियत गणराज्य रूस में हुई 1917 की समाजवादी क्रान्ति के पश्चात् अस्तित्व में आया। यह क्रान्ति पूँजीवादी व्यवस्था के विरोध स्वरूप हुई थी और समाजवाद के आदर्शों एवं समतामूलक समाज की जरूरत से प्रेरित थी। यह निजी सम्पत्ति का अन्त करने तथा समाज को समानता के सिद्धान्त पर लड़ने का सबसे बड़ा प्रयत्न था। सोवियत राजनीतिक प्रणाली की आधारशिला कम्युनिस्ट पार्टी ही थी और इसमें किसी अन्य राजनीतिक दल अथवा विपक्ष के लिए कोई जगह नहीं थी।

प्रश्न 2. सोवियत प्रणाली के कोई चार दोष लिखिए।

उत्तर-सोवियत प्रणाली के प्रमुख चार दोष निम्नलिखित हैं-

(i) सोवियत प्रणाली पर नौकरशाही का पूर्ण नियंत्रण था। सोवियत प्रणाली सत्तावादी होती चली गई तथा जन साधारण का जीवन लगातार कठिन होता चला गया।

(ii) सोवियत संघ में कम्युनिस्ट पार्टी का एकदलीय कठोर शासन था। साम्यवादी दल का देश की समस्त संस्थाओं पर कड़ा नियंत्रण था तथा यह दल जन-साधारण के प्रति उत्तरदायी भी नहीं था।

(iii) सोवियत संघ के पन्द्रह गणराज्यों में रूस का अत्यधिक वर्चस्व था तथा शेष चौदह गणराज्यों के लोग स्वयं को उपेक्षित तथा दबा हुआ समझते थे।

(iv) सोवियत प्रणाली प्रौद्योगिकी तथा आधारभूत ढाँचे को सुदृढ़ बनाने में विफल रहने के साथ ही पाश्चात्य देशों से काफी पिछड़ गई। सोवियत संघ ने हथियारों के विनिर्माण में देश की आय का बहुत बड़ा हिस्सा व्यय कर दिया।

प्रश्न 3. सोवियत संघ के विघटन के लिए उत्तरदायी कोई चार कारण लिखिए।

उत्तर- सोवियत संघ के विघटन के प्रमुख कारण निम्न थे-

(1) सोवियत संघ के बाल्टिक गणराज्यों का रूस के अन्तर्गत विलय उनकी इच्छा के खिलाफ किया था।

(2) गोर्बाचेव की खुलेपन की अवधारणा ने सोवियत संघ के गणराज्यों को स्वतन्त्र होने की प्रेरणा दी थी।

(3) सोवियत संघ में खाद्यान्नों का संकट पैदा हो गया था।

(4) सोवियत संघ के पतन का एक कारण अफगान संकट भी बना।

(5) सोवियत अर्थव्यवस्था बदहाल थी तथा साम्यवादी दल की शक्ति लगातार कम होती चली जा रही थी।

प्रश्न 4. शॉक थेरेपी के कोई चार परिणाम लिखिए।

उत्तर- शॉक थेरेपी के चार प्रमुख परिणाम निम्न प्रकार है-

(1) शॉक थेरेपी से सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था चरमरा गई तथा जन साधारण को बरबादी का दौर देखना पड़ा।

(2) निजीकरण से नवीन विषमताओं का प्रादुर्भाव हुआ और गरीब और अमीर के बीच गहरी खाई और अधिक चौड़ी हो गई।

(3) हालांकि आर्थिक बदलावों को अत्यधिक प्राथमिकता दी गई तथा उसे पर्याप्त स्थान भी दिया गया, लेकिन लोकतान्त्रिक संस्थाओं के निर्यात का कार्य ऐसी प्राथमिकता के साथ नहीं हो सका।

(4) शॉक थेरेपी से रूस के आधे बैंक और वित्तीय संस्थान दिवालिया हो गए।

प्रश्न 5. द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सोवियत संघ महाशक्ति के रूप में किस तरह उभरा? समझाइए।

उत्तर- दूसरे विश्वयुद्ध के बाद सोवियत संघ महाशक्ति के रूप में उभरा। अमेरिका को छोड़ दे तो सोवियत संघ की अर्थव्यवस्था शेष विश्व की तुलना में कहीं ज्यादा विकसित थी। सोवियत संघ की संचार प्रणाली बहुत उन्नत थी। उसके पास विशाल ऊर्जा-संसाधन था, जिसमें खनिज, तेल, लोहा और इस्पात तथा मशीनरी उत्पाद शामिल हैं। सोवियत संघ के दूर-दराज के इलाके भी आवागमन की सुव्यवस्थित और विशाल प्रणाली के कारण आपस में जुड़े हुए थे। सोवियत संघ का घरेलू उपभोक्ता-उद्योग भी बहुत उन्नत था। और पिन से लेकर कार तक सभी चीजों का उत्पादन वहाँ होता था। सोवियत संघ की सरकार ने अपने सभी नागरिकों के लिए न्यूनतम जीवन स्तर सुनिश्चित कर दिया था। हथियारों की होड़ में सोवियत संघ ने समय-समय पर अमरीका को बराबर की टक्कर दी।

प्रश्न 6. सोवियत प्रणाली की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर- (1) सोवियत अर्थव्यवस्था पूँजीवादी देशों की अर्थव्यवस्था से अलग है, क्योंकि इसमें उद्योगों को ज्यादा महत्व नहीं दिया गया था, जबकि पूँजीवादी अमेरिकी व्यवस्था में उद्योग-धन्धों को अत्यधिक महत्व प्रदान किया गया।

(2) सोवियत अर्थव्यवस्था योजनाबद्ध तथा राज्य के नियन्त्रण में थी, जबकि पूँजीवादी देशों में विशेष रूप से अमेरिका में मुक्त व्यापार नीति को अपनाया गया।

(3) 'सामूहिक फर्म' को 'निजी फर्म' में बदलना।

(4) पूँजीवादी अर्थव्यवस्था को अपनाने के लिए वित्तीय खुलापन,

प्रश्न 14. सोवियत संघ के विघटन का आरोप किन-किन पर लगाया गया?

उत्तर- 1920 एवं 1930 के दशक में लेनिन की मृत्यु के बाद स्टॉलिन ने अपने को सर्वोच्च नेता के रूप में स्थापित किया और उस देश में साम्यवादी पार्टी की तानाशाही स्थापित हो गई। स्टॉलिन ने अपने विरोधियों का बर्बरता से उन्मूलन व दमन किया। इस कारण सोवियत संघ की पहचान जनतंत्र का हनन करने वाले राज्य के रूप में होने लगी।

प्रश्न 15. ध्रुवीकरण का अर्थ क्या है?

उत्तर- ध्रुवीकरण का अर्थ- किसी खास राजनीतिक उद्देश्य के लिए किसी खास वर्ग समुदाय का एक हो जाना कहलाता है। ध्रुवीकरण होने से सही या गलत की पहचान नहीं हो पाती है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. सोवियत प्रणाली क्या थी? समझाइए।

उत्तर- समाजवादी सोवियत गणराज्य रूस में हुई 1917 की समाजवादी क्रान्ति के पश्चात् अस्तित्व में आया। यह क्रान्ति पूँजीवादी व्यवस्था के विरोध स्वरूप हुई थी और समाजवाद के आदर्शों एवं समतामूलक समाज की जरूरत से प्रेरित थी। यह निजी सम्पत्ति का अन्त करने तथा समाज को समानता के सिद्धान्त पर लड़ने का सबसे बड़ा प्रयत्न था। सोवियत राजनीतिक प्रणाली की आधारशिला कम्युनिस्ट पार्टी ही थी और इसमें किसी अन्य राजनीतिक दल अथवा विपक्ष के लिए कोई जगह नहीं थी।

प्रश्न 2. सोवियत प्रणाली के कोई चार दोष लिखिए।

उत्तर-सोवियत प्रणाली के प्रमुख चार दोष निम्नलिखित हैं-

(i) सोवियत प्रणाली पर नौकरशाही का पूर्ण नियंत्रण था। सोवियत प्रणाली सत्तावादी होती चली गई तथा जन साधारण का जीवन लगातार कठिन होता चला गया।

(ii) सोवियत संघ में कम्युनिस्ट पार्टी का एकदलीय कठोर शासन था। साम्यवादी दल का देश की समस्त संस्थाओं पर कड़ा नियंत्रण था तथा यह दल जन-साधारण के प्रति उत्तरदायी भी नहीं था।

(iii) सोवियत संघ के पन्द्रह गणराज्यों में रूस का अत्यधिक वर्चस्व था तथा शेष चौदह गणराज्यों के लोग स्वयं को उपेक्षित तथा दबा हुआ समझते थे।

(iv) सोवियत प्रणाली प्रौद्योगिकी तथा आधारभूत ढाँचे को सुदृढ़ बनाने में विफल रहने के साथ ही पाश्चात्य देशों से काफी पिछड़ गई। सोवियत संघ ने हथियारों के विनिर्माण में देश की आय का बहुत बड़ा हिस्सा व्यय कर दिया।

प्रश्न 3. सोवियत संघ के विघटन के लिए उत्तरदायी कोई चार कारण लिखिए।

उत्तर- सोवियत संघ के विघटन के प्रमुख कारण निम्न थे-

(1) सोवियत संघ के बाल्टिक गणराज्यों का रूस के अन्तर्गत विलय उनकी इच्छा के खिलाफ किया था।

(2) गोर्बाचेव की खुलेपन की अवधारणा ने सोवियत संघ के गणराज्यों को स्वतन्त्र होने की प्रेरणा दी थी।

(3) सोवियत संघ में खाद्यान्नों का संकट पैदा हो गया था।

(4) सोवियत संघ के पतन का एक कारण अफगान संकट भी बना।

(5) सोवियत अर्थव्यवस्था बदहाल थी तथा साम्यवादी दल की शक्ति लगातार कम होती चली जा रही थी।

प्रश्न 4. शॉक थेरेपी के कोई चार परिणाम लिखिए।

उत्तर- शॉक थेरेपी के चार प्रमुख परिणाम निम्न प्रकार है-

(1) शॉक थेरेपी से सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था चरमरा गई तथा जन साधारण को बरबादी का दौर देखना पड़ा।

(2) निजीकरण से नवीन विषमताओं का प्रादुर्भाव हुआ और गरीब और अमीर के बीच गहरी खाई और अधिक चौड़ी हो गई।

(3) हालांकि आर्थिक बदलावों को अत्यधिक प्राथमिकता दी गई तथा उसे पर्याप्त स्थान भी दिया गया, लेकिन लोकतान्त्रिक संस्थाओं के निर्यात का कार्य ऐसी प्राथमिकता के साथ नहीं हो सका।

(4) शॉक थेरेपी से रूस के आधे बैंक और वित्तीय संस्थान दिवालिया हो गए।

प्रश्न 5. द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सोवियत संघ महाशक्ति के रूप में किस तरह उभरा? समझाइए।

उत्तर- दूसरे विश्वयुद्ध के बाद सोवियत संघ महाशक्ति के रूप में उभरा। अमेरिका को छोड़ दे तो सोवियत संघ की अर्थव्यवस्था शेष विश्व की तुलना में कहीं ज्यादा विकसित थी। सोवियत संघ की संचार प्रणाली बहुत उन्नत थी। उसके पास विशाल ऊर्जा-संसाधन था, जिसमें खनिज, तेल, लोहा और इस्पात तथा मशीनरी उत्पाद शामिल हैं। सोवियत संघ के दूर-दराज के इलाके भी आवागमन की सुव्यवस्थित और विशाल प्रणाली के कारण आपस में जुड़े हुए थे। सोवियत संघ का घरेलू उपभोक्ता-उद्योग भी बहुत उन्नत था। और पिन से लेकर कार तक सभी चीजों का उत्पादन वहाँ होता था। सोवियत संघ की सरकार ने अपने सभी नागरिकों के लिए न्यूनतम जीवन स्तर सुनिश्चित कर दिया था। हथियारों की होड़ में सोवियत संघ ने समय-समय पर अमरीका को बराबर की टक्कर दी।

प्रश्न 6. सोवियत प्रणाली की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर- (1) सोवियत अर्थव्यवस्था पूँजीवादी देशों की अर्थव्यवस्था से अलग है, क्योंकि इसमें उद्योगों को ज्यादा महत्व नहीं दिया गया था, जबकि पूँजीवादी अमेरिकी व्यवस्था में उद्योग-धन्धों को अत्यधिक महत्व प्रदान किया गया।

(2) सोवियत अर्थव्यवस्था योजनाबद्ध तथा राज्य के नियन्त्रण में थी, जबकि पूँजीवादी देशों में विशेष रूप से अमेरिका में मुक्त व्यापार नीति को अपनाया गया।

(3) 'सामूहिक फर्म' को 'निजी फर्म' में बदलना।

(4) पूँजीवादी अर्थव्यवस्था को अपनाने के लिए वित्तीय खुलापन,

मुद्राओं की [illegible] और [illegible] नीति [illegible] गई।

(8) पश्चिमी देशों की आर्थिक व्यवस्था में वृद्धि।

प्रश्न 7. सोवियत संघ के विघटन के चार परिणाम लिखिए।

उत्तर- भारत जैसे देशों के लिए सोवियत संघ के विघटन के परिणामों को संक्षेप में निम्न प्रकार स्पष्ट किया जा सकता है

(1) सोवियत संघ के विघटन के बाद भारतीय विदेश नीति में बदलाव आया तथा उससे सोवियत संघ से अलग हुए सभी गणराज्यों से नए परिप्रेक्ष्य में अपने सम्बन्ध स्थापित कर अपनी छवि को अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर और अधिक सुधारा।

(2) भारत जैसे देशों ने मिश्रित अर्थव्यवस्था को त्यागकर नवीन उदारवादी आर्थिक नीति को अपनाया।

(3) सोवियत संघ के विघटन के परिणाम स्वरूप शीत युद्ध का अन्त हुआ, जिसकी वजह से हथियारों की प्रतिस्पर्द्धा भी समाप्त हो गई।

(4) शीत युद्ध के दौर की समाप्ति।

(5) अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के शक्ति संबंधों में बदलाव।

(6) अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पूंजीवादी अर्थव्यवस्था के प्रभाव में वृद्धि।

(7) नए स्वतंत्र देशों का उदय।

(8) खनिज, तेल भण्डारों पर अमेरिकी प्रभाव का बढ़ना।

(9) हिंसक अलगाववादी आन्दोलन का प्रारम्भ।

अध्याय 3. समकालीन राजनीति में अमरीकी वर्चस्व

नोट- माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा सत्र 2022-23 में इस अध्याय को हटाया गया है।

अध्याय 4. सत्ता के वैकल्पिक केन्द्र

स्मरणीय बिन्दु

- **सत्ता के वैकल्पिक केन्द्र-** सोवियत संघ के विभाजन के बाद विश्व में अमेरिका का वर्चस्व कायम हो गया। कुछ देशो के संगठनों का उदय सत्ता के वैकल्पिक केंद्र के रूप मे हुआ। यह संगठन अमेरिका के प्रभुत्व को सीमित। क्योंकि यह संगठन राजनीतिक तथा आर्थिक रूप से शक्तिशाली हो रहा है।
- **क्षेत्रीय संगठन-** क्षेत्रीय संगठन प्रभुसत्ता संपन्न देशों के शैक्षिक समुदाय की एक संधि। जो निश्चित क्षेत्र के भीतर हो तथा उन देशों का सम्मिलित हित हो व जिनका प्रयोजन उस क्षेत्र में आक्रामक कार्यवाही ना हो।

यूरोपीय संघ आसियान

- सत्ता के वैकल्पिक केन्द्र के संगठन- यूरोपीय संघ, आसियान, ब्रिक्स, सार्क।
- क्षेत्रीय संगठन के उद्देश्य- सदस्य देशों में एकता की भावना को मजबूत होना। क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ाया। सदस्यों के बीच आपसी व्यापार को बढ़ाना। क्षेत्र में शांति और सौहार्द को बढ़ाना। विवादों को आपसी बातचीत द्वारा निपटाना।
- **यूरोपीय संघ का गठन-** यूएसएसआर ने 1992 में यूरोपीय संघ के गठन का नेतृत्व। जिसने एक आम नागरिक व विदेशी और सुरक्षा ने न्याय पर सहयोग और एकल मुद्रा के निर्माण की नीव रखी।
- **यूरोपीय संघ की विशेषता-** यूरोपीय संघ समय के साथ-साथ एक आर्थिक क्षेत्र में तेजी से राजनीतिक रूप मे विकसित हुआ। यूरोपीय संघ एक विशाल राष्ट्र, राज्य की तरह कार्य करने। इसका अपना झंडा, गान स्थापना दिवस और अपनी एक मुद्रा। अन्य देशों से संबंधों के मामले मे इसने काफी हद एक-सी विदेश और सुरक्षा नीति बना ली।
- **दक्षिण एशियाई राष्ट्रों का संगठन-** आसियान दक्षिण पूर्व एशियाई देशो का संगठन है। आसियान 1967 में इस क्षेत्र के 5 देशो इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस सिंगापुर और थाईलैंड ने घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर करके आसियान की स्थापना। बाद में इस संगठन में दारुसलाम, वियतनाम, लाओस व कंबोडिया को शामिल किया गया। उनकी सदस्य संख्या 10 हो गई।
- **आसियान के उद्देश्य-** देशो के आर्थिक विकास को तेज करना है। इसके द्वारा सामाजिक और सांस्कृतिक विकास हासिल करना, कानून के शासन और संयुक्त राष्ट्र संघ के नियमों का पालन करके क्षेत्रीय शांति को बढ़ावा देना है।
- **आसियान के प्रमुख स्तंभ-** सुरक्षा, समुदाय, आसियान आर्थिक समुदाय, सामाजिक, सांस्कृतिक।
- **सार्क का पूरा नाम-** दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन है। (साउथ एशियन एसोसिएशन फॉर रीजनल कॉरपोरेशन) सार्क की स्थापना 8 दिसंबर 1985 को हुई थी! सार्क की स्थापना के समय भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, मालदीव व श्रीलंका इस संगठन मे शामिल है। बाद में इसमें अफगानिस्तान शामिल! इसका मुख्यालय काठमांडू नेपाल में है।

- **सार्क के उद्देश्य-** दक्षिण एशिया के देशों में जनता के विकास एवं जीवन स्तर में सुधार लाना आत्मनिर्भरता का विकास, आर्थिक विकास, सांस्कृतिक एवं सामाजिक विकास, आपसी सहयोग, आपसी विवादों का निपटारा, आपसी विश्वास बढ़ाकर व्यापार को बढ़ावा देना है।
- **सब की ओर देखो नीति-** भारत ने 1991 में पूर्व की ओर देखो नीति अपनाई। इससे पूर्वी एशिया के देशों जैसे आसियान, चीन, जापान और दक्षिण कोरिया से उसके आर्थिक सम्बधों में बढ़ोतरी हुई।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न 1. बहुविकल्प प्रश्नो के उत्तर दीजिए-

1. यूरोपीय यूनियन की मुद्रा का नाम क्या है?
(अ) डॉलर (ब) यूरो (स) दिनार (द) रूपया

2. चीन ने कौन से व्यापार की नीति अपनायी?
(अ) मुक्त व्यापार (ब) खुले द्वार
(स) बंद द्वार (द) क्षेत्रीय व्यापार

3. यूरोपीय यूनियन संघ की स्थापना कब हुई?
(अ) 1992 (ब) 1989 (स) 1991 (द) 1990

4. आसियान संघ की स्थापना कब हुई?
(अ) 1967 (ब) 1990 (स) 1950 (द) 1960

5. आसियान का मुख्यालय कहा है?
(अ) जकार्ता (ब) चीन (स) रूस (द) नेपाल

6. डोकलाम प्रकरण 2017 में किन दो देशों के मध्य उत्पन्न हो गया-
(अ) भारत और चीन (ब) भारत और पाक
(स) भारत और रूस (द) भारत और अफगान

7. वर्तमान समय में यूरोपीय संघ के सदस्यों की संख्या कितनी है-
(अ) 18 (ब) 38 (स) 20 (द) 27

8. बाजार स्टालिन है-
(अ) मिश्रित अर्थव्यवस्था (ब) सोवियत अर्थव्यवस्था
(स) चीनी अर्थव्यवस्था (द) विकसित अर्थव्यवस्था

9. 31 जनवरी 2020 में किस सदस्य ने यूरोपीय यूनियन की सदस्यता छोड़ दी थी-
(अ) ब्रिटेन (ब) चीन (स) रूस (द) पाक।

उत्तर- (1) (ब), (2) (ब), (3) (अ), (4) (अ), (5) (अ), (6) (अ), (7) (द), (8) (अ), (9) (अ)।

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो-

(1) खुलेद्वार की नीति .... ने अपनायी।
(2) 1967 में आसियान की स्थापना .... घोषणा पत्र के माध्यम से हुई।
(3) वियतनाम आसियान का सदस्य .... सन् में बना।
(4) भारत आसियान का सदस्य .... में बना।
(5) यूरोपीय यूनियन की स्थापना .... संधि के परिणाम स्वरूप हुई।
(6) पूरब की ओर देखो की नीति .... देश ने अपनाई है।
(7) मार्शल योजना का मुख्य उद्देश्य .... में हुई।
(8) मार्शल योजना की स्थापना ....
(9) पंचशील के सिद्धांत .... के मध्य हुए थे।
(10) नाथू ला दर्रा .... के प्रभावाधीन था।

उत्तर- (1) चीन, (2) बैंकाक, (3) 1995, (4) 1996, (5) मेस्ट्रिच संधि, (6) भारत, (7) आर्थिक सहायता, (8) 1948, (9) भारत और चीन, (10) चीन।

प्रश्न 3. सही जोड़ी मिलाइये-

स्तम्भ-(अ)	स्तम्भ-(ब)
(1) मनमोहन सिंह	(अ) 1962
(2) चीन का भारत पर आक्रमण	(ब) भारत और चीन
(3) ब्रुनेई सदस्य बना	(स) 1995
(4) वियतनाम	(द) 1984
(5) आसियान का मुख्यालय	(प) बेल्जियम
(6) यूरोपीय यूनियन का मुख्यालय	(फ) जकार्ता
(7) P.W.G. है	(ब) नेपाल
(8) माओवादी	(भ) प्यूपलस वार ग्रुप
(9) सिन्धु नदी जल समझौता	(म) अगस्त 1967
(10) आसियान की स्थापना	(च) भारत और पाक

उत्तर- (1) (ब), (2) (अ), (3) (द), (4) (स), (5) (फ), (6) (प), (7) (भ), (8) (ब), (9) (च), (10) (म)।

प्रश्न 4. एक शब्द/वाक्य में उत्तर दीजिए-

(1) जून 2017 में भारत और चीन के मध्य एक संवेदनशील प्रकरण पैदा हो गया जिसका नाम है।
(2) आसियान का मुख्यालय कहाँ है?
(3) असियान सदस्य देशो की संख्या है।
(4) यूरो किस संगठन की मुद्रा है?
(5) आसियान विजन का मुख्य उद्देश्य है।
(6) मेस्ट्रिच सन्धि से किस संगठन की स्थापना हुई?
(7) बैंकाक सन्धि पर हस्ताक्षर कब हुए?
(8) यूरोपीय यूनियन के प्रधान अंग कौन-कौन से है?
(9) चीन ने भारत पर आक्रमण कब किया?

(10) भारत और चीन के मध्य किस रेखा को मान्यता प्रदान है?
(11) यूरोपीय यूनियन किसे कहते है?
(12) मार्शल योजना किसे कहते है?
(13) आसियान शैली किसे कहते है?
(14) मास्ट्रिच सन्धि कब हुई?
(15) यूरो केस यूनियन की मुद्रा है।
(16) यूरोपीय संगठन की स्थापना के दो उद्देश्य बताओ?
(17) ओपन डोर की नीति किसे कहते है?
(18) आसियान का पूरा नाम लिखिए।
(19) यूरोपीय संघ को 2012 में कौन-सा पुरस्कार प्राप्त हुआ?

उत्तर- (1) उत्तर डोकलाम प्रकरण, (2) जकार्ता (इंडोनेशिया), (3) 9 (नौ), (4) यूरोपीय संघ, (5) आर्थिक व्यापारिक एकीकरण, (6) यूरोपीय यूनियन, (7) 8 अगस्त, 1967, (8) आयोग, संसद, परिषद् न्यायालय, (9) 1962, (10) मेकमोहन रेखा, (11) यूरोपीय यूनियन 28 देशों का एक समूह है जो एक सशक्त आर्थिक और राजनीतिक ब्लॉक के रूप में कार्य करता है। (12) मार्शल योजना जिसे यूरोपीय रिकवरी प्रोग्राम के रूप में जाना जाता है।, (13) आसियान, सदस्य देशों की अनौपचारिक और कामकाज शैली को कहा जाता है। (14) 7 फरवरी 1992, (15) यूरोपीय संघ के 28 में से 19 सदस्य की अधिकारिक मुद्रा है।, (16) (1) आर्थिक और सामाजिक संस्कृति को मजबूत करना, (2) आर्थिक और मौद्रिक संघ की स्थापना करना, (17) खुले द्वार की नीति की घोषणा की जिसने चीन की अर्थव्यवस्था में परिवर्तन का दौर शुरू कर दिया। इससे देश की अर्थव्यवस्था फलती-फूलती रहेगी।, (18) एसोसिएशन ऑफ साऊथईस्ट नैशन्स है, (19) नोवेल शांति पुरस्कार।

प्रश्न 5. सत्य/असत्य का चयन कीजिए-

(1) भारत आसियान का सदस्य 1996 में बना।
(2) तिब्वती धर्म गुरु दलाईलामा हैं।
(3) यूरोपीय संघ के संसद में 785 सदस्य हैं।
(4) रूस ने खुलेद्वार की नीति अपनाई।
(5) मार्शल योजना की स्थापना 1988 में हुई।
(6) पंचशील के सिद्धांत रूस और पाक के मध्य हुए।
(7) पूरब की ओर चलो की नीति भारत ने अपनाई।
(8) यूरोपीय संघ की मुद्रा यूरो है।
(9) यूरोपीय आर्थिक समुदाय के प्रारंभिक सदस्य दो थे।
(10) आसियान संगठन में 10 राष्ट्र सम्मिलित हैं।

उत्तर- (1) सत्य, (2) सत्य, (3) सत्य, (4) असत्य, (5) असत्य, (6) असत्य, (7) सत्य, (8) सत्य, (9) सत्य, (10) सत्य।

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. आसियान संगठन के क्या उद्देश्य हैं?

उत्तर- आसियान के सभी सदस्य दस राष्ट्रों में विभिन्न भाषा, धर्म, जाति, संस्कृति, खान-पान तथा रहन-सहन इत्यादि वाले देश सम्मिलित हैं। हालांकि आसियान के सदस्य देशों की औपनिवेशिक विरासत, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, राजनीतिक, आर्थिक एवं सामाजिक जीवन मूल्यों में भिन्नता है, लेकिन उनमें कतिपय चुनौतियों का सामना करने के विन्दु पर एकजुटता है। इन देशों के सम्मुख जनसंख्या विस्फोट, निर्धनता, आर्थिक शोषण तथा असुरक्षा इत्यादि की एक जैसी चुनौतियाँ हैं, जिन्होंने इन्हें क्षेत्रीय सहयोग के मार्ग पर चलने हेतु विवश कर दिया है।

आसियान का उद्देश्य- इस क्षेत्र में एक साझा बाजार तैयार करना तथा सदस्य देशा के बीच आर्थिक सहयोग को बढ़ाना है। मुख्य रूप से इसका उद्देश्य सदस्य राष्ट्रों में राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, व्यापारिक, वैज्ञानिक, तकनीकी तथा प्रशासनिक इत्यादि क्षेत्रों में परस्पर सहायता करना तथा सामूहिक सहयोग द्वारा विभिन्न सामान्य समस्याओं का समाधान करना है।

प्रश्न 2. यूरोपीय यूनियन के मुख्य उद्देश्य बताओ।

उत्तर- यूरोपीय यूनियन के मुख्य उद्देश्य निम्न हैं-

(1) सदस्य राष्ट्रों के मध्य सभी विवादों को आपसी वार्ता से सुलझाना।
(2) सदस्य राष्ट्रों के आर्थिक विकास से यूरोप की प्रतिष्ठा बढ़ाना।
(3) संयुक्त कार्यवाही से क्षेत्र की जनता के जीवन स्तर को ऊँचा करना।
(4) सदस्य राष्ट्रों के छोटे-छोटे बाजार समाप्त कर साझा बाजार में बदलना।
(5) तकनीकी लाभ से उत्पादन में वृद्धि लाना।
(6) एक भावी संयुक्त यूरोपीय संगठन का आधार तैयार करना।

प्रश्न 3. आसियान संगठन के सदस्य देशों के नाम लिखो।

उत्तर- आसियान संगठन के सदस्य देशों के नाम निम्न है-
(i) थाईलैंड, (ii) इंडोनेशिया, (iii) मलेशिया, (iv) फिलिपींस, (v) म्यांमार, (vi) वियतनाम, (vii) कंबोडिया, (viii) ब्रुनेई, (ix) लाओस।

प्रश्न 4. यूरोपीय यूनियन के सदस्य देशों के नाम बताओ।

उत्तर- यूरोपीय संघ में 28 संप्रभु राष्ट्र हैं जो सदस्य राष्ट्रों के तौर पर जाने जाते हैं: ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, बुल्गारिया, साइप्रस, चेक गणराज्य, डेनमार्क, एस्तोनिया, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, ग्रीस, हंगरी, आयरलैंड, इटली, लातीविया, लिथुआनिया, लक्जमबर्ग, माल्टा, नीदरलैंड, पोलैंड, पुर्तगाल, रोमानिया, स्लोवाकिया, स्लोवानिया, स्पेनीश, स्वीडिश।

प्रश्न 5. आसियान विजन 2020 की मुख्य बातों को बताओ।

उत्तर- 'आसियान विजन 2020' की प्रमुख बातों को संक्षेप में अग्र बिन्दुओं द्वारा स्पष्ट किया जा सकता है-

(1) 'आसियान विजन 2020' के अंतर्गत अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय में आसियान की एक बहुमुखी भूमिका को प्रधानता दी गई है।

(2) आसियान द्वारा टकराव के स्थान पर परस्पर वार्ताओं द्वारा समस्याओं के समाधान करने को प्रमुखता प्रदान की गई। इस नीति पर चलने के फलस्वरूप ही आसियान ने कम्बोडिया के टकराव एवं पूर्वी तिमोर के संकट को सम्भाला है।

(3) आसियान की वास्तविक शक्ति अपने सदस्य राष्ट्रों, सहगामी सदस्यों तथा शेष गैर क्षेत्रीय संगठनों के मध्य लगातार संवाद एवं परामर्श करने की नीति में है।

(4) आसियान एशियाई देशों तथा विश्व शक्तियों को राजनीतिक एवं सुरक्षा मामलों पर विचार-विमर्श हेतु एक मंच उपलब्ध कराता है।

(5) आसियान जहाँ नियमित रूप से वार्षिक बैठकों का आयोजन कर रहा है, वहीं एशियाई राष्ट्रों के साथ व्यापार तथा निवेश मामलों की ओर भी विशेष ध्यान दे रहा है।

प्रश्न 6. खुले द्वार की नीति क्या है?

उत्तर- खुले द्वार की नीति- 1949 में माओ के नेतृत्व में हुई साम्यवादी क्रान्ति के पश्चात् चीनी जनवादी गणराज्य की स्थापना के समय वहाँ की आर्थिक रूपरेखा सोवियत मॉडल पर आधारित थी। इसका जो विकास मॉडल अपनाया उसमें खेती से पूँजी निकालकर शासकीय नियन्त्रण में विशाल उद्योग स्थापित करने पर बल दिया गया। इसका औद्योगिक उत्पादन पर्याप्त तेजी से नहीं बढ़ रहा था। विदेशी व्यापार भी न के बराबर था तथा प्रति व्यक्ति आय भी अत्यधिक कम थी। 1970 के दशक में चीनी नेतृत्व द्वारा बड़े नीतिगत फैसले किए गए। 1972 में चीन ने अमेरिका से सम्बन्ध बनाकर अपने राजनीतिक एवं आर्थिक एकान्तवास को समाप्त किया। 1978 में तत्कालीन चीनी नेता देग श्याओपेंग ने देश में आर्थिक सुधारों तथा खुले द्वारा की नीति की घोषणा की। अब नीति यह हो गई कि विदेशी पूँजी तथा प्रौद्योगिकी के निवेश से उच्चतर उत्पादकता को हासिल किया जाए। बाजार मूलक अर्थव्यवस्था को अपनाने हेतु चीन ने अपना तरीका अपनाया।

प्रश्न 7. आसियान समुदाय के मुख्य स्तम्भ क्या हैं?

उत्तर- आसियान समुदाय के मुख्य स्तम्भ व उद्देश्य निम्नांकित हैं-

1. आसियान सुरक्षा समुदाय- यह समुदाय आसियान देशों के मध्य होने वाले टकरावों अथवा विवादों को दूर करता है।

2. आसियान आर्थिक समुदाय- आसियान आर्थिक समुदाय आसियान देशों के संयुक्त बाजार तथा उत्पादन आधार और क्षेत्र में सामाजिक, आर्थिक विकास को बढ़ावा देता है।

3. आसियान सामाजिक-सांस्कृतिक समुदाय- यह समुदाय आसियान राष्ट्रों के मध्य सामाजिक एवं सांस्कृतिक सम्बन्धों को बढ़ावा देता है।

आसियान के प्रमुख उद्देश्यों को संक्षेप में निम्न प्रकार स्पष्ट किया जा सकता है-

(1) क्षेत्र की आर्थिक संवृद्धि, सामाजिक प्रगति तथा सांस्कृतिक विकास को बढ़ावा देना।

(3) कृषि एवं औद्योगिक क्षेत्र में विकास हेतु अधिक सक्रिय योगदान प्रदान करना एवं

(4) विभिन्न सहयोग क्षेत्रीय संगठनों में परस्पर अच्छे सम्बन्ध विकसित करना।

प्रश्न 8. यूरोपीय यूनियन के अंगों का वर्णन कीजिए।

उत्तर- यूरोपीय यूनियन के अंग निम्न हैं-

(i) यूरोपीय संसद- यूरोपीय यूनियन की अपनी एक संसद है, जिसके 751 सदस्य हैं।

संसद के इन सदस्यों का चुनाव यूरोपीय नागरिकों द्वारा प्रत्यक्ष निर्वाचन द्वारा किया जाता है। प्रत्येक देश से उसकी जनसंख्या के आधार पर ही सदस्यों का निर्वाचन किया जाता है।

(ii) यूरोपीय आयोग- इसकी सदस्य संख्या 28 है तथा ब्रिटेन के यूनियन से बाहर हो जाने के बाद यह केवल 27 ही रह जाएगी। यह यूनियन की नौकरशाही संस्था है। इसका एक अध्यक्ष होता है, जिसे यूरोपीय परिषद द्वारा मनोनीत किया जाता है तथा इसका कार्य यूनियन में निर्मित विधियों का प्रारूप तैयार करना है।

(iii) यूरोपीय मंत्रीपरिषद्- इसका एक अध्यक्ष होता है तथा सदस्य देशों से एक-एक मंत्री शामिल होता है। यह यूनियन की प्रमुख निर्णय लेने वाली संस्था है। यूरोपीय संघ की अध्यक्षता का कार्य प्रत्येक सदस्य देश क्रमानुसार 6 महीने के लिए करता है।

(iv) यूरोपीय परिषद- यह एक अध्यक्ष का चुनाव करती है जो यूरोपीय आयोग तथा यूरोपीय यूनियन का अध्यक्ष होता है। इसे ढाई वर्ष के लिए चुना जाता है।

(v) यूरोपीय न्यायालय- इसमें प्रत्येक सदस्य देश से एक न्यायाधीश को 6 वर्षों के लिये चुना जाता है, ये न्यायाधीश यूनियन की विधियों की व्याख्या करते हैं, यह न्यायालय लक्समबर्ग में स्थित है। इसमें तीन अलग-अलग न्यायालय हैं- कोर्ट ऑफ जस्टिस, जनरल कोर्ट एवं सिविल सेवा अधिकरण।

(vi) यूरोपीय सेंट्रल बैंक- इसकी स्थापना यूरोप के आर्थिक एकीकरण के लक्ष्य से की गई थी जिसके चलते समान मुद्रा को अपनाया गया। इसका मुख्य लक्ष्य मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखना है। यह बैंक जर्मनी, फ्रेंकफोर्ट में स्थित है।

प्रश्न 9. आसियान के उद्देश्यों का वर्णन कीजिए।

उत्तर- आसियान के सभी सदस्य दस राष्ट्रों में विभिन्न भाषा, धर्म, जाति, संस्कृति, खान-पान तथा रहन-सहन इत्यादि वाले देश सम्मिलित हैं। हालांकि आसियान के सदस्य देशों की औपनिवेशिक विरासत, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, राजनीतिक, आर्थिक एवं सामाजिक जीवन मूल्यों में भिन्नता है, लेकिन उनमें कतिपय चुनौतियों का सामना करने के बिन्दु पर एकजुटता है। इन देशों के सम्मुख जनसंख्या विस्फोट, निर्धनता, आर्थिक शोषण तथा असुरक्षा इत्यादि एक जैसी चुनौतियाँ हैं, जिन्होंने इन्हें क्षेत्रीय सहयोग के मार्ग पर चलने हेतु विवश कर दिया है।

आसियान का उद्देश्य इस क्षेत्र में एक साझा बाजार तैयार करना तथा सदस्य देशों के बीच आर्थिक सहयोग को बढ़ाना है। आर्थिक सांस्कृतिक, व्यापारिक, वैज्ञानिक, तकनीकी तथा प्रशासनिक इत्यादि क्षेत्रों में परस्पर सहायता करना तथा सामूहिक सहयोग द्वारा विभिन्न सामान्य समस्याओं का समाधान करना है।

आसियान के प्रमुख उद्देश्यों को संक्षेप में निम्न प्रकार स्पष्ट किया जा सकता है-

(1) क्षेत्र की आर्थिक संवृद्धि, सामाजिक प्रगति तथा सांस्कृतिक विकास को बढ़ावा देना।

(2) क्षेत्रीय शान्ति तथा स्थिरता को बढ़ाना।

(3) कृषि एवं औद्योगिक क्षेत्र में विकास हेतु अधिक सक्रिय योगदान प्रदान करना।

(4) विभिन्न सहयोगी क्षेत्रीय संगठनों में परस्पर अच्छे सम्बन्ध विकसित करना।

प्रश्न 10. आसियान संघ में भारत की भूमिका का वर्णन कीजिए।

उत्तर- आसियान भारत का चौथा सबसे बड़ा व्यापार भागीदार है और भारत आसियान का सातवां सबसे बड़ा व्यापार भागीदार है। आसियान के साथ भारत का व्यापार 2016-17 से बढ़कर 70 अरब डॉलर का हो गया है, जबकि 2015-16 में यह 65 अरब डॉलर था। सिंगापुर की अगुवाई में आसियान भारत का प्रमुख निवेश स्रोत है।

भारत और आसियान की क्षेत्र में शांति और सुरक्षा में समानता व समान हितों का साझा करते हुए खुला, संतुलित एवं समावेशी क्षेत्रीय संरचना है। भारत हिंद महासागर से लेकर प्रशांत महासागर तक बड़े समुद्री क्षेत्रों के साथ रणनीतिक रूप से अवस्थित है। ये समुद्री क्षेत्र आसियान के कई सदस्य देशों के लिये महत्वपूर्ण व्यापार के रास्ते भी हैं।

प्रश्न 11. आसियान के कार्यों को समझाइये।

उत्तर- आसियान के कार्य एवं भूमिका- हालांकि आसियान के कार्यों का क्षेत्र अत्यन्त व्यापक है, लेकिन फिर भी संक्षेप में इसके कार्यों का उल्लेख निम्न प्रकार किया जा सकता है-

1. समसामयिक एवं सांस्कृतिक परियोजनाएँ बनाना- आसियान की स्थायी समिति समय-समय पर सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों से सम्बन्धित परियोजनाएँ बनाती है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य जनसंख्या नियन्त्रण एवं परिवार नियोजन कार्यक्रमों को प्रोत्साहन, दवाइयों के निर्माण पर नियन्त्रण, शैक्षणिक, खेल, सामाजिक कल्याण तथा राष्ट्रीय व्यवस्था में संयुक्त कार्य प्रणाली को महत्व देना है। 1969 में संचार व्यवस्था एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ाने हेतु एक समझौता किया गया। इस समझौते के प्रावधानों के अनुसार आसियान के सदस्य देश रेडियो एवं दूरदर्शन के माध्यम से परस्पर एक-दूसरे के कार्यक्रमों का आदान-प्रदान करते हैं।

2. कृषि एवं पशुपालन सम्बन्धी शिक्षा- आसियान ने खाद्य सामग्री के उत्पादन में प्राथमिकता देने के लिए किसानों को अर्वाचीन तकनीकी शिक्षा देने हेतु कुछ कारगर कदम उठाए हैं। यह विशेष रूप से गन्ना, धान तथा पशुपालन में सहायक सिद्ध हुए हैं।

3. पर्यटन की सुविधा प्रदान करना- आसियान ने पर्यटन के क्षेत्र में अपना एक सामूहिक संगठन 'आसियम्टा' स्थापित किया है। यह संगठन बिना 'वीसा' के सदस्य देशों में पर्यटन की सुविधा प्रदान करता है। आसियान देशों ने 1971 में हवाई सेवाओं के व्यापारिक अधिकारों की रक्षा तथा 1972 में फंसे जहाजों को सहायता पहुँचाने से सम्बन्धित एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

4. स्वतन्त्र व्यापार क्षेत्र की स्थापना के प्रयास- आसियान के सदस्य देश प्राथमिकता के आधार पर सीमित वस्तुओं के 'स्वतन्त्र व्यापार क्षेत्र (साझा बाजार)' स्थापित करने के लिए प्रयासरत हैं। आसियान के सदस्य देशों का आपसी आयात-निर्यात उनके सीमित बाजार का विस्तार तथा विदेशी मुद्रा की बचत करने में सहायक है। 1976 के बाली (इण्डोनेशिया) शिखर सम्मेलन में आसियान सदस्यों ने पारस्परिक सहयोग को बढ़ाने हेतु मुख्यतया निम्नलिखित तीन सुझाव रखे थे-

(i) बाहरी आयात कम करके सदस्य राष्ट्र पारस्परिक व्यापार को महत्व देंगे,

(ii) खाद्य एवं ऊर्जा शक्ति वाले इन क्षेत्रों में अभाव से पीड़ित आसियान देशों की सहायता करेंगे तथा

(iii) आसियान के सदस्य देश व्यापार को अधिकाधिक क्षेत्रीय बनाने का प्रयास करेंगे।

जनवरी 1992 में आसियान ने 'नवीन अन्तर्राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था' की माँग करके अपना एक अलग मुक्त व्यापार क्षेत्र बनाने का प्रस्ताव भी रखा।

प्रश्न 12. यूरोपीय यूनियन गठन के क्या उद्देश्य हैं?

उत्तर- यूरोपीय यूनियन का इतिहासः इस संधि की स्थापना वर्ष 1951 में 6 देशों ने मिलकर की थी जिसका मुख्य उद्देश्य था कि सभी सदस्य देश कोयले और स्टील के व्यापार का

विकसित कर सके और अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत कर सके। उस समय इस संघ में जर्मनी, फ्रांस, इटली, नीदरलैंड, बेल्जियम और लक्समबर्ग शामिल थे।

इस संगठन का मुख्य उद्देश्य इसके सदस्य देशों के मध्य व्यापार तथा अन्य आर्थिक गतिविधियों में सहयोग मजबूत करना था। रोम संधि के द्वारा ही कस्टम यूनियन तथा आणविक ऊर्जा के विकास में सहयोग हेतु यूरोपीय आण्विक ऊर्जा समुदाय की स्थापना की गई।

प्रश्न 13. डोकलाम प्रकरण क्या है? समझाइये।

उत्तर- डोकलाम प्रकरण में एक सड़क के निर्माण को लेकर भारतीय सशस्त्र बलों व चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के बीच चल रहे सैन्य सीमा गतिरोध को संदर्भित करता है। गतिरोध 16 जून, 2017 को शुरू हुआ, जब लगभग 270 से 300 भारतीय सैनिकों ने पीएलए को डोकलाम में सड़क बनाने से रोकने के लिए दो बुलडोजर के साथ भारत-चीन सीमा पार की थी। डोकलाम एक तरह का सड़क निर्माण को लेकर भारत और चीन के मध्य विवाद है।

प्रश्न 14. यूरोपीय संघ के झण्डे का वर्णन करो।

उत्तर- यूरोपीय संघ के झण्डे का वर्णन हम निम्नलिखित तरीके से करेंगे-

(i) यूरोपीय झंडा यूरोपीय संघ का प्रतीक है और अधिक मोटे तौर पर यूरोप की पहचान व एकता है।

(ii) एक नीले रंग की पृष्ठभूमि पर 12 स्वर्ण सितारों को एक चक्र सुविधाएँ हैं वे यूरोप के लोगों के बीच एकता, एकजुटता और सद्भाव के आदर्शों के लिए संदेश देता है।

(iii) सितारों की संख्या का सदस्य देशों की संख्या से कोई लेना-देना नहीं है, हालांकि यह दायरा एकता का प्रतीक है।

(iv) यूरोप का ध्वज या यूरोपीय ध्वज दो अलग-अलग संगठनों द्वारा उपयोग किया जाने वाला एक आधिकारिक प्रतीक है।

(v) इसमें एक नीले मैदान पर बारह, पाँच-नुकीले सुनहरे तारों का एक चक्र होता है।

अध्याय 5. समकालीन दक्षिण एशिया

स्मरणीय बिंदु

(1) दक्षिण एशिया विश्व का महत्वपूर्ण क्षेत्र है। इसमें शामिल 7 देशों भारत, पाकिस्तान, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, श्रीलंका तथा मालदीव, के लिए दक्षिणी एशिया शब्द का इस्तेमाल किया जाता है।

(2) इस क्षेत्र की चर्चा में अब अफगानिस्तान और म्यांमार को भी शामिल किया जाता है।

(3) चीन इस क्षेत्र का एक प्रमुख देश है, लेकिन चीन को दक्षिण एशिया का अंग नहीं माना जाता।

(4) दक्षिण एशिया के विभिन्न देशों में एक ही राजनीतिक प्रणाली नहीं है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न 1. बहुविकल्प प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1. भारत और पाकिस्तान के बीच शिमला समझौता हुआ-

(अ) जुलाई 1970 (ब) जुलाई 1972
(स) अगस्त 1970 (द) अगस्त 1973

2. अफगानिस्तान दक्षेस का सदस्य बना-

(अ) 2006 (ब) 2007
(स) 2005 (द) 2008

(3) बांग्लादेश संकट कब हुआ था-

(अ) 1965 (ब) 1971
(स) 1975 (द) 1967

4. भारत तथा बांग्लादेश के बीच गंगा जल बंटवारे का 30 वर्षीय समझौता संपन्न हुआ था-

(अ) जुलाई 1987 में (ब) दिसंबर 1991 में
(स) दिसंबर 1996 में (द) जनवरी 2008 में

5. 18वां दक्षेस सम्मेलन हुआ-

(अ) नेपाल में (ब) भूटान में
(स) भारत में (द) श्रीलंका में

6. सिंधु जल संधि किन दो देशों के बीच हुई?

(अ) भारत-पाकिस्तान (ब) भारत-बांग्लादेश
(स) भारत-नेपाल (द) भारत-भूटान

7. सार्क एक महत्वपूर्ण क्षेत्रीय संगठन है-

(अ) ऑस्ट्रेलिया का (ब) दक्षिण एशिया का
(स) अफ्रीका का (द) दक्षिण अमेरिका का

8. किस दक्षिण एशियाई देश में सर्वप्रथम सैनिक शासन स्थापित हुआ?

(अ) नेपाल (ब) भूटान
(स) पाकिस्तान (द) श्रीलंका

9. कौन सा देश सार्क का सदस्य नहीं है?

(अ) भारत (ब) पाकिस्तान
(स) चीन (द) श्रीलंका

10. नेपाल एक लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में उभरा-

(अ) 2008 में (ब) 2007 में
(स) 2006 में (द) 2005 में

उत्तर- (1) (ब), (2) (ब), (3) (ब), (4) (स), (5) (अ), (6) (अ), (7) (ब), (8) (स), (9) (स), (10) (अ)।

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये-

(1) ब्रिटिश राज को समाप्ति के बाद भारत और पाकिस्तान का .... के रूप में उदय हुआ।

(2) साफ्टा पर .... दक्षेस सम्मेलन मे हस्ताक्षर हुए।

(3) अफगानिस्तान .... में दक्षेस का सदस्य बना।

(4) पाकिस्तान को स्वतंत्रता .... को प्राप्त हुई थी।

(5) .... में भारत-पाकिस्तान के बीच शिमला समझौता हुआ।

(6) दक्षिण एशिया के देशों में सबसे पहले .... ने अपनी अर्थव्यवस्था का उदारीकरण किया।

(7) श्रीलंका में .... समुदाय बहुसंख्यक हैं।

(8) आगरा शिखर वार्ता .... एवं .... के मध्य हुई थी।

(9) साफ्टा .... से संबंधित है।

(10) सार्क संगठन के सदस्य राष्ट्रों की संख्या .... है।

उत्तर- (1) स्वतंत्र राष्ट्र, (2) 12वें, (3) 2007, (4) 14 अगस्त 1947, (5) जुलाई 1972, (6) श्रीलंका, (7) सिंहली, (8) जनरल मुशर्रफ, वाजपेयी, (9) दक्षेस (सार्क), (10) आठ।

प्रश्न 3. सही जोड़ी मिलाइये-

स्तम्भ-(अ)	स्तम्भ-(ब)
(1) भारत और पाकिस्तान	(अ) मई 1998
(2) भारत ने परमाणु परीक्षण किए।	(ब) कारगिल युद्ध
(3) भारत और बांग्लादेश	(स) 1999
(4) कारगिल युद्ध।	(द) फरक्कासंधि
(5) 1960	(ई) 1985
(6) सार्क का पहला सम्मेलन	(च) सिंधु जलसंधि
(7) मुक्त व्यापार संधि	(छ) सीमा विवाद
(8) भारत और चीन	(ज) साफ्टा
(9) राजीव-जयवर्धने समझौता	(झ) 2008
(10) नेपाल में राजतंत्र की समाप्ति	(ङ) 29 जुलाई 1987

उत्तर- (1) (ब), (2) (अ), (3) (द), (4) (स), (5) (च), (6) (ई), (7) (ज), (8) (छ), (9) (ङ), (10) (झ)।

प्रश्न 4. एक शब्द वाक्य में उत्तर दीजिये-

(1) ताशकंद समझौता कब हुआ था?

(2) सियाचिन की समस्या किन देशों के बीच मतभेद का कारण है?

(3) लिट्टे का पूरा नाम क्या है?

(4) भारत द्वारा शांति सेना किस देश में भेजी गई?

(5) श्रीलंका के बहुसंख्यक समुदाय का नाम लिखो।

(6) बांग्लादेश राज्य कब अस्तित्व में आया?

(7) सार्क का मुख्यालय कहाँ पर है?

(8) दक्षिण एशिया के किन देशों में लोकतांत्रिक व्यवस्था सफलतापूर्वक कायम है?

(9) दक्षिण एशिया के सबसे छोटे देश का नाम लिखो।

(10) दक्षेस का पूर्ण रूप लिखो।

(11) दक्षिण एशिया में शामिल देशों के नाम लिखो।

(12) सार्क क्या है?

(13) साफ्टा क्या है?

(14) सार्क के सदस्य देशों के नाम लिखो।

(15) सार्क और साफ्टा का पूर्ण रूप लिखो।

(16) स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद श्रीलंका को किस समस्या का सामना करना पड़ा?

(17) ताशकंद समझौता क्या है?

(18) शिमला समझौता क्या है?

(19) सिंधु नदी जल समझौता कब तथा किन दो देशों के बीच हुआ?

(20) भारत के पड़ोसी देशों के नाम लिखो।

(21) दक्षेस में कौन-कौन से देश शामिल हैं?

(22) फरक्का संधि क्या है?

उत्तर- (1) 10 जनवरी 1966, (2) भारत और पाकिस्तान (3) लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिलईलम, (4) श्रीलंका, (5) सिंहली, (6) 1971 में, (7) काठमांडू (नेपाल), (8) भारत और श्रीलंका में, (9) मालदीव, (10) दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन, (11) भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, नेपाल, मालदीव, भूटान, (12) भौगोलिक स्थिति के आधार पर क्षेत्रीय सहयोग के लिए बना आठ देशों का संघ है।, (13) साउथ एशिया प्रेफरेशियल ट्रेडिंग एग्रीमेंट, (14) भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, (15) साउथ एशियन एसोसिएशन रीजनल कॉपरेशन व साउथ एशियन फ्री ट्रेड एरिया, (16) महंगाई के कारण बुनियादी चीजों की कीमतें आसमान छू रही हैं, (17) भारत और पाकिस्तान के बीच हुआ एक शांति समझौता है, (18) यह समझौता भारत और पाकिस्तान के बीच दिसम्बर, 1971 में हुई लड़ाई के बाद हुआ, (19) 19 सितम्बर, 1960 में भारत व पाकिस्तान के बीच, (20) पाकिस्तान, म्यांमार, नेपाल, चीन, इन्डोनेशिया, भूटान, (21) भारत, पाक, श्रीलंका, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, (22) भारत और बांग्लादेश के बीच नदी के पानी के बंटवारे से संबंधित समझौता है।

प्रश्न 5. सत्य/असत्य का चयन कीजिए-

(1) दक्षिण एशिया में सिर्फ एक तरह की राजनीतिक प्रणाली चलती है।

(2) साफ्टा पर हस्ताक्षर इस्लामाबाद के 12वें सार्क सम्मेलन में हुए।

(3) दक्षिण एशिया की भौगोलिक विशिष्टता ही इस क्षेत्र के भाषाई, सामाजिक तथा सांस्कृतिक अनूठेपन के लिए जिम्मेदार है।

(4) दक्षिण एशिया क्षेत्र की चर्चा में जब तब अफगानिस्तान और म्यांमार को भी शामिल किया जाता है।

(5) चीन को दक्षिण एशिया का अंग नहीं माना जाता है।

(6) दक्षिण एशिया विविधताओं से भरा-पूरा इलाका है।

(7) दक्षिण एशिया के देशों में एक सी राजनीतिक प्रणाली नहीं है।

(8) एक राष्ट्र के रूप में भारत हमेशा लोकतांत्रिक रहा है।

(9) पाकिस्तान और बांग्लादेश में लोकतांत्रिक और सैनिक दोनों तरह के नेताओं का शासन रहा है।

(10) 2006 तक नेपाल में संवैधानिक राजतंत्र था।

उत्तर- (1) असत्य, (2) सत्य, (3) सत्य, (4) सत्य, (5) सत्य, (6) सत्य, (7) सत्य, (8) सत्य, (9) सत्य, (10) सत्य।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. दक्षिण एशिया के विभिन्न देशों की राजनीतिक प्रणाली का वर्णन कीजिये।

उत्तर- दक्षिण एशिया में सिर्फ एक तरह की राजनीति प्रणाली चलती है। बांग्लादेश और भारत ने नदी-जल की हिस्सेदारी के बारे में एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। 'साफ्टा' पर हस्ताक्षर इस्लामाबाद के 12वें सार्क-सम्मेलन में हुए। दक्षिण एशिया की राजनीति में और संयुक्त राज्य अमरीका महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके सदस्य देश अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, नेपाल, मालदीव, भूटान आदि शामिल हैं।

प्रश्न 2. श्रीलंका के जातीय संघर्ष पर टिप्पणी लिखो।

उत्तर- श्रीलंका के साथ भारत के संबंध अत्यंत घनिष्ठ तो नहीं, सामान्य ही कहे जा सकते हैं। जब तक तमिल समस्या का समाधान नहीं हो जाता ये संबंध ऊपरी तौर पर मैत्री पूर्ण ही रहेंगे। भारत की इच्छा है कि श्रीलंका की सार्वभौमिकता को बनाये रखते हुए तमिलों को आंतरिक स्वायत्तता और राजनीतिक अधिकार के साथ-साथ उनकी सुरक्षा के लिए कोई सुदृढ़ और प्रभावी व्यवस्था हो जाये। श्रीलंका सरकार इस समस्या के समाधान के लिए संयुक्त राष्ट्र और नार्वे की सरकार के माध्यम से निरंतर प्रयत्नशील है। यह सत्य है कि श्रीलंका से तमिलों का पूर्ण निष्कासन किया जाना अथवा उन्हें दुय्यम दर्जे के नागरिक के रूप में श्रीलंका में रहने के लिए बाध्य कर देना नितांत असंभव है। जितनी शीघ्र यह समस्या सुलझ जाये उतनी ही जल्दी भारत श्रीलंका के पारस्परिक संबंधों में मधुरता आ सकेगी। भारत तमिल समस्या में फँसना नहीं चाहता था। वह लिट्टे भारत से किसी भी प्रकार समर्थन भी नहीं देना चाहता था, क्योंकि लिट्टे समर्थक महिला ने ही श्री राजीव गांधी की हत्या की थी। अतः लिट्टे पर प्रतिबंध लगा दिया गया। श्रीलंका को भारत के इस कृत्य से प्रसन्नता हुई और श्रीमती कुमार तुंगे ने 25 मार्च, 1994 को भारत की चार दिवसीय यात्रा में भारतीय प्रधानमंत्री नरसिंह राव से मुलाकात।

प्रश्न 3. भारत श्रीलंका मतभेद के कारण लिखिए।

उत्तर- भारत तथा श्रीलंका के मध्य मतभेद के चार प्रमुख कारण निम्नवत हैं-

(1) भारतीय मूल के तमिलों की नागरिकता सम्बन्धी विवाद भारत तथा श्रीलंका के बीच मतभेद का प्रमुख कारण बना हुआ है।

(2) भारत-श्रीलंका के मध्य समुद्री सीमा निर्धारण की समस्या की वजह से भी दोनों देशों में समय-समय पर मतभेद उभरता रहा है।

(3) सितम्बर 2012 में तमिलनाडु के कुछ मछुआरों को श्रीलंकाई सैनिकों ने पकड़कर उनका उत्पीड़न किया तथा भारतीय दवाव के बाद 16 मार्च, 2013 को श्रीलंका ने 34 मछुआरों को जाफना में रिहा कर दिया।

(4) गृहयुद्ध की समाप्ति के बाद श्रीलंका में अल्पसंख्यक तमिलों को मुख्यधारा में सम्मिलित करने हेतु राजनीतिक अधिकार प्रदान करने का आग्रह भारत सरकार कर चुकी है, लेकिन श्रीलंका ने उसे नजरअंदाज किया है

(5) तमिलों के मानवाधिकारों के हनन के मसले पर जेनेवा में सं.रा. मानवाधिकार परिषद में श्रीलंका के खिलाफ प्रस्ताव पर मतदान में भारत ने प्रस्ताव का समर्थन किया।

प्रश्न 4. भारत-नेपाल संबंधों की व्याख्या कीजिये।

उत्तर- नेपाल भारत का एक महत्वपूर्ण पड़ोसी है और सदियों से चले आ रहे भौगोलिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आर्थिक संबंधों के कारण उसकी विदेशी नीति में विशेष महत्व रखता है। भारत और नेपाल हिन्दू धर्म एवं बौद्ध धर्म के संदर्भ में भी एकल या एक आत्मीय संबंध रखते हैं।

नेपाल के प्रधानमंत्री ने जुलाई 2021 में शपथ लेने के बाद अपनी विदेश यात्राओं की शुरूआत भारत के दौरे के साथ की। दोनों देशों के बीच कनेक्टिवीटी परियोजना के आरम्भ

और समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर के मामले में यह एक सफल दौर रहा।

हालांकि, दोनों देशों के बीच संबंधों में अभी तनाव के कुछ मसले मौजूद हैं जिनमें तीन प्रमुख हैं। भारत को अपनी 'नेबरहुड फर्स्ट' नीति के उद्देश्य की पूर्ति के लिए द्विपक्षीय संवाद, मजबूत आर्थिक संबंध और नेपाल के लोगों के प्रति अधिक संवेदनशीलता रखने जैसी राहों पर आगे बढ़ना होगा। वर्ष 1950 की 'भारत नेपाल' शांति और 'मित्रता संधि' दोनों देशों के बीच मौजूद विशेष संबंध का आधार रही।

प्रश्न 5. दक्षिण एशिया क्षेत्र की विशेषताएं क्या हैं?

उत्तर- दक्षिण एशिया क्षेत्र की प्रमुख विशेषताएँ निम्न प्रकार हैं:

(1) दक्षिण एशिया एक ऐसा क्षेत्र है, जहाँ सद्भाव एवं शत्रुता, आशा व निराशा तथा पारस्परिक शंका एवं विश्वास साथ साथ विद्यमान है।

(2) दक्षिण एशिया विविधताओं से परिपूर्ण भरापूरा क्षेत्र है। फिर भी भू-राजनीतिक धरातल पर यह एक क्षेत्र है।

(3) दक्षिण एशिया क्षेत्र की भौगोलिक विशिष्टता ही इस उपमहाद्वीपीय क्षेत्र के भाषायी, सामाजिक एवं सांस्कृतिक अनूठेपन के लिए उत्तरदायी है।

प्रश्न 6. साफ्टा क्या है तथा इसका लक्ष्य क्या है?

उत्तर- साफ्टा: दक्षिण एशियाई मुक्त व्यापार क्षेत्र (SAFTA) दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (SAARC) की मुक्त व्यापार व्यवस्था है। यह समझौता 2006 में लागू हुआ, जिसमें 1993 SAARC अधिमान्य व्यापार व्यवस्था सफल रही। SAFTA हस्ताक्षरकर्ता देश अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान भारत मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका हैं। साफ्टा का मुख्य उद्देश्य सार्क देशों में व्यापार निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना ताकि आर्थिक विकास के लिए उनका समान लाभ सुनिश्चित हो सके। साफ्टा का प्रमुख कार्य शुल्कों के उन्मूलन के माध्यम से दक्षिण एशिया में एक मुक्त व्यापार क्षेत्र की स्थापना करना है। साफ्टा सभी देशों के मध्य वस्तुओं की मुफ्त आवाजाही में आने वाली बाधाओं को दूर करना और दक्षिण एशियाई देशों की अर्थव्यवस्था को एकीकृत करना है।

प्रश्न 7. सार्क के सिद्धांतों को समझाइए।

उत्तर- सार्क के निम्न सिद्धांत हैं-

(i) सॉवरेन इक्वेलिटी, टेरिटोरियल और पॉलिटिकल इंडिपेंडेंस का सम्मान करना।

(ii) सार्क के जितने भी सदस्य हैं सबको बराबर का दर्जा देना।

(iii) किसी भी दूसरे देश के मामलों में हस्तक्षेप नहीं करना।

(iv) आपसी फायदे के लिए काम करना, जिससे सभी का फायदा हो।

(v) सार्क में लिए जाने वाले सारे फैसलों में सबकी सहमति अनिवार्य है।

(vi) दक्षिण एशिया के देशों की जनता के कल्याणकारी कार्यों को सहयोग और बढ़ावा देना।

(vii) सार्क देशों की जनता के जीवन स्तर को ऊँचा करने हेतु कार्य करना।

(viii) क्षेत्र के आर्थिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक विकास को तीव्र करना।

(ix) क्षेत्र के लोगों में सामूहिक आत्मनिर्भरता, परस्पर विश्वास और आपसी सद्भावना विकसित करना।

(x) क्षेत्र के तकनीकी और वैज्ञानिक क्षेत्र में सक्रिय भाग लेते हुए प्रत्येक व्यक्ति की कार्य कुशलता में वृद्धि करना।

(xi) क्षेत्र के अन्य कार्य क्षेत्रों के विकास हेतु आपसी सहयोग देना।

प्रश्न 8. भारत-बांग्लादेश के बीच सहयोग और असहयोग के मसलों के बारे में लिखो।

उत्तर- भारत-बांग्लादेश के बीच सहयोग के मसले-

(i) बांग्लादेश भारत के 'पूरब चलो' की नीति का हिस्सा है। इस नीति के अंतर्गत व्यापार के जरिए दक्षिण-पूर्व एशिया से सम्पर्क साधने की बात है।

(ii) आपदा प्रबंध और पर्यावरण के मसले पर भी दोनों देशों ने निरंतर सहयोग किया है।

(iii) भारत और बांग्लादेश के बीच आर्थिक भागीदारी तथा परिवहन के क्षेत्र में हुए प्रयासों से पूर्वोत्तर भारतीय आर्थिक परिदृश्य में पूर्वोत्तर राज्यों को एक मजबूत स्थान प्रदान करने में सहायता प्राप्त होगी।

भारत-बांग्लादेश के बीच असहयोग के मसले-

(i) भारतीय सेना को पूर्वोत्तर भारत में जाने के लिए अपने इलाके से रास्ता देने से बांग्लादेश का इंकार करना।

(ii) भारत और बांग्लादेश के बीच विवाद का मुद्दा ब्रह्मपुत्र नदी और गंगा नदी के जल बंटवारे से भी संबंधित है।

(iii) तीस्ता नदी जल विवाद को लेकर दोनों देशों के बीच सबसे बड़ी दुविधा तीस्ता नदी जल बंटवारे को लेकर है। भारत व बांग्लादेश के बीच कुल 50 से अधिक नदियाँ बहती हैं। जिसमें तिस्ता नदी जल विवाद में दोनों के मध्य विवाद उत्पन्न का मुख्य कारण है।

प्रश्न 9. भारत-पाक संबंधों के विषय में लिखिए।

उत्तर- पाकिस्तान भारत से विभाजित किया वह अंग है, जो 14 अगस्त 1947 को एक मुस्लिम राष्ट्र के रूप में अस्तित्व में

[illegible] भारत के प्रति नफरत, ईर्ष्या और [illegible] दिखाई [illegible] जिसके परिणामस्वरूप [illegible] [illegible] सांस्कृतिक [illegible] के होते हुए भी दोनों राष्ट्र [illegible] राष्ट्र के रूप में [illegible] नहीं दिखाई पड़ते [illegible] विरासत और संस्कृति की संजीव [illegible] [illegible] भाई के प्रति स्नेह की भावना को [illegible] को फलते-फूलते देखना चाहता है, किन्तु [illegible] किसी नफरत, ईर्ष्या और घृणा को अपना [illegible] भारत को नीचा दिखाने के प्रयास में अपने अस्तित्व [illegible] करने को आतुर है। आज जहाँ भारत आर्थिक [illegible] क्षेत्र में महाशक्ति के रूप में उभर रहा है, वहीं [illegible] अमेरिका की आर्थिक सहायता का मोहताज बने हुए [illegible] पतन की कगार पर खड़ा हुआ है। भारत की प्रजातांत्रिक [illegible] जहाँ विश्व के लिये उदाहरण बनी हुई है, वहीं पाक [illegible] इसके लिए तरस रही है। 2008 के चुनाव शायद पाकिस्तान को स्थायी प्रजातांत्रिक व्यवस्था दे सके, ऐसी आशा की जा रही है।

[illegible] लोकशाही सरकार के भारत के संबंध खट्टे-मीठे बने हुए हैं। 2009 के मुम्बई हमले में पाकिस्तान के नागरिकों, सैनिकों और आतंकवादी संगठनों जैश ए. मुहम्मद के सईद की प्रत्यक्ष सहयोग के उजागर हो जाने से दोनों देशों के मध्य तनाव बढ़ गया था और राजनीतिक संबंध दूर करने के कगार पर पहुँच गये। जो अभी भी सामान्य नहीं हो सके हैं।

प्रश्न 10. शीत युद्ध के बाद दक्षिण एशिया में अमेरिकी प्रभाव के बारे में बताइए।

उत्तर- द्वितीय विश्व युद्ध के बाद के काल में संयुक्त राज्य अमेरिका और सोवियत रूस के बीच उत्पन्न तनाव की स्थिति को शीत युद्ध के नाम से जाना जाता है। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन और सोवियत संघ (रूस) ने कन्धे से कन्धा मिलाकर धुरी राष्ट्रों जर्मनी, इटली और जापान के विरुद्ध संघर्ष किया था। किन्तु युद्ध समाप्त होते ही एक ओर ब्रिटेन तथा अमेरिका तथा दूसरी ओर सोवियत संघ में तीव्र मतभेद और असहयोग की भावना उत्पन्न हो गई।

ब्रिटेन तथा फ्रांस की अर्थव्यवस्था लड़खड़ा गई और वे विजयी होते हुए भी द्वितीय श्रेणी के राष्ट्र बनकर रह गए। अब रूस तथा अमेरिका विश्व की प्रमुख शक्तियों के रूप में उभरे। दोनों ही विश्व में अपना प्रभाव बढ़ाना चाहते थे। शीत युद्ध ने घरेलू नीति को दो तरह से प्रभावित किया। सामाजिक व आर्थिक रूप से। सामाजिक रूप से अमेरिकी लोगों की गहन शिक्षा ने सामाजिक सुधारों के प्रतिगमन को जन्म दिया। आर्थिक रूप से युद्ध से संबंधित उद्योगों द्वारा प्रेरित भारी विकास को भारी सरकारी विस्तार से सहायता मिली।

प्रश्न 11. ताशकंद समझौते के मुख्य प्रावधान क्या थे? व्याख्या कीजिए।

उत्तर- ताशकंद समझौते के निम्न प्रावधान हैं

(i) इस समझौते के अनुसार यह तय हुआ कि भारत और पाकिस्तान अपनी शक्ति का प्रयोग नहीं करेंगे और अपने झगड़ों को शान्तिपूर्ण ढंग से तय करेंगे।

(ii) यह समझौता भारत के प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री तथा पाकिस्तान के अयूब खान की लम्बी वार्ता के उपरान्त हुआ।

(iii) यह समझौता 11 जनवरी 1996 ई. को ताशकंद सोवियत संघ, वर्तमान उज्बेकिस्तान में हुआ।

(iv) दोनों देश 25 फरवरी 1996 तक अपनी सेनाएँ 5 अगस्त 1965 की सीमा रेखा पर पीछे हटा लेंगे।

(v) इन दोनों देशों के बीच आपसी हित के मामलों में शिखर वार्ताएँ तथा अन्य स्तरों पर वार्ताएँ जारी रहेंगी।

(vi) भारत-पाकिस्तान के बीच संबंध एक-दूसरे के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करने पर आधारित होंगे।

(vii) एक-दूसरे के बीच में प्रचार के कार्य को फिर से सुचारू कर दिया जाएगा।

प्रश्न 12. भारत के दक्षिण एशियाई देशों के साथ किस प्रकार के संबंध रहे हैं? व्याख्या कीजिये।

उत्तर- मोदी सरकार का ध्यान दक्षिण एशियाई देशों से कनेक्टिविटी बेहतर बनाने, सांस्कृतिक और धार्मिक रिश्ते मजबूत करने और उन्हें विकास और मानवीय मदद देने पर रहा है। पड़ोसी देशों के साथ रिश्ते मजबूत करने की कोशिश को इस क्षेत्र में चीन के बढ़ते आर्थिक और सैन्य दखल से जोड़कर भी देखा जाना चाहिए। दक्षिण एशियाई देशों के साथ भारत के ऐतिहासिक संबंधों की पृष्ठभूमि में आज फिर से इनके साथ सामाजिक सांस्कृतिक, आर्थिक व सामरिक संबंधों को सुदृढ़ करने की जरूरत है। दक्षिण एशियाई देशों के तहत राजनीति सशक्तिकरण में अच्छा कार्य कर रहे हैं। यदि वह अपने लोगों को उत्पादक रूप से रोजगार देने में सक्षम है तो भारत को जनसांख्यिकी के लाभांश से आर्थिक रूप से लाभ होगा। भारत में भारी संख्या में भारतीय युवा न केवल बेरोजगार है, बल्कि बेरोजगारिता भी है। हम नीचे दक्षिण एशियाई देशों के साथ भारत के रिश्तों की पड़ताल कर रहे हैं-

(i) अफगानिस्तान- भारत और अफगानिस्तान के रिश्ते हमेशा से ही अच्छे रहे है और इस मामले में मोदी और अशरफ गनी का दौर भी कोई अलग नहीं है। बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स और विकास के लिए भारत से मिली मदद का अफगानिस्तान ने स्वागत किया है।

(ii) बांग्लादेश- भारत का ध्यान बांग्लादेश के व्यापार और पूर्वोत्तर राज्यों के साथ संपर्क बढ़ाने पर रहा है। मोदी की 2015 ढाका यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच 41 साल पुराना सीमा विवाद खत्म हुआ।

(iii) भूटान- 2014 में प्रधानमंत्री मोदी सबसे पहले भूटान की आधिकारिक यात्रा पर गए थे, उन्होंने तब कहा था कि इस यात्रा के लिए भूटान उनकी 'स्वाभाविक पसंद' था क्योंकि दोनों देशों के रिश्ते खास और विशिष्ट हो, तब भारत की मदद से भूटान में चल रही परियोजनाओं का उद्घाटन भी किया था, जिसमें सुप्रीम कोर्ट की इमारत और 600 मेगावॉट की खोलोंगछू पनबिजली परियोजना शामिल थी। 40 करोड़ की लागत वाली इस परियोजना का निर्माण दोनों देश मिलकर कर रहे है।

(iv) नेपाल- मोदी अगस्त 2014 में नेपाल यात्रा पर गए थे जो 17 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री का पहला नेपाल दौरा था, इस यात्रा के दौरान उन्होंने नेपाल की मदद का वादा किया और नेपाल के साथ संबंध मजबूत हुए, 2015 में जब वहाँ जबरदस्त भूकम्प आया था, जिसमें राजधानी काठमाँडू भी प्रभावित हुई थी तब भारत ने नेपाल को तुरन्त आपदा राहत और बचाव कार्य में मदद की थी।

अतः इस प्रकार हम कह सकते है कि भारत और उनके दक्षिण एशियाई देशों के मध्य संबंध अच्छे होते जा रहे है, जिससे भारत व अन्य सभी देशों की दूरी भी कम होती नजर आ रही है।

प्रश्न 13. श्रीलंका के जातीय संघर्ष के बारे में व्याख्या कीजिये।

उत्तर- श्रीलंका के साथ भारत के संबंध अत्यन्त घनिष्ठ तो नहीं, सामान्य ही कहे जा सकते हैं। जब तक तमिल समस्या का समाधान नहीं हो जाता ये संबंध ऊपरी तौर पर मैत्रीपूर्ण ही रहेंगे। भारत की इच्छा है कि श्रीलंका की सार्वभौमिकता को बनाए रखते हुए तमिलों को आंतरिक स्वायत्तता और राजनीतिक अधिकार के साथ-साथ उनकी सुरक्षा के लिए कोई सुदृढ़ और प्रभावी व्यवस्था हो जावें। श्रीलंका सरकार इस समस्या के समाधान के लिए संयुक्त राष्ट्र और नार्वे की सरकार के माध्यम से निरन्तर प्रयत्नशील है। यह सत्य है कि श्रीलंका से तमिलों का पूर्ण निष्कासन किया जाना अथवा उन्हें दोयम दर्जे के नागरिकों के रूप में श्रीलंका में रहने के लिए बाध्य कर देना नितांत असंभव है। जितनी शीघ्र यह समस्या सुलझ जाये उतनी ही जल्दी भारत के पारस्परिक संबंधों में मधुरता आ सकेगी।

भारत तमिल समस्या में फँसना नहीं चाहता था। वह लिट्टे को भारत से किसी प्रकार का समर्थन भी नहीं देना चाहता था, क्योंकि लिट्टे समर्थक महिला ने ही श्री राजीव गाँधी की हत्या की थी। अतः लिट्टे पर प्रतिबंध लगा दिया गया। श्रीलंका को भारत के इस कृत्य से प्रसन्नता हुई और श्रीमती कुमार तुंगे ने 25 मार्च 1994 को भारत की चार दिवसीय यात्रा में भारतीय प्रधानमंत्री नरसिंह राव से मुलाकात की।

प्रश्न 14. दक्षिण एशियाई देशों की राजनीतिक प्रणाली को स्पष्ट करो।

उत्तर- दक्षिण एशियाई देशों की राजनीति प्रणाली को हम कुछ बिन्दुओं के आधार पर जानेंगे।

(i) भूटान- भूटान की राजनीति प्रणाली के भूटान के राजप्रमुख राजा अर्थात् ड्रुक ग्याल्पो होता है, जो वर्तमान में जिग्मे सिंघे वांगचुक है। हालाँकि यह पद वंशानुगत है, लेकिन भूटान के संसद शोगदू के दो तिहाई बहुमत द्वारा हटाया जा सकता है।

(ii) बांग्लादेश- बांग्लादेश में राजनीति संविधान में दिए गए संसदीय प्रतिनिधित्ववादी लोकतांत्रिक, गणतांत्रिक प्रणाली के अंतर्गत होती है। जिसके अनुसार राष्ट्रपति बांग्लादेश के राष्ट्रअध्यक्ष एवं बांग्लादेश के प्रधानमंत्री सरकार एवं एक बहुदलीय जनतांत्रिक प्रणाली प्रमुख होते है।

(iii) पाकिस्तान- पाकिस्तान सरकार संघीय संसदीय प्रणाली है जिसमें राष्ट्रपति का चयन जनता के बजाय संसद अथवा निर्वाचक मंडल करता है। पाकिस्तान इस्लामी गणराज्य के प्रमुख राष्ट्रपति होते है, जो पाकिस्तान की सेना के सर्वोच्च आदेशकर्ता भी होता है। प्रधानमंत्री प्रशासनिक मामलों का प्रमुख होता है, वह संसदीय बहुमत से चुना जाता है।

(४) नेपाल- नेपाल की राजनीति बहुदलीय प्रणाली के तहत एक गणतांत्रिक ढाँचे के अनुसार कार्य करती है। वर्तमान में राष्ट्रपति (राज्य का प्रमुख) के पद पर विधा देवी भण्डारी विराजमान है? प्रधानमंत्री (सरकार का प्रमुख) के पद पर शेर बहादुर देउबा है।

(५) मालदीव- मालदीव में राजनीति एक अध्यक्षीय गणराज्य ढाँचे के तहत होती है, जहाँ राष्ट्रपति सरकार का मुखिया होता है।

प्रश्न 15. दक्षिण एशिया की शांति एवं सहयोग में सार्क का क्या योगदान है? समझाइए।

उत्तर- दक्षिण एशिया के देशों के मध्य क्षेत्रीय सहयोग प्रोत्साहित करने हेतु एक क्षेत्रीय संगठन की स्थापना की गई। दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संघ अर्थात् दक्षेस अथवा सार्क के नाम से जाना जाता है। 1985 में अस्तित्व में आए सार्क से सदस्यों में श्रीलंका, भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान तथा मालदीव सात सदस्य थे। बाद में अफगानिस्तान ने

[illegible] सफलता न मिली। इस प्रकार वर्तमान में 8 देश सार्क [illegible] है।

[illegible] भूमिका के लिए सुझाव- दक्षिण एशिया के विकास में [illegible] अधिक भूमिका का निर्वहन कर सके। इसके लिए हम [illegible] सुझाव दे सकते हैं।

[illegible] भारत तथा पाकिस्तान को अपने आपसी विवादों के समाधान [illegible] करने चाहिए, जिससे समस्त दक्षिण एशियाई देशों का [illegible] विवादों से हटकर विकास की ओर जा सके। सभी देशों के [illegible] भारत का विशाल बाजार सहायक सिद्ध हो सकता है।

(2) वित्तीय क्षेत्र में सुधार करना अत्यधिक आवश्यक है।

(3) इसी प्रकार अपने पड़ोसियों के साथ संचार एवं यातायात व्यवस्था में और अधिक सुधार किए जाने की भी जरूरत है।

(4) श्रम सम्बन्ध वाणिज्यिक क्षेत्र तथा वित्तीय समस्याओं हेतु कानून में बदलाव भी किए जाने चाहिए।

प्रश्न 16. भारत-पाक के बीच कश्मीर समस्या को स्पष्ट करो।

उत्तर- आज कश्मीर में आधे क्षेत्र में नियंत्रण रेखा है तो कुछ क्षेत्र में अन्तर्राष्ट्रीय सीमा। अंतर्राष्ट्रीय सीमा से लगातार फायरिंग और घुसपैठ होती रहती है। इसके बाद पाकिस्तान ने अपने सैन्य बल से 1965 में कश्मीर पर कब्जा करने का प्रयास किया, जिसके चलते उसे मुंह की खानी पड़ी। इस युद्ध में पाकिस्तान की हार हुई।

कश्मीर समस्या कश्मीर पर अधिकार को लेकर भारत-पाक के मध्य 1947 से जारी है। भारत में विलय के लिए विलय-पत्र पर दस्तखत किए थे। गवर्नर जनरल माउंटबेटन ने 27 अक्टूबर को इसे मंजूरी दी। विलय-पत्र का खाका हूबहू वही था। जिसका भारत में शामिल हुए अन्य सैकड़ों रजवाड़ों ने अपनी-अपनी रियासत को भारत में शामिल करने के लिए उपयोग किया था। इस वैधानिक दस्तावेज पर दस्तखत होते ही समूचा जम्मू-कश्मीर, जिसमें पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाला क्षेत्र भी शामिल है, भारत का अभिन्न अंग बन गया।

वर्तमान में भारत ने इस समझौते पर दस्तखत कर दिया। उस समय पाकिस्तान से हुई लड़ाई के बाद कश्मीर 2 हिस्सों में बंट गया। कश्मीर का जो हिस्सा भारत से लगा हुआ था, वह जम्मू-कश्मीर नाम से भारत का एक सूबा हो गया, वहीं कश्मीर का जो हिस्सा पाकिस्तान और अफगानिस्तान से सटा हुआ था, वह पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर कहलाया।

■

अध्याय 6. अन्तर्राष्ट्रीय संगठन

स्मरणीय बिन्दु

- **अंतर्राष्ट्रीय संगठन-** अपने उद्देश्य में व्यापक होते हैं, जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विवादों के समाधान तथा शांति व सुरक्षा स्थापित करने में विभिन्न देशों के मध्य सौहार्दपूर्ण वातावरण का निर्माण करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती!
- **अंतर्राष्ट्रीय संगठनों की आवश्यकता-** दुनिया में कुछ समस्याएं ऐसी होती हैं, जिससे निपटना किसी एक देश के लिए आसान नहीं होता! ऐसे में अंतर्राष्ट्रीय संगठन मदद करते! अंतर्राष्ट्रीय विवादों को शांतिपूर्ण ढंग से समाधान निकालना! बीमारियों की रोकथाम में सहायक! विश्व के आर्थिक विकास में सहायक! सहयोग को बढ़ावा! प्राकृतिक आपदा/महामारी से निपटना! वैश्विक ताप वृद्धि से निपटना आदि!

विश्व के प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय संगठन-

- लीग ऑफ नेशन संयुक्त राष्ट्र संघ, विश्व बैंक, विश्व व्यापार संगठन।
- अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, एमनेस्टी इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स वॉच, अंतर्राष्ट्रीय रेड क्रॉस सोसाइटी!
- **संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना-** 24 अक्टूबर 1945 को हुई! इसका मुख्यालय न्यूयार्क में है। इसकी सदस्य संख्या 193 है। सयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना के समय इसमें 51 सदस्य थे! भारत संयुक्त राष्ट्र संघ का स्थापक सदस्यों में से एक है।
- **संयुक्त राष्ट्र संघ के उद्देश्य-** अंतर्राष्ट्रीय झगड़ों को रोकना!
- राष्ट्रों के बीच में सहयोग की भावना!
- पड़ोसियों के देशों की संप्रभुता का सम्मान!
- पूरे विश्व के लिए सामाजिक, आर्थिक विकास के लिए कार्य करना!
- आपदा महामारी आदि अन्य किसी समस्या से एक-दूसरे की मदद!
- **राष्ट्र संघ के अंग-** सुरक्षा परिषद, अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय, सचिवालय, महासभा, न्याय परिषद!
- **आर्थिक एवं सामाजिक परिषद सुरक्षा परिषद-** संयुक्त राष्ट्र संघ की सबसे शक्तिशाली अंग सुरक्षा परिषद है। इसमें कुल 15 सदस्य! इसमें पांच स्थाई सदस्य व दस अस्थाई सदस्य होते हैं! स्थाई सदस्य-अमेरिका-रूस-ब्रिटेन-फ्रांस और चीन तथा 10 स्थाई सदस्य हैं, जो 2 वर्ष की अवधि के लिए चुने जाते हैं! स्थाई सदस्यों को वीटो विशेषाधिकार की शक्ति प्राप्त होती है।

प्रश्न 6. वैश्वीकरण की दो विशेषताएं लिखिए।
उत्तर- वैश्वीकरण की प्रमुख चार विशेषताएं निम्न प्रकार है-
(1) वैश्वीकरण मे व्यापार का तेजी से विकास होता है।
(2) इसमें राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को अन्तर्राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के साथ एकीकृत करके राजनीतिक एवं भौगोलिक अवरोध समाप्त किए जाते हैं।
(3) यह वैश्वीकरण की ही विशेषता है, जिससे अन्तर्राष्ट्रीय बाजार का प्रादुर्भाव होता है।
(4) वैश्वीकरण से अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय लेन-देन अथवा क्रियाकलापों में तीव्रता आती है।

प्रश्न 7. वैश्वीकरण के आर्थिक प्रभाव बताइये।
उत्तर- वैश्वीकरण के आर्थिक प्रभाव- (1) आर्थिक वैश्वीकरण की वजह से समृद्धि बढ़ती है तथा खुलेपन के कारण अधिकाधिक जनसंख्या खुशहाल होती है। (2) आर्थिक वैश्वीकरण से व्यापार में वृद्धि होती हैं। वैश्विक स्तर पर व्यापार वृद्धि के फलस्वरूप प्रत्येक देश को अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन करने का अवसर मिलता है, जिसमें सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड को लाभ मिलता है।

प्रश्न 8. आर्थिक उदारीकरण के दो उद्देश्य लिखिए।
उत्तर- आर्थिक उदारीकरण के उद्देश्य- (1) आर्थिक विकास एवं उदारीकरण प्रक्रिया को अधिक सफल बनाने के लिए औद्योगिक नीति को अधिक उदार एवं गतिशील बनाना।
(2) देश के घरेलू उद्योगों को प्रतिस्पर्द्धा के योग्य बनाना।
(3) भारतीय अर्थव्यवस्था को अधिक कुशल, कार्यशील एवं प्रतिस्पर्द्धात्मक बनाना।
(4) आर्थिक विकास का मौलिक उद्देश्य अर्थव्यवस्था को स्थिरता के साथ आर्थिक विकास के मार्ग पर आगे बढ़ाना।

प्रश्न 9. वैश्वीकरण में प्रौद्योगिकी का क्या योगदान है?
उत्तर- वैश्वीकरण में प्रौद्योगिकी का योगदान वैश्वीकरण की धारणा तथा विकास में सबसे अधिक योगदान प्रौद्योगिकी का है, क्योकि इसमें ही सारे संसार के लोगों का पारंपरिक किया है और विभिन्न देशों तथा क्षेत्र को आमने-सामने ला खड़ा किया है, उनकी निर्भरता को बढ़ाया है और साथ ही उन्हें यह महसूस करने पर बाध्य किया हैं कि वह सब एक ही परिवार के सदस्य हैं। ■

भाग-2 स्वतंत्र भारत में राजनीति

अध्याय 1. राष्ट्र निर्माण की चुनौतियां

स्मरणीय बिन्दु

- **राष्ट्र निर्माण बिन्दु चुनौतिया-** 15 अगस्त 1947 को 200 वर्षों की अंग्रेजी गुलामी के बाद भारत मध्य रात्रि को आजाद हुआ और भारत एक स्वतंत्र सम्प्रभु राज्य बना। भारत का विशाल भूभाग था जहां पर विभिन्न भाषा संस्कृत और धर्मों के अनुयाई रहते थे! इन सब को एक करने की चुनौती थी जो बहुत बड़ी चुनौती थी इन सब को देखते हुए भारत ने अपने संविधान में स्वतंत्रता समानता भक्त भावना को आधार माना और धर्म निरपेक्ष राज्य की स्थापना किया।
- **विलय पत्र-ईस्ट्रु मेण्ट ऑफ एक्सेशन-** रजवाड़ो के भारतीय संघ मे विलय के सहमति पत्र को इस्ट्रूमेन्ट ऑफ एक्सेशन कहा जाता है।
- **ट्रेस्टी विद डेस्टनी-** संविधान सभा के विशेष सत्र में भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू भाग्य वधू से चिर प्रतीक्षित है या टेस्टी विद डेस्टिनी के नाम से भाषण दिया था।
- **भारत विभाजन के कारण-**
  (1) शरणार्थी (2) देशी रियासत
  (3) राज्य पुनर्गठन आयोग (4) रजवाड़ो का विलय
  (5) विस्थापन और पुनर्वास

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न 1. बहुविकल्प प्रश्नों के उत्तर दीजिए-
1. भारत के प्रथम गृह मंत्री थे।
(अ) वल्लभभाई पटेल (ब) भीमराव अंबेडकर
(स) नेताजी सुभाषचंद्र बोस (द) पट्टाभि सीतारमैया
2. भारत का पहला राज्य कौनसा है जहां पर सार्वभौम वयस्क मताधिकार का सिद्धांत अपनाकर चुनाव कराए गए-
(अ) मिजोरम (ब) मणिपुरम्
(स) हैदराबाद (द) गोवा
3. आजादी के बाद भारत के समक्ष प्रमुख चुनौती थी।
(अ) लोकतंत्र को बनाए रखना
(ब) राष्ट्र निर्माण
(स) सामाजिक विक[illegible]
(द) औद्योगिक [illegible]

4. स्वतंत्रता के बाद भारत में देसी रियासतों की संख्या-

(अ) 355 (ब) 556 (स) 565 (द) 655

5. सरदार वल्लभभाई पटेल को जाना जाता है-

(अ) वीर पुरुष (ब) कर्मवीर (स) लौह पुरुष (द) महात्मा

6. 2 जून 2014 को निम्न राज्य की स्थापना हुई।

(अ) तेलंगाना क्षेत्र (ब) छतीसगढ़ (स) कर्नाटक (द) उड़ीसा

7. विदर्भ प्रदेश किस राज्य में है-

(अ) मध्यप्रदेश (ब) बिहार (स) झारखण्ड (द) उड़ीसा

उत्तर- (1) (अ), (2) (स), (3) (स), (4) (अ), (5) (स), (6) (अ), (7) (अ)।

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये-

(1) रजवाड़ों के भारतीय संघ मे विलय के सहमत पत्र को जाता है ....

(2) सिक्किम .... को अलग राज्य बना है।

(3) जम्मू-कश्मीर की राजधानी .... है।

(4) स्वतंत्रता के समय जम्मू-कश्मीर के राजा .... थे।

(5) भारत विभाजन के पश्चात् सांप्रदायिक दंगो ने .... समस्या को बल दिया।

(6) स्वतन्त्रता के बाद देश के प्रधानमंत्री .... थे।

उत्तर- (1) इन्स्ट्रूमेंट ऑफ एक्सेशन, (2) 26, (3) श्रीनगर, (4) हरिसिंह, (5) शरणार्थी, (6) जवाहरलाल नेहरू।

प्रश्न 3. सही जोड़ी मिलाइये-

स्तम्भ-(अ)	स्तम्भ-(ब)
(1) हैदराबाद का निजाम	(अ) खान अब्दुलगफ्फार
(2) दर आयोग	(ब) उस्मान अलीखान
(3) जूनागढ़ रियासत के दीवान	(स) मणिपुर
(4) सार्वभौम वयस्क मताधिकार सबसे पहले अपनाया गया।	(द) भारत, पाकिस्तान
(5) द्वि-राष्ट्र का सिद्धांत	(इ) शहनवाज भुट्टो
(6) सीमान्त गाँधी के नाम	(फ) 1948

उत्तर- (1) (ब), (2) (य), (3) (फ) (4) (स), (5) (द), (6) (अ)।

प्रश्न 4. एक शब्द / वाक्य में उत्तर दीजिये-

(1) भाग्य वधू से चिर प्रतीक्षित भेंट उद्बोधन संबंधित है।

(2) सीमान्त गांधी के नाम से जाने जाते हैं।

(3) राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का पूरा नाम था।

(4) हैदराबाद के शासक को जाना जाता है।

(5) हैदराबाद का भारत मे विलय हुआ।

(6) वर्तमान मे भारत मे कितने राज्य व केंद्र शासित प्रदेश है।

(7) इन्स्ट्रूमेंट ऑफ एक्सेशन क्या है?

(8) स्वतन्त्रता के बाद भारत की प्रमुख चुनौतियाँ कौनसी थी।

(9) पाँच देशी रियासतो के नाम लिखिये।

(10) राज्य पुनर्गठन आयोग क्या है?

(11) भारत के भाषा के आधार पर गठित राज्य का नाम लिखिये।

उत्तर- (1) पण्डित जवाहर लाल नेहरू, (2) खान अब्दुल गफ्फार, (3) मोहनदास करम चंद्र गांधी, (4) निजाम के नाम से, (5) 13 सितम्बर 1948, (6) 28 राज्य व केन्द्रशासित प्रदेश है, (7) कारवाई के पूर्व आदमी, (8) धार्मिक हिंसा, जातिवाद, नक्सलवाद, आतंकवाद और क्षेत्रीय अलगाववादी विद्रोह का सामना किया, (9) काठियावाड़ की संयुक्त रियासतें, मध्यप्रदेश की संयुक्त रियासतें, पटियाला और पूर्वी पंजाब की रियासती संघ, विन्ध्यप्रदेश व मध्यभारत के संघ तथा राजस्थान, त्रावणकोर और कोचीन, (10) भारत के स्वतंत्र होने के बाद भारत सरकार ने अंग्रेजी राज के दिनों के 'राज्यों' को भाषायी आधार पर पुनर्गठित करने के लिए राज्य पुनर्गठन आयोग की स्थापना की, (11) आन्ध्रप्रदेश।

प्रश्न 5. सत्य/असत्य का चयन कीजिए-

(1) स्वतंत्रता के बाद भारत मे देशी रियासतों की संख्या 565 थी।

(2) उत्तरांचल राज्य बनने के पूर्व बिहार का हिस्सा था।

(3) हैदराबाद देशी रियासत थी।

(4) तेलुगु भाषा के आधार पर आंध्र प्रदेश का गठन हुआ।

(5) भाषाई आधार पर राज्यो के गठन से अलगाववाद को बढ़ावा मिलता है।

उत्तर- (1) सत्य, (2) असत्य, (3) असत्य, (4) असत्य, (5) सत्य।

लघुउत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. स्ट्रगल फॉर सर्वाइवल क्या है?

उत्तर- यह उपन्यास काल्पनिक तीसरे विश्व युद्ध पर आधारित है। जहाँ एक वायरस का उपयोग करके युद्ध समाप्त होने की योजना बनाते हैं और एक आधुनिक एपिसोड की शुरुआत होती है, जिसे झोम्बी कहा जाता है। लोग अपनी जान बचाने के लिए लड़ते हैं।

प्रश्न 2. भारत देश कब स्वतंत्र हुआ?

उत्तर- 15 अगस्त 1947, को हमें ब्रिटिश शासन के 200
सालों के राज से आजादी मिली थी। तब से हर साल 15
अगस्त के दिन देश आजादी के इस पावन पर्व को सेलिब्रेट
करता है। अंग्रेजों ने लम्बे समय तक भारत पर अपना राज
किया और भारतीयों को अपना गुलाम बनाए रखा था।

प्रश्न 3. स्वतंत्रता के बाद भारत की प्रमुख चुनौतियां कौनसी थीं?

उत्तर- स्वतंत्रता के बाद भारत के सामने प्रमुख चुनौतियाँ थी-
राष्ट्र ने धार्मिक हिंसा, जातिवाद, नक्सलवाद, आतंकवाद और
क्षेत्रीय अलगाववादी विद्रोह का सामना किया है। भारत के
चीन के साथ अनसुलझे क्षेत्रीय विवाद हैं जो 1962 में चीन-
भारतीय युद्धों में बदल गए और पाकिस्तान के साथ जिसके
परिणामस्वरूप 1947, 1965, 1971 और 1999 में युद्ध हुए।

प्रश्न 4. द्वि-राष्ट्र के सिद्धांत क्या हैं?

उत्तर- द्वि-राष्ट्र का सिद्धान्त यह है कि दो राष्ट्रों में किसी भी
एक राष्ट्र का बँट जाना, यह परिस्थिति अंग्रेजों द्वारा स्वतंत्रता
से पहले उत्पन्न की गई थी, उन्होंने भारत देश को दो हिस्सों
में बांट दिया था। भारत और पाकिस्तान, जबकि दोनों ओर
अलग-अलग धर्मों के लोग रहते थे। उनके बंटवारे के पीछे
का कारण यही था कि "फूट डालो राज करो"।

प्रश्न 5. प्रथम राज्य पुनर्गठन आयोग के अध्यक्ष कौन थे?

उत्तर- 22 दिसम्बर 1953 में न्यायाधीश फजल अली, की
अध्यक्षता में प्रथम राज्य पुनर्गठन आयोग का गठन हुआ। इस
आयोग के तीन सदस्य- न्यायमूर्ति फजल अली, हृदयनाथ
कुंजरू और के. एम. पाणिक्कर थे।

प्रश्न 6. कौन संघ शासित राज्य था जो बाद में राज्य बन गया?

उत्तर- जम्मू कश्मीर चौथा पालक राज्य था, जिसे अब
केन्द्रशासित कर दिया गया हैं।

प्रश्न 7. राज्य पुनर्गठन आयोग का प्रमुख प्रतिवेदन क्या था।

उत्तर- भारत सरकार ने 1953 में भाषाई आधार पर राज्यों के
पुनर्गठन हेतु एक आयोग बनाया। फजल अली की अध्यक्षता
में गठित इस आयोग का कार्य राज्यों के सीमांकन के मामले
में कार्यवाही करना था। राज्य पुनर्गठन आयोग ने सितम्बर
1955 में 267 पृष्ठीय अपनी रिपोर्ट में स्वीकार किया कि
राज्यों की सीमाओं का निर्धारण वहाँ बोली जाने वाली भाषा
के आधार पर होना चाहिए। आयोग ने प्रमुख रूप से निम्न
सिफारिशें की थीं-

(1) राज्यों के पुनर्गठन में राष्ट्रीय एकता को सर्वोच्च प्राथमिकता
प्रदान की जाए।

(2) राज्यों के पुनर्गठन में भारतीय एकता को भी दृष्टिगत रखा जाए।

(3) भारतीय संविधान में वर्णित राज्यो के चार पक्षीय वर्गीकरण
को समाप्त करके राज्यो को एक सामान्य श्रेणी में रखा जाए।

(4) आयोग ने एक भाषा एक राज्य के विचार से असहमति
व्यक्त करते हुए स्वीकार किया कि भाषायी एकरूपता प्रशासकीय
कर्मठता में सहायक सिद्ध हो सकती है।

(5) वित्तीय एवं प्रशासनिक विषयों की ओर समुचित ध्यान
दिया जाए।

आयोग की रिपोर्ट के आधार पर 1956 में राज्य पुनर्गठन
अधिनियम पारित करके 14 राज्य तथा 6 केन्द्र शासित प्रदेश
बनाए गए। भारतीय संविधान में वर्णित मूल वर्गीकरण के चार
श्रेणियों को समाप्त करके दो प्रकार की इकाइयाँ (स्वायत्त
राज्य तथा केन्द्र शासित प्रदेश) रखी गईं।

प्रश्न 8. सरदार वल्लभभाई पटेल को भारत का बिस्मार्क क्यों कहा जाता है?

उत्तर- सरदार वल्लभ भाई पटेल वो महान राजनेता है जो
भारत के गृहमंत्री रहे। उन्हें बिस्मार्क की उपाधि इसलिये दी
गई है क्योंकि "ओटो वॉन बिस्मार्क" को जर्मनी का एकीकरण
करने के लिये जाना जाता है और सरदार एकीकरण करने के
लिये जाना जाता है और सरदार वल्लभभाई पटेल ने भारत का
एकीकरण किया। इसलिये जर्मनी के बिस्मार्क की तर्ज पर
उन्हें भारत का बिस्मार्क नाम दिया गया। अपनी तीक्ष्ण
कूटनीति का प्रयोग कर भारत की 562 छोटी-बड़ी रियासतों
को जोड़कर अखंड भारत का निर्माण करने का श्रेय सरदार
वल्लभभाई पटेल को ही जाता है। वे राष्ट्रीय एकता के पक्षधर
थे तथा वे सदैव भारत को एकता के सूत्र में बाँधने हेतु
प्रयासरत रहे।

प्रश्न 9. राज्य पुनर्गठन आयोग को समझाइये।

उत्तर- आजाद भारत में सभी देशी रियासतों का विलीनीकरण
तक तत्कालीन व्यवस्था थी। भारत के सभी वर्गों की स्पष्ट
मान्यता थी कि राज्यों का पुनर्गठन परिवर्तित परिस्थितियों के
अनुरूप किया जाना जरूरी है। अभी यह सोच विकसित हुई
थी दक्षिणी राज्यों में भाषा के आधार पर फिर से राज्यों को
गठित किए जाने की पुरजोर माँग की जाने लगी। यहाँ यह भी
उल्लेखनीय है कि भारतीय संविधान बनाते समय संविधान
सभा में भी भाषा के आधार पर राज्यों के गठन की माँग उठी
थी। जून 1948 में संविधान सभा ने एस.के. दर की अध्यक्षता
वाले भाषायी प्रान्त आयोग का गठन किया।
जब दर आयोग ने भाषायी आधार पर राज्यों के गठन अथवा
पुनर्गठन पर असहमति व्यक्त की, तो जन दबाव के समक्ष

झुकते हुए कांग्रेस ने जे.वी.पी. समिति बनाई। इस समिति ने सैद्धान्तिक रूप से दर आयोग की रिपोर्ट का समर्थन किया. लेकिन व्यावहारिक रूप से यह कहा कि यदि जनसाधारण भाषाई आधार पर राज्यों का पुनर्गठन चाहता है, तो यह किया जा सकता है।

जब जे.वी.पी. समिति ने मद्रास राज्यों में से आन्ध्र प्रदेश नामक नए राज्य के निर्माण का समर्थन किया तो उनके इस निर्णय ने आगामी तीन वर्षों में राज्यों के पुनर्गठन की एक नई आधारशिला रखी, जिसके चलते आगे चलकर सरकार को राज्य पुनर्गठन आयोग का गठन करने हेतु बाध्य होना पड़ा। 29 दिसम्बर, 1953 को न्यायमूर्ति फजल अली की अध्यक्षता में सरकार ने राज्य पुनर्गठन आयोग का गठन किया। आयोग ने 30 सितम्बर, 1955 को 267 पृष्ठीय रिपोर्ट भारत सरकार को सौंपी। आयोग की रिपोर्ट में सरकार द्वारा महत्वपूर्ण संशोधन करते हुए 16 जनवरी, 1956 को स्वीकार कर लिया गया। जुलाई 1956 में 7वें संवैधानिक संशोधन पारित होने के पश्चात् नवम्बर 1956 से राज्य की चार श्रेणियों को समाप्त करके उन्हें दो श्रेणियों- (1) राज्य तथा (2) केन्द्र शासित क्षेत्र में रखा गया। इस प्रकार देश में 14 राज्य तथा 6 केन्द्र शासित क्षेत्रों की स्थापना हुई।

प्रश्न 10. भारत विभाजन के प्रमुख कारण लिखिये।

उत्तर- भारत विभाजन के कारण-

भारत विभाजन के प्रमुख कारणों का उल्लेख निम्नलिखित शीर्षकों द्वारा किया जा सकता है-

1. मुसलमानों की भावनाएँ- हालांकि हिन्दू तथा मुसलमान शताब्दियों तक मिल-जुल कर साथ-साथ रहे थे। लेकिन इसके बावजूद भी हिन्दुओं के प्रति मुसलमानों के मन में भाई-चारे की भावना विकसित नहीं हो पायी। चूँकि मुसलमान लम्बी समयावधि तक आंग्ल भाषा तथा पाश्चात्य शैली से दूर रहे थे। अत: उनमें धर्मान्धता कायम रही। आगे चलकर मुस्लिमों में यह भावना घर कर गई कि उनके तथा हिन्दुओं के हितों में काफी भिन्नताएँ हैं। मुसलमानों की इसी भावना को बढ़ाने में मुहम्मद इकबाल, जिन्ना तथा मुस्लिम लीग इत्यादि ने आग में घी जैसा कार्य किया, जो आगे चलकर भारत विभाजन हेतु एक कारण बनी।

2. मुस्लिम साम्प्रदायिकता को अंग्रेजी हुकूमत द्वारा प्रोत्साहन- अंग्रेजी हुकूमत ने 1870 से ही मुसलमानों को संरक्षण देने की शुरुआत कर दी थी। भारत शासन अधिनियम 1909 द्वारा साम्प्रदायिक निर्वाचन की आधारशिला रखने का उद्देश्य मुस्लिमों को और अधिक बढ़ावा देना ही था। ब्रिटिश सरकार ने दो राष्ट्रों के सिद्धान्त का समर्थन करके मुस्लिम लीग को प्रत्येक सम्भव सहयोग दिया। इसका परिणाम आजादी की सुखद अनुभूति के साथ भारत-विभाजन की कष्टप्रद त्रासदी थी।

3. कांग्रेस का मुस्लिम लीग के प्रति रवैया- अनेक अवसरों पर कांग्रेस ने मुस्लिम लीग की अनुचित माँगों को भी मान लिया था। उदाहरणार्थ- 1916 का लखनऊ समझौता इस दिशा में मील का पत्थर साबित हुआ। चूँकि कांग्रेस ने सिद्धान्तों का परित्याग करके मुस्लिम लीग से समझौते किए, जिसके फलस्वरूप लीग के मनोबल में अभिवृद्धि हुई। लीग का बढ़ा हुआ यही मनोबल, भारत का विभाजन कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह कर गया।

4. लीग सदस्यों का अन्तरिम सरकार में सम्मिलित होना- अन्तरिम सरकार में मुस्लिम लीग के सदस्यों को सम्मिलित करने का प्रतिफल सरकार की कार्यकारिणी के विभाजन के रूप में सामने आया। इस विभाजन की वजह से सरकार हिन्दू-मुस्लिम के बीच हुए साम्प्रदायिक दंगों पर प्रभावी रोक लगाने में असमर्थ रही तथा मजबूर होकर कांग्रेस को भारत का विभाजन स्वीकारना पड़ा था।

5. भारतीय को सत्ता देने में सरकारी दृष्टिकोण- 1929 से 1945 की अवधि में ब्रिटिश सरकार तथा भारतीयों का आपसी सम्बन्धों में अत्यधिक कटुता पैदा हो चुकी थी। ब्रिटेन की सरकार यह अनुभव करने लगी थी कि भारत आजादी मिलने के बाद ब्रिटिश राष्ट्रमण्डल का सदस्य कभी नहीं रहेगा। अत: अंग्रेज सरकार ने सोचा कि यदि स्वतन्त्र भारत अमैत्रीपूर्ण है, तो उसे कमजोर बना देना ही उचित है। पाकिस्तान का निर्माण अखण्ड भारत के विभाजित कर देगा और आगे चलकर उपमहाद्वीप में ये दोनों देश परस्पर लड़कर अपनी शक्ति को कमजोर करते रहेंगे।

प्रश्न 11. हैदराबाद की रियासत पर संक्षिप्त नोट लिखिये।

उत्तर- हैदराबाद रियासत का नवाब अपना स्वतंत्र अस्तित्व बनाये रखना चाहता था। अत: उसने् अपने राज्य में भारत सरकार की संभावित सैन्य कार्यवाही का सामना करने के लिए रजाकार सेना का गठन करना शुरू कर दिया तथा भारत सरकार को वार्ता के दौरों में फँसाकर कुछ समय लेने का प्रयास करने लगा। राज्य की जनता ने नवाब की इस चाल को समझकर जन आंदोलन शुरू कर दिये। नवाब ने इसे दबाने के लिए रजाकार सेना का प्रयोग कर दमन चक्र चलाया।

इससे अराजकता की स्थिति उत्पन्न हो गई। स्थिति बिगड़ते देखकर लार्ड माउंटबेटन ने नवाब पर दबाव बनाया जिसके परिणामस्वरूप नवाब ने दोनों दस्तावेजों पर तो हस्ताक्षर कर दिये, किन्तु अपने राज्य का भारत का विलय किये जाने का स्वीकृत पत्र भारत सरकार को नहीं सौंपा। रजाकार सेना का जनता के विरुद्ध अत्याचार बढ़ रहा था। अत: भारत ने सितम्बर 1948 को मेजर जनरल चौधरी के नेतृत्व में भारतीय सेना को हैदराबाद में प्रवेश कर सम्पूर्ण शासन व्यवस्था अपने अधिकार में लेने का आदेश दिया। पाँच दिनों तक चली कार्यवाही में सेना ने मुस्लिम रजाकार सेना का पूर्ण सफाया कर श्री रेनबोथ आई.ए.एस. की कमान ने शासन व्यवस्था सँभाल ली। हैदराबाद के नवाब ने हार स्वीकार कर भारत मे राज्य के विलय-पत्र पर हस्ताक्षर कर दिये। इसी के साथ सम्पूर्ण देश में रियासतों के विलीनीकरण का कार्य पूर्ण होगा। लगभग 562 रियासतें भारत में मिल गईं।

प्रश्न 12. राष्ट्र निर्माण की प्रमुख चुनौतियाँ की व्याख्या कीजिये।

उत्तर- भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम 1947 के द्वारा भारत के विभाजन से नये राष्ट्र भारत और पाकिस्तान का निर्माण हुआ। भारत जहाँ पड़ोसियों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध रखने का पक्षधर था, वहीं पाकिस्तान धर्म के आधार पर द्विराष्ट्र सिद्धान्त की नीति का पालन करते हुए भारत के साथ भेदभाव की नीति अपनाता आ रहा है। यहीं से दोनों देशों के संबंधों में दरार पड़ने लगी और अनेक समस्याएँ उत्पन्न होने लगीं।

शरणार्थी समस्या- पाकिस्तान बनते ही वहाँ के कट्टरपंथी सरकार ने धर्म के नाम पर भारत में रह रहे मुसलमानों को पाकिस्तान में बसने् का दबाव बनाना शुरू कर दिया। दूसरी ओर गुंडों के माध्यम से हिन्दुओं पर लूट, हत्या, बलात्कार की घटनाएँ प्रारम्भ कर उन्हें भारत में जाकर बसने् के लिये डराना, धमकाना शुरू कर दिया। गुंडों का यह कृत्य धीरे-धीरे उग्र होता गया और लाखों की संख्या में हिन्दू अपना सर्वस्व पाकिस्तान में छोड़कर भारत में आने लगे।

हिन्दुओं के प्रति मुस्लिमों द्वारा किये गये अमानुषिक व्यवहार का भारत की जनता पर विपरीत प्रतिक्रिया हुई और देशभर में साम्प्रदायिक दंगे प्रारम्भ हो गये। राष्ट्रीय नेताओं विशेषकर महात्मा गाँधी ने इन दंगों को रोकने के बहुत प्रयास किये, तब कहीं जाकर इनकी तीव्रता कम हुई। भारत से लाखों मुसलमान पाकिस्तान चले गये। भारत में विस्थापितों के आवास, भोजन और सुरक्षा के लिए देशभर के प्रमुख शहरों के पास शरणार्थी शिविर लगाये गये। उनके द्वारा पाकिस्तान में छोड़ी गई सम्पत्ति का ब्यौरा तैयार कराया गया और पाकिस्तान से इसकी क्षतिपूर्ति की मांग की गई। जो अभी तक पूर्णरूप से प्राप्त नहीं हो सकी है।

रियासतों का विलीनीकरण- भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम के अन्तर्गत देश में स्थापित लगभग 600 रियासतों के प्रमुखों को यह सुविधा प्रदान की गई थी कि वे अपनी इच्छानुसार भारत या पाकिस्तान में अपने राज्य का विलय कर दें अथवा स्वतंत्र राज्य के रूप में बने रहें। तीन चार राज्यों को छोड़कर अधिकांश राज्य भारत में अपने विलय के लिये तैयार थे, किन्तु विलय के बदले भारत सरकार से कुछ विशेष सुविधाएँ प्राप्त करना चाहते थे। भारत सरकार ने गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल को राज्यों के प्रमुख से वार्ता कर विलीनीकरण के लिए मार्ग प्रशस्त करने का भार सौंपा। सरदार पटेल को इस दायित्व को सफलतापूर्वक निपटाने में गृह सचिव श्री वी.पी. मेनन, भारत के गवर्नर जनरल लार्ड माउण्टबेटन ने पूर्ण सहयोग दिया। भारत में स्थित जूनागढ़ और हैदराबाद के मुस्लिम शासक स्वतंत्र रूप से दोनों देशों से समान व्यवहार रखने के पक्ष में थे। शेष राज्यों के विलय के लिये दो समझौता-पत्र (दस्तावेज) तैयार किये गये।

प्रश्न 13. भारत के केन्द्र शासित राज्यों के नाम लिखिये।

उत्तर- भारत के केन्द्र शासित शासित के नाम- दिल्ली, जम्मू व कश्मीर, लद्दाख, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, चंडीगढ़, दादर और नगर हवेली, दमन और दीव, लक्षद्वीप, पांडिचेरी।

प्रश्न 14. शरणार्थी समस्या क्या है समझाइये।

उत्तर- भारत विभाजन देश के लोगों के लिए अत्यधिक दु:खदायी घटना थी। विभाजन से उत्पन्न अनेक समस्याओं में सर्वाधिक जटिल कठिनाई अल्पसंख्यकों की थी। इन अल्पसंख्यकों में भारत से जाने वाले मुसलमान तथा पाकिस्तान से आने वाले हिन्दू एवं सिक्ख थे। अल्पसंख्यकों पर होने वाले हमलों में हिंसा बढ़ती चली गई तथा दोनों तरफ के अल्पसंख्यकों के पास एक यही रास्ता था कि वे अपने-अपने घरों को छोड़ दें। हालांकि मुस्लिमों के पास भारत अथवा पाकिस्तान किसी भी देश में रहने का विकल्प था, जबकि सिक्खों के सामने ऐसा कोई विकल्प मौजूद न था तथा उन्हें सिर्फ भारत में ही रहना था। सिक्खों ने भारत में सहर्ष रहते हुए सदैव स्थानीय लोगों पर विश्वास किया, जबकि भारत में रहने वाले मुस्लिम हमेशा अपने पास-पड़ोस के प्रति भी सशंकित रहे। ■

अध्याय 2. एक दल के प्रभुत्व का दौर

नोट- माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा सत्र 2022-23 में इस अध्याय को हटाया गया है।

अध्याय 3. नियोजित विकास की राजनीति

स्मरणीय बिन्दु

- **नियोजित विकास-** नीति आयोग भारत सरकार द्वारा गठित एक नया संस्थान है, जिसे योजना आयोग के स्थान पर बनाया गया है। 1 जनवरी 2015 को इस नए संस्थान के संबंध में जानकारी देने वाला मंत्रिमंडल का प्रस्ताव जारी किया गया। यह संस्थान सरकार के थिंक टैंक के रूप में सेवाएं प्रदान करेगा और उसे निर्देशात्मक एवं नेतृत्व क्षमता प्रदान करेगा, जिसका मुख्यालय नई दिल्ली में है नियोजित विकास का तात्पर्य अपनी विकास की प्राथमिकताओं के लिए उपलब्ध साधनों का समुचित उपयोग करना है, ताकि विकास की प्रक्रिया को व्यवस्थित ढंग से आगे बढ़ाया जा सके। आजादी के समय भारत की आर्थिक स्थिति अत्यंत दयनीय थी उसके लिए देश का सर्वांगीण विकास करने के लिए नियोजित विकास की रणनीति सुनिश्चित की गई।
- **पंचवर्षीय योजनाएं-** हर 5 वर्ष के लिए केंद्र सरकार द्वारा देश के लोगों के लिए आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए शुरू की गई योजना को पंचवर्षीय योजना कहते है। पंचवर्षीय योजनाएं केंद्रीय के और एकीकृत राष्ट्रीय आर्थिक विकास कार्यक्रम है जो 1947 से 2017 तक भारतीय अर्थव्यवस्था का नियोजन की अवधारणा का आधार था।
- **नीति आयोग-** नीति आयोग भारत सरकार द्वारा गठित एक नया संस्थान है, इसे योजना आयोग के स्थान पर बनाया गया है, जनवरी 2015 को इसने संस्थान के संबंध में जानकारी देने वाला मंत्रिमंडल का प्रस्ताव जारी किया गया। यह संस्थान सरकार के थिंकटैंक के रूप में सेवाएं प्रदान करेगा और उसे निर्देशात्मक एवं नीतिगत गतिशीलता प्रदान करेगा नीति आयोग का मुख्यालय नई दिल्ली में है।
- **नियोजन-** परिस्थितियों को ध्यान में रखकर किसी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए भविष्य की रूपरेखा तैयार करने के लिए आवश्यक प्रावधानों के बारे में चिंतन करना आयोजन या नियोजन कहलाता है।
- **भूमि सुधार-** भूमि सुधार के अंतर्गत भूमि से संबंधित कानूनों तथा प्रथाओं में परिवर्तन आते है। यह सरकार द्वारा आरंभ की जाती है या सरकार के समर्थन से चलाई जाती है। इसमें मुख्य कृषि भूमि के पुनः वितरण पर बल दिया जाता है। भारतीय कृषि में सुधार लाना तथा उत्पादन में वृद्धि एवं सुधार नीति को अपनाया गया है।
- **हरित क्रांति-** हरित क्रांति उत्क्रांति को कहते है, जिसका संबंध किसी के उस तीव्र वृद्धि से है, जिसमें रसायनिक उर्वरक तथा बीज के अत्यधिक उत्पादन से है, उसे हरित क्रांति कहते है। हिंदुस्तान में हरित क्रांति की शुरुआत सन 1966-67 में हुई थी। इसे आरंभ करने का श्रेय प्रोफेसर नॉर्मन बोरलॉग को जाता है।
- **योजना आयोग-** योजना आयोग भारत सरकार की एक संस्था है, जिसका प्रमुख कार्य पंचवर्षीय योजनाओं को बनाना था। योजना आयोग की स्थापना 1950 में की गई थी।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न 1. बहुविकल्प प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1. नीति आयोग की स्थापना कब की गई-

(अ) 2014 में (ब) 2015 मे

(स) 2016 मे (द) 2017 मे

2. नीति आयोग का अध्यक्ष कौन होता है-

(अ) प्रधानमंत्री (ब) राष्ट्रपति

(स) वित्तमंत्री (द) कानून मंत्री

3. प्रथम पंचवर्षीय योजना की अवधि थी-

(अ) 1951-56 (ब) 1961-66

(स) 1969-74 (द) 1980-85

4. कृषि क्षेत्र में क्रान्ति आई-

(अ) हरित क्रांति से (ब) नीली क्रांति से

(स) सफेद क्रांति से (द) उत्पादन क्रांति से

5. बॉम्बे प्लान के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है-

(अ) यह भारत के आर्थिक विकास का एक ब्लू प्रिंट था।

(ब) इसमें उद्योगों के ऊपर राज्य के स्वामित्व का समर्थन किया गया।

(स) इसकी रचना कुछ अग्रणी उद्योगपतियों ने की थी।

(द) इसमें नियोजन के विचार का पुरजोर समर्थन किया गया था।

उत्तर- (1) (ब), (2) (अ), (3) (अ) (4) (अ), (5) (ब)।

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये-

(1) तो .... है।

(2) सामुदायिक विकास योजना प्रारंभ .... हुई थी।

(3) पांचवी पंचवर्षीय योजना का उद्देश्य .... था।

(4) नीति आयोग के वर्तमान उपाध्यक्ष .... हैं।

(5) भारत में .... अर्थव्यवस्था है।

उत्तर- (1) एम. एस. स्वामीनाथन, (2) 1952 में, (3) आत्मनिर्भरता, (4) सुमन बेरी, (5) मिश्रित।

प्रश्न 3. सही जोड़ी मिलाइये-

स्तम्भ-(अ)	स्तम्भ-(ब)
(1) चरण सिंह	(अ) औद्योगीकरण
(2) पी. सी. महालनोबिस	(ब) जोनिंग
(3) बिहार का अकाल	(स) किसान
(4) वर्गीज कुरियन	(द) सहकारी डेरी

उत्तर- (1) (स), (2) (ब), (3) (अ), (4) (द)।

प्रश्न 4. एक शब्द / वाक्य में उत्तर दीजिये-

(1) हरित क्रांति का संबंध किस क्षेत्र से है?

(2) योजना आयोग किस तरह का निकाय है?

(3) नियोजन के विषय में नीति निर्धारण कौन-सी इकाई करती है?

(4) नीली क्रांति का सम्बंध किससे है?

(5) प्रथम पंचवर्षीय योजना के योजनाकार कौन थे?

उत्तर- (1) कृषि, (2) परामर्शदात्री, (3) राष्ट्रीय विकास परिषद, (4) मत्स्य पालन उद्योग में तीव्र विकास से है। (5) के. एन. राज।

प्रश्न 5. सत्य, असत्य का चयन कीजिए-

(1) योजना आयोग के अध्यक्ष राष्ट्रपति होते हैं।

(2) भारत में पूंजीवादी अर्थव्यवस्था है।

(3) श्वेत क्रांति का सम्बध दुग्ध उत्पादन से है।

(4) प्रथम पंचवर्षीय योजना में कृषि पर बल दिया गया था।

(5) वर्तमान युग में नियोजन मानव जीवन का अपरिहार्य बन गया है।

उत्तर- (1) असत्य, (2) असत्य, (3) सत्य, (4) सत्य, (5) सत्य।

अति लघुउत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. नियोजन का अर्थ एवं परिभाषा बताइये।

उत्तर- नियोजन का तात्पर्य उचित विधियों द्वारा भली-भाँति सोच-समझकर कदम उठाना है। एस. ई. हैरिस ने नियोजन को परिभाषित करते हुए कहा है कि "नियोजन का अर्थ आय एवं मूल्य के सन्दर्भ में सत्ता द्वारा निश्चित किए गए उद्देश्यों एवं लक्ष्यों हेतु साधनों का आवंटन मात्र है।"

परिभाषा- हार्ट के अनुसार "नियोजन कार्यों की श्रृंखला का अग्रिम निर्धारण है जिसके द्वारा निश्चित परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं।"

प्रश्न 2. नियोजन के उद्देश्य लिखिए।

उत्तर- नियोजन के निम्नलिखित उद्देश्य हैं

(1) आय एवं सम्पत्ति के असमान वितरण को कम करके संसाधनों का समुचित उपयोग करना।

(2) आय एवं रोजगार के अवसरों में बढ़ोतरी करके सन्तुलित क्षेत्रीय विकास करना।

(3) अर्थव्यवस्था को सन्तुलित बनाते हुए जनसाधारण के जीवन स्तर को सुधारना।

(4) लोगों को अवसर की समानता उपलब्ध कराते हुए सामाजिक उत्थान के लक्ष्य को पूर्ण करना।

प्रश्न 3. योजना आयोग के कार्य लिखिए।

उत्तर- योजना आयोग के निम्नलिखित कार्य हैं।

(1) देश के भौतिक, पूँजीगत एवं मानवीय संसाधनों का अनुमान लगाना।

(2) राष्ट्रीय संसाधनों के अधिकाधिक प्रभावी एवं सन्तुलित उपयोग हेतु योजना निर्मित करना।

(3) योजना के विभिन्न चरणों का निर्धारण करके प्राथमिकता के आधार पर संसाधनों का आवंटन करना।

(4) आर्थिक विकास में बाधक तत्वों की पहचान कर सरकार को बताना।

(5) योजना के प्रत्येक चरण के क्रियान्वयन के परिणामस्वरूप प्राप्त सफलता की समय-समय पर समीक्षा करके सुधारात्मक परामर्श देना। तथा

(6) केन्द्र एवं उसकी इकाई राज्यों की सरकारों द्वारा विशेष समस्या पर परामर्श माँगने पर अपनी सलाह देना।

प्रश्न 4. बाम्बे प्लान क्या था?

उत्तर- बॉम्बे प्लान 1944 राष्ट्रीय आन्दोलन के दौर में और जब यह दिख रहा था कि युद्ध के बाद अंग्रेज भारत से चले जाएंगे, उस समय भारत के प्रमुख उद्योगपतियों ने भारत के औद्योगीकरण की 15 वर्षीय योजना बनाई थी। इसे भारत के आर्थिक विकास के लिए प्रस्तावित योजना कहा गया था।

प्रश्न 5. हरित क्रांति क्या है?

उत्तर- हरित क्रान्ति का आशय- हरित क्रान्ति का तात्पर्य सिंचित तथा असिंचित कृषि क्षेत्रों में अधिक उपज देने वाली किस्मों को आधुनिक कृषि प्रणाली से उगाकर कृषि उपज में जहाँ तक हो सके अधिक से अधिक बढ़ोतरी करना है। अन्य शब्दों में कहा जा सकता है कि कृषिगत उत्पादन की तकनीक

को सुधारना तथा कृषि उत्पादन मे तीव्र वृद्धि करना ही 'हरित क्रान्ति' है।

प्रश्न 6. ऑपरेशन फ्लड को समझाइये।

उत्तर- 1970 में ऑपरेशन फ्लड के नाम से एक ग्रामीण-विकास शुरू हुआ था। 'ऑपरेशन फ्लड' के अतर्गत सहकारी दूध उत्पादकों को उत्पादन और विवरण के एक राष्ट्रपति तत्र से जोड़ा गया, 'ऑपरेशन फ्लड' सिर्फ डेयरी-कार्यक्रम नही था। इस कार्यक्रम में डेयरी के काम को विकास के एक माध्यम के रूप में अपनाया गया था।

प्रश्न 7. नीति आयोग क्या है? समझाइये।

उत्तर- • नीति आयोग भारत सरकार की एक नीति समिति है।

• संगठन का गठन 1 जनवरी, 2015 को राजधानी नई दिल्ली में किया गया था।

• संगठन 65 वर्षीय पुराने योजना आयोग की प्रतिस्थापन और परिवर्तन था।

• NITI शब्द 'नेशनल इंस्टीट्यूशन फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया' के लिए है।

• संगठन की अपनी जीती हुई वेबसाइट है जो नागरिकों को आयोग से संबंधित सभी जानकारी प्रदान करती है।

• संगठन निकाय के वर्तमान (2022) मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) श्री अमिताभ कांत है।

• नीति आयोग भारत के नागरिकों के लिए आवश्यक नीतियां बनाता है।

• यह सरकार को उन रणनीतियों के साथ भी प्रदान करता है जिन्हें लागू करने की आवश्यकता है।

• संगठन घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों मुद्दों पर भी गौर करता है जो महत्वपूर्ण हैं।

• भारत के प्रधानमंत्री नीति आयोग के अध्यक्ष की भूमिका की अध्यक्षता करते हैं।

प्रश्न 8. राष्ट्रीय विकास परिषद के गठन व कार्य लिखिए।

उत्तर- राष्ट्रीय विकास परिषद के गठन-

(1) भारत का प्रधानमंत्री इसके अध्यक्ष या प्रमुख के रूप मे।

(2) सभी केन्द्रीय कैबिनेट मंत्री (1967 से)

(3) सभी राज्यों के मुख्यमंत्री

(4) सभी केन्द्र शासित राज्यों के मुख्य मंत्री/प्रशासक

(5) योजना आयोग के सदस्य।

कार्य-

(1) राष्ट्रीय योजना को बनाने के लिए दिशा-निर्देश व इसका निर्धारण करना।

(2) राष्ट्रीय योजना पर विचार-विमर्श करना।

(3) योजना के क्रियान्वयन साधनों का अनुमान लगाना व सुझाव देना।

(4) राष्ट्रीय विकास को प्रभावित करने वाले सामाजिक व आर्थिक नीतियों पर विचार करना।

(5) समय-समय पर राष्ट्रीय योजना कार्यों की समीक्षा करना।

(6) राष्ट्रीय योजना के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उपयुक्त सुझाव की सिफारिश करना।

प्रश्न 9. पहली पंचवर्षीय योजना का किस चीज पर सबसे ज्यादा जोर था? दूसरी पंचवर्षीय योजना पहली से किन अर्थों में अलग थी?

उत्तर- पहली पंचवर्षीय योजना (1951-1956) में भारतीयों को गरीबी के मकड़जाल से निकालने का प्रयास किया गया। इस योजना में सर्वाधिक बल कृषि क्षेत्र पर दिया गया। पहली योजना के अन्तर्गत बाँध तथा सिचाई क्षेत्र में निवेश किया गया। चूँकि देश में विभाजन की वजह से कृषि क्षेत्र को भारी नुकसान पहुँचा था। अतः इस क्षेत्र पर बिना विलम्ब के तुरन्त ध्यान देना जरूरी था। भाखड़ा-नागल जैसी विशाल परियोजनाओं हेतु बड़ी धनराशि का आवंटन किया गया। इस योजना में यह माना गया था कि भारत में भूमि के वितरण का जो ढर्रा विद्यमान है, उसमें कृषि के विकास को सबसे बड़ी बाधा पहुँचती है। प्रथम पचवर्षीय योजना में भूमि सुधार पर विशेष बल देते हुए इसे भारत के विकास की आधारशिला माना गया।

पहली एवं दूसरी पंचवर्षीय योजना में अन्तर- दोनों पंचवर्षीय योजनाओं में प्रमुख अन्तर (भेद) यह था कि जहाँ प्रथम योजना मे कृषि क्षेत्र पर अधिक जोर दिया गया, वहीं दूसरी योजना में भारी उद्योगों के विकास पर अधिक जोर रहा था। इसी प्रकार पहली पंचवर्षीय योजना का मूलमन्त्र 'धीरज' था, जबकि द्वितीय योजना तेज संरचनात्मक बदलाव पर बल देती थी।

प्रश्न 10. खाद्य संकट 1965 से 1967 के बीच बड़ी समस्या थी, स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- 1965 में देश मे खाद्यानों, विशेष रूप से गेहूँ की भारी कमी देखी गई, इस कमी को देखते हुए निगम अधिनियम ने 1964 के अन्तर्गत विभाग मे भारतीय खाद्य निगम (एफ.सी.आई.) की स्थापना की।

जनवरी 1966 में सामुदायिक विकास और सहकारिता मंत्रालय का विलय खाद्य और कृषि मंत्रालय के साथ कर दिया गया और खाद्य, कृषि सामुदायिक विकास और सहकारिता मंत्रालय का गठन किया गया। 1966 में ही मत्स्य पालन, वन्य जीव संरक्षण पशुओं के प्रति क्रूरता की रोकथाम, उर्वरक संचालन, कृषि जिला योजना आदि को फिर खाद्य विभाग से कृषि विभाग को दे दिया गया। हरित क्रान्ति की स्थापना भी 1966 में की गई।

अध्याय 4. भारत के विदेश सम्बन्ध

स्मरणीय बिन्दु

- **भारत की विदेश नीति-** भारत की विदेश नीति भारत के इतिहास और स्वतंत्रता आंदोलन से गहरा संबंध रखती है भारत की विदेश नीति विश्व मानवता की रक्षा एवं शांतिपूर्ण सह अस्तित्व के साथ मिलकर के कार्य करने की है कि विदेश नीति सत्य और न्याय पर आधारित है जो मानवता के हित में है।
- **गुटनिरपेक्षता की नीति-** गुटनिरपेक्षता की नीति से तात्पर्य है किसी भी ग्रुप का सदस्य ना होना। इस नीति का पालन करने वाले राष्ट्र यह एक ओर गुटबाजी की विश्वराजनीति से अलग रहते हैं, वहीं दूसरी ओर विश्व शांति और सुरक्षा की प्रगति हेतु संयुक्त राष्ट्र संघ और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों की मदद करते हैं। गुटनिरपेक्ष आंदोलन की प्रथम बैठक 1961 में हुई थी।
- **तिब्बत की समस्या-** तिब्बत एक छोटा देश है, जहां पर चीन ने आंख बंद करके उसे अपने कब्जे में लेना चाहा तिब्बत की जनता ने इस कार्य का विरोध किया और तिब्बत के नेता दलाई लामा ने भारत में आकर्षण प्राप्त किया। भारत सरकार ने दलाईलामा को शरण दिया और तिब्बत की स्वतंत्रता के लिए विश्व राजनीति में अहम् भूमिका का निर्वहन किया।
- **भारत पर चीन का आक्रमण-** भारत-चीन युद्ध भारत चीन सीमा विवाद के रूप में जाना जाता है। चीन और भारत के बीच 1962 में युद्ध हुआ जिससे विश्व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चीन की फटकार लगाई गई।
- **कारगिल संघर्ष-** कारगिल युद्ध जिसे ऑपरेशन विजय के नाम से भी जाना जाता है। भारत और पाकिस्तान के बीच मई और जुलाई 1999 के बीच कश्मीर के कारगिल जिले में हुए सशस्त्र संघर्ष का नाम है। पाकिस्तान की सेना और कश्मीरी उग्रवादियों ने भारत और पाकिस्तान के बीच नियंत्रण रेखा पार करके भारत की जमीन पर कब्जा करने की, कोशिश की जिस पर भारतीय सेना ने पाकिस्तान सेना को पराजित किया।
- **भारत की विदेश नीति क्या है-** भारत की विदेश नीति शांति-सौहार्द और भाईचारे की है। साथ ही भारत की एकता, अखंडता को सुरक्षित करना, सीमा पर आतंकवाद का मुकाबला, ऊर्जा सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा, साइबर सुरक्षा आदि शामिल है। अपने विकास गति को बढ़ाने के लिए भारत को प्राय: विदेशी सहायता की भी आवश्यकता है, जिसे भारत प्राप्त कर रहा है। भारत की विदेश नीति भारत को विश्व मानचित्र पर सिर्फ दर्जा प्रदान करना है।
- **संयुक्त राष्ट्र संघ और भारत-** भारत संयुक्त राष्ट्रसंघ के संस्थापक सदस्य के रूप में भारत संयुक्त राष्ट्र संघ के उद्देश्य और सिद्धांतों का पुरजोर समर्थन करता है और चार्टर के उद्देश्यो को लागू करने तथा संयुक्त राष्ट्र की विशिष्ट कार्यक्रमो और एजेंसियों के विकास में महत्वपूर्ण योगदान करता है।
- **पंचशील सिद्धांत-** पंचशील का सिद्धांत भारत और चीन के बीच आपसी मित्रता को प्रदर्शित करता है। यह सिद्धांत भारत और चीन के बीच एक दूसरे की प्रभुसत्ता व प्रादेशिक अखंडता का सम्मान करना। एक-दूसरे पर आक्रमण ना करना, एक दूसरे के घरेलू मामलों में सेव की नीति है, जिसे भारत और चीन ने मिलकर के समझौता किया था। पंचशील का सिद्धांत 1954 में प्रतिपादित किया गया।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न 1. बहुविकल्प प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1. भारतीय विदेश नीति का आधार है।

(अ) विश्व बंधुत्व (ब) युद्ध का समर्थन

(स) पूर्णत: निशस्त्रीकरण (द) सीटोंका समर्थन

2. भारत ने पंचशील सिद्धांत पर हस्ताक्षर किए।

(अ) नेपाल के साथ (ब) रूस के साथ

(स) चीन के साथ (द) श्रीलंका के साथ

3. गुट निरपेक्ष आंदोलन के नेता है-

(अ) पंडित जवाहरलाल नेहरू (ब) मौलाना आजाद

(स) महात्मा गांधी (स) सरदार पटेल

4. पंचशील की घोषणा हुई थी-

(अ) 1954 (ब) 29 अप्रैल 1955

(स) 29 अप्रैल (द) 29 अप्रैल 1957

5. इंडियन नेशनल आर्मी INA का गठन किया था-

(अ) चंद्रशेखर आजाद (ब) सुभाषचंद्र बोस

(स) सरदार भगत सिंह (द) रामप्रसाद बिस्मिल

6. शिमला समझौता हुआ था-

(अ) 1972 (ब) 1974

(स) 1975 (द) 1976

उत्तर- (1) (अ), (2) (स), (3) (अ), (4) (अ), (5) (अ), (6) (अ)।

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये

(1) यूगोस्लाविया की राजधानी .... है।

(2) चीन .... महाद्वीप में है।

(3) कारगिल संघर्ष .... व पाकिस्तान में हुआ।

(4) भारत में प्रथम परमाणु परीक्षण .... को हुआ।

(5) भारत के प्रथम विदेश मंत्री .... थे।

(6) 2014 में चीन के राष्ट्रपति .... थे।

उत्तर- (1) बेलग्रेड, (2) एशिया, (3) भारत, (4) 1974, (5) पंडित जवाहरलाल नेहरू, (6) शीजिनपिंग।

प्रश्न 3. सही जोड़ी मिलाइये-

स्तम्भ-(अ)	स्तम्भ-(ब)
(1) पंचशील	(अ) तिब्बती धार्मिक नेता
(2) दलाई लामा	(ब) 1972
(3) भारत चीन युद्ध	(स) 1962
(4) ताशकन्द समझौता	(द) 1966
(5) शिमला समझौता	(इ) 29 अप्रैल 1954

उत्तर- (1) (ब), (2) (अ), (3) (स), (4) (द), (5) (इ)।

प्रश्न 4. एक शब्द / वाक्य में उत्तर दीजिये-

(1) पंचशील सिद्धान्त दिया।

(2) ताशकंद समझौता हुआ था।

(3) शिमला समझौता किसके बीच हुआ था?

(4) विदेश नीति क्या है?

(5) मई 2016 में भारत के राष्ट्रपति थे।

(6) शान्ति पूर्ण सह-अस्तित्व से तात्पर्य है।

(7) भारत चीन युद्ध के समय भारत के रक्षा मंत्री थे।

(8) भारत का प्रथम परमाणु परीक्षण हुआ था।

उत्तर- (1) भारत चीन, (2) 1966, (3) भारत चीन, (4) नीति निर्धारण, (5) प्रणव मुखर्जी, (6) विश्व बन्धुत्व, (7) वी.के.कृष्ण मेनन, (8) 1974.

प्रश्न 5. सत्य / असत्य का चयन कीजिए-

(1) भारत चीन युद्ध 1965 में हुआ था।

(2) भारत पाकिस्तान युद्ध-1971 में हुआ था।

(3) शिमला समझौते में अटल बिहारी वाजपेई संलग्न थे।

(4) ताशकन्द समझौता 1976 में हुआ।

(5) भारतीय विदेश नीति के निर्माता पंडित जवाहर लाल नेहरू थे।

(6) भारत के विदेश नीति का आधार शान्ति पूर्ण सह अस्तित्व है।

उत्तर- (1) असत्य, (2) सत्य, (3) असत्य, (4) असत्य, (5) सत्य, (6) सत्य।

अति लघुउत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. विश्व बंधुत्व से तात्पर्य है?

उत्तर- विश्व बंधुत्व से तात्पर्य- जो कि विश्व के सभी देशों के साथ बंधुत्व भाईचारे की भावना लेकर चलता है। इस भाईचारे की भावना के अनुसार ही सभी देशों के विकास की बात करते है तो उस व्यवहार को विश्व बंधुत्व कहा जाता है।

प्रश्न 2. पंचशील सिद्धांत क्या हैं?

उत्तर- पण्डित जवाहरलाल नेहरू ने भारतीय विदेश नीति को सुदृढ़ आधार प्रदान करने हेतु पंचशील सिद्धान्त प्रतिपादित किया था। ये पाँच सिद्धान्त निम्नवत् हैं-

(1) एक-दूसरे की प्रादेशिक अखण्डता एवं सर्वोच्च सत्ता हेतु पारस्परिक सम्मान की भावना रखना।

(2) अनाक्रमण।

(3) एक-दूसरे के आन्तरिक मामलों में हस्तक्षेप न करना।

(4) समानता एवं पारस्परिक लाभ तथा

(5) शान्तिपूर्ण सह-अस्तित्व।

प्रश्न 3. सार्क संगठन में कौन-कौन देश शामिल हैं?

उत्तर- सार्क मे वर्तमान में 8 देश शामिल हैं, जो कि भारत, भूटान, पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल, मालदीव व अफगानिस्तान हैं।

प्रश्न 4. भारत के पड़ोसी देशों के नाम लिखिए।

उत्तर- भारत के पड़ोसी देश- पाकिस्तान, अफगानिस्तान, म्यांमार, नेपाल, इंडोनेशिया, चीन, मालद्वीप, भूटान हैं।

प्रश्न 5. नि:शस्त्रीकरण क्या है?

उत्तर- नि:शस्त्रीकरण का अर्थ हैं- विनाशकारी हथियारों/अस्त्रों-शस्त्रों के उत्पादन पर रोक लगाना तथा उपलब्ध विनाशकारी हथियारों को नष्ट करना।

चूँकि शस्त्रीकरण की प्रतिस्पर्द्धा ने भयंकर स्वरूप धारण कर लिया था तथा वैश्विक स्तर पर महाविनाश का खतरा मंडराने लगा था। अत: वर्तमान मे शस्त्रीकरण के स्थान पर नि:शस्त्रीकरण पर विशेष बल दिया जाने लगा है। वर्तमान में विभिन्न राष्ट्र विश्व शान्ति स्थापित कराने हेतु नि:शस्त्रीकरण पर जोर देकर शक्ति सन्तुलन बनाना चाह रहे हैं।

प्रश्न 6. विदेश नीति क्या है?

उत्तर- किसी देश की विदेश नीति, जिसे विदेशी संबंधों की नीति भी कहा जाता है अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने के लिए और अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों के वातावरण में अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए राज्य द्वारा चुनी गई स्वहितकारी रणनीतियों का समूह होती है।

प्रश्न 7. संयुक्त राष्ट्र संघ के तीन प्रमुख उद्देश्य लिखिये।
उत्तर- संयुक्त राष्ट्र संघ के उद्देश्य- (1) अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति व सुरक्षा की व्यवस्था करना। (2) अन्तर्राष्ट्रीय विवादों के शान्तिपूर्ण तरीकों से परस्पर वार्ताओं द्वारा हल करना। (3) सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक तथा मानवीय क्षेत्रों में अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग को प्रोत्साहन प्रदान करना।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. भारत की विदेश नीति का आधार क्या है? समझाइए।

उत्तर- प्रधानमंत्री की विदेश नीति उस भारतीय दर्शन मानवतावादी दृष्टिकोण की परिचायक है, जिसके केन्द्र में 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना सदैव पल्लवित होती रही है। किसी गणतंत्र के लिए राष्ट्रवाद एवं मानवतावाद एक सिक्के के दो पहलू की तरह है। हमारी विदेश नीति का आधार ये दोनों ही पक्ष बने हुए हैं। हमारी विदेश नीति समृद्धि, सुरक्षा एवं आतंकवाद से जुझने के साझा प्रयास को लेकर चल रही है। साथ ही वह समस्त विश्व के लोगों के जीवन-स्तर को सुधारने के लिए पूरे विश्व में विकास कार्यों को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत है।

भारत की विदेश नीति का हर दूसरा कदम अपने में मानवीय हित को समेटे हुए हैं।

भारतीय विदेश नीति मैत्री एवं सहअस्तित्व पर विशेष जोर देती है। इस सम्बन्ध में पण्डित जवाहरलाल नेहरू ने कहा था कि, "विश्व में आज अलगाववाद हेतु कोई स्थान नहीं है, हम दूसरों से अलग रहकर जीवित रहने की कल्पना भी नहीं कर सकते हैं। हमें या तो सहयोग करना चाहिए अथवा युद्ध। हम शान्ति चाहते हैं। अपना वंश चलाते हुए किसी भी देश के साथ लड़ाई नहीं चाहते।" भारत की स्पष्ट मान्यता है कि यदि सहअस्तित्व को स्वीकार नहीं किया गया तो परमाणु हथियारों से सम्पूर्ण संसार का विनाश हो जाएगा। अपनी सह-अस्तित्व की नीति की वजह से भारत ने विश्व के विभिन्न देशों के साथ मैत्री सन्धियाँ की हैं।

प्रश्न 2. सार्क संगठन में भारत की भूमिका को समझाइए।

उत्तर- भारत सार्क का एक सक्रिय सदस्य रहा है और इसका उद्देश्य लोगों से लोगों की पहल का समर्थन करके बेहतर आपसी समझ को बढ़ावा देना हैं। भारत व्यापार और वाणिज्य के मामले में संभावित निवेश का एक बड़ा स्रोत प्रदान करता हैं, क्योंकि यह एकमात्र सार्क सदस्य है जो सभी 6 सदस्यों के साथ भूमि या समुद्र के माध्यम से सीमा साझा करता हैं।

सार्क के प्रमुख उद्देश्यों में शामिल हैं- दक्षिण एशिया के लोगों के कल्याण को बढ़ावा देना, आर्थिक विकास में तेजी लाना, सामाजिक प्रगति, सभी व्यक्तियों को सम्मानजनक आजीविका प्रदान करना और नई दिशा [illegible] देशों के बीच [illegible] की समस्या के लिए विश्वास और [illegible] इन उद्देश्यों को प्राप्त करने [illegible] रही है। भारत ने 2004 में इस्लामाबाद में [illegible] शिखर सम्मेलन में 100 मिलियन [illegible] की पेशकश की।

भारत के विवाद और पाकिस्तान के साथ [illegible] दक्षिण एशियाई देशों को [illegible] का कारण माना जाता है [illegible] होता है, तो कई सार्क राष्ट्र [illegible] निर्यात बाजारों के [illegible] क्षेत्रीय सहयोग को [illegible] विफल रहा है, क्योंकि [illegible] करने के लिए अनिच्छुक रहा है [illegible] आर्थिक और राजनीतिक समस्याओं [illegible]

चूंकि सार्क के सभी 6 सदस्यों की तुलना [illegible] अपराजेय आर्थिक, सैन्य शक्ति और अन्तर्राष्ट्रीय [illegible] इसलिए शक्ति की असमानता [illegible] लिए छोटे राज्यों की अनिच्छा [illegible] आर्थिक विकास की सुविधा के लिए सहयोग करते हैं [illegible] भारत से प्रभुत्व का डर है।

भारत ने भी दबंग और अहंकारी [illegible] दक्षिण एशियाई देशों के डर को बढ़ा दिया है [illegible] उत्पादन को प्रभावित करने वाले [illegible] के कारण पड़ोसी बांग्लादेश के साथ इसके विवाद ने [illegible] को अपनी शक्तियों से डरा दिया है।

प्रश्न 3. भारत का संयुक्त राष्ट्र संघ में क्या योगदान है?

उत्तर- भारत संयुक्त राष्ट्र संघ का प्रबल समर्थक है, अतः वह उसमें पूर्ण आस्था रखता है। संयुक्त राष्ट्र संघ में भारत के योगदान अथवा भूमिका को निम्न प्रकार स्पष्ट किया जा सकता है-

1. संयुक्त राष्ट्र संघ के आदेशों का परिपालन- भारत 30 अक्टूबर, 1945 को संयुक्त राष्ट्र संघ का सदस्य बना था। उसने प्रारम्भ से ही संयुक्त राष्ट्र संघ के आदेशों का परिपालन किया है। उदाहरणार्थ- 1948, 1965 तथा 1971 में संयुक्त राष्ट्र संघ के आदेश पर भारत ने युद्ध विराम किया था।

2. अन्तर्राष्ट्रीय समस्याओं के समाधान तथा विश्व शान्ति की स्थापना में सहायता- भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ के साथ मिलकर अनेक अन्तर्राष्ट्रीय समस्याओं के समाधान में निर्णायक

भूमिका का निर्वहन किया है। उदाहरणार्थ- कोरिया, हिन्द चीन, कांगो तथा मिस्र इत्यादि देशों की समस्या को हल करने में भारत का योगदान दुनिया से छिपा हुआ नहीं है।

3. संयुक्त राष्ट्र संघ के संगठन में सहयोग- भारत ने शुरू से ही संयुक्त राष्ट्र संघ की कार्यप्रणाली तथा उसके संगठन में सहभागिता की है। वर्तमान में लगभग 140 भारतीय संयुक्त राष्ट्र संघ के सचिवालय में कार्यरत हैं। भारत के सी.वी. नरसिंहम् महासचिव कार्यालय के उपसचिव के दायित्वों का निर्वहन कर चुके हैं। इनसे पूर्व भी अनेक भारतीय संयुक्त राष्ट्र संघ में उच्च पदों को सुशोभित कर चुके हैं।

4. संयुक्त राष्ट्र संघ को विश्वव्यापी संगठन बनाने का प्रयास- भारत ने सदैव यह प्रयास किये हैं कि विश्व के सभी देश संयुक्त राष्ट्र संघ के सदस्य बनें। भारत चाहता है कि यह संगठन विश्वव्यापी बने, जिससे यह दुनिया में शान्ति स्थापित करने में प्रभावी भूमिका का निर्वहन कर सके। एक समय था जब संयुक्त राज्य अमेरिका तथा सोवियत रूस अन्य देशों को संघ का सदस्य बनने में रुकावट पैदा कर रहे थे, लेकिन भारत ने दोनों देशों को सहमत करके 18 नए देशों को संयुक्त राष्ट्र संघ की सदस्यता दिलाई। जिसमें जनवादी चीन भी सम्मिलित था। वर्तमान में संघ की सदस्य संख्या 193 हो गई है तथा इसमें भारत का निश्चित रूप से महत्त्वपूर्ण योगदान है।

5. साम्राज्यवाद एवं उपनिवेशवाद का विरोध- भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ में उपनिवेशवाद तथा साम्राज्यवाद का तीव्र विरोध किया है। जिन राष्ट्रों ने अपने आपको साम्राज्यवाद के चंगुल से मुक्त कराने हेतु संघर्ष किया, उनका भारत ने पुरजोर समर्थन किया है।

प्रश्न 4. भारत की विदेश नीति को प्रभावित करने वाले तत्वों की व्याख्या कीजिए।

उत्तर- भारतीय विदेश नीति को प्रभावित करने वाले चार प्रमुख तत्व निम्न प्रकार हैं-

(1) भारतीय विदेश नीति को प्रभावित करने वाले तत्वों में सबसे प्रमुख देश की भूमि सीमाएँ विशेषतया अप्राकृतिक भूमि सीमाएँ हैं।

(2) भारतीय विदेश नीति को गाँधीवादी विचारधारा ने भी अत्यधिक प्रभावित किया है। यहाँ यह उल्लेखनीय है कि देश की विदेश नीति का शान्तिपूर्ण साधनों तथा सहयोग द्वारा शान्ति को हासिल करने का उद्देश्य गाँधीवाद से ही प्रभावित है।

(3) अन्तर्राष्ट्रीय व्यवस्था के स्वरूप ने भी भारतीय विदेश नीति को प्रभावित किया है। भारत की विदेश नीति कतिपय निश्चित मूल्यों पर आधारित है और वे मूल्य एक निश्चित अन्तर्राष्ट्रीय वातावरण में ही प्रासंगिक हैं।

(4) भारतीय विदेश नीति पर कांग्रेस की नीतियों का स्पष्ट प्रभाव पड़ा। आजादी के बाद कांग्रेस द्वारा अपनायी गई विदेश नीति के प्रभाव को देश की विदेश नीति के महत्वपूर्ण निर्धारक कहे जा सकते हैं।

प्रश्न 5. भारत द्वारा गुटनिरपेक्षता की नीति अपनाए जाने के कारणों की समीक्षा कीजिए।

उत्तर- भारत द्वारा गुटनिरपेक्षता की नीति अपनाने के कारण- भारत द्वारा गुटनिरपेक्षता की नीति को अपनाए जाने के प्रमुख कारणों को संक्षेप में निम्न प्रकार स्पष्ट किया जा सकता है-

1. राष्ट्रीय स्वाधीनता की भावना- भारत यह भली-भाँति समझता था कि किसी शक्तिशाली गुट में मिल जाने का आशय उस गुट विशेष का पिछलग्गू बनना था। चूँकि भारत एक स्वाभिमानी देश है तथा वह स्वतन्त्र रूप से अपनी नीतियों को निर्धारित करने का हिमायती भी है। अतः उसने गुटनिरपेक्षता की नीति अपनाना ही उचित समझा।

2. साम्राज्यवाद तथा उपनिवेशवाद का विरोध- भारत ने लम्बे समय तक साम्राज्यवाद तथा उपनिवेशवाद के अत्याचारों को सहा था, अतः इनके प्रति उसके मन में घृणा के भाव उत्पन्न हो गए थे। इसी कारण की वजह से भारत ने साम्राज्यवाद एवं उपनिवेशवाद का विरोध करने हेतु गुटनिरपेक्ष नीति पर चलने का मार्ग अपनाया था।

3. शान्ति हेतु तीव्र इच्छा- चूँकि भारत को काफी लम्बे संघर्ष के बाद आजादी प्राप्त हुई थी। अतः उसकी सोच थी कि भविष्य में उसे शान्ति का जीवन व्यतीत करने का अवसर मिले। तत्कालीन परिस्थितियों में किसी भी गुट में सम्मिलित होने का आशय उसके खेमे के देशों के साथ युद्ध में सम्मिलित होना था। अतः इस परिस्थिति से बचने हेतु भारत ने गुट-निरपेक्षता की नीति को अपना लिया।

4. आर्थिक विकास की जरूरत- चूँकि गुटनिरपेक्षता का मार्ग अपनाकर ही भारत बिना शर्त विश्व की दोनों महाशक्तियों- साम्यवादी तथा पूँजीवादी और उसके खेमे के देशों से आर्थिक एवं तकनीकी सहायता प्राप्त कर सकता था। अतः भारत ने अपने आर्थिक विकास हेतु गुटनिरपेक्षता की नीति पर चलना ही श्रेयस्कर समझा।

प्रश्न 6. भारत की विदेश नीति देश के समृद्धि का आधार है व्याख्या कीजिए।

उत्तर- किसी भी स्वतंत्र देश की विदेश नीति मूल रूप में उन सिद्धान्तों, हितों तथा लक्ष्यों का समूह होता है, जिनके माध्यम से वह देश दूसरे देशों के साथ संबंध स्थापित करने, उन

सिद्धान्तों, हितो व लक्ष्यो को पाने के लिए प्रयासरत् रहता है किसी भी राष्ट्र की विदेश नीति उसकी आन्तरिक नीति का ही अंग होती है। जिसे उस देश की सरकार ने बनाया है। विदेश नीति राष्ट्र हितों को प्राप्त करने का वह साधन है जो अन्तर्राष्ट्रीय हितो को नुकसान पहुँचाए बिना ही ऐसा करता है। विदेश नीति व राष्ट्र-हित में गहरा संबंध होता है। किसी भी देश की विदेश नीति के उद्देश्य सुरक्षा व एकता को बनाए रखना, राष्ट्रशक्ति का विकास करना, राष्ट्र सुरक्षा के लिए खतरों को दूर करना, आर्थिक हितों को आगे बढ़ाना आदि। इन समस्त उद्देश्यों से देश का राष्ट्रहित होता है।

किसी देश की विदेश नीति, जिसे विदेशी संबंधों की नीति भी कहा जाता है, अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने के लिए और अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों के वातावरण में लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए राज्य द्वारा चुनी गई स्वहितकारी रणनीतियों का समूह होती है। "विदेश नीति किसी राष्ट्र द्वारा अपने देश के हितों की पूर्ति के लिए बनाए गए सिद्धान्त विदेश नीति कहलाते हैं." विदेश नीति दूसरे देशों के साथ आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक तथा सैनिक विषयों पर पालन की जाने वाली नीतियों का एक समुच्चय हैं।

प्रश्न 7. स्वतंत्रता के बाद भारत की विदेश नीति के प्रमुख उद्देश्य लिखिए।

उत्तर- भारत की विदेश नीति के उद्देश्य निम्नलिखित हैं-

1. विश्व शान्ति को प्रोत्साहन- भारतीय विदेश नीति की गुटनिरपेक्षता का आधार विश्व शान्ति की आकांक्षा है। इसका मुख्य लक्ष्य तनाव की प्रवृत्तियों को कमजोर करते हुए शान्ति की सम्भावनाओं का विस्तार है। अपनी इस गुटनिरपेक्षता की नीति की वजह से ही भारत ने विश्व के विभिन्न क्षेत्रों- कोरिया, कांगो तथा साइप्रस में शान्ति स्थापना के प्रयास किए।

2. साम्राज्यवाद, उपनिवेशवाद, शोषण एवं आधिपत्य का विरोध- भारतीय विदेश नीति का दूसरा प्रमुख लक्ष्य साम्राज्यवाद, उपनिवेशवाद, नव-उपनिवेशवाद, रंगभेद तथा शोषण एवं आधिपत्य के समस्त रूपों का विरोध करना है।

3. गुटनिरपेक्ष आन्दोलन की सदस्यता में वृद्धि- गुटनिरपेक्षता का पालन करने वाले देशों का कोई एक गुट नहीं है, बल्कि यह तो एक आन्दोलन है। इसमें गुटनिरपेक्षता की नीति पर चलने वाला कोई भी देश स्वेच्छा से सम्मिलित हो सकता है। इस प्रकार गुटनिरपेक्ष देशों की सदस्य संख्या में वृद्धि करके इस आन्दोलन को प्रोत्साहन देना भी भारतीय विदेश नीति का एक प्रमुख लक्ष्य है।

4. संयुक्त राष्ट्र संघ के साथ सहयोग- भारतीय विदेश नीति का एक लक्ष्य संयुक्त राष्ट्र संघ के साथ सहयोग करके उसके लिए रचनात्मक कार्य क्रियान्वित करना है।

5. मैत्री एवं सहयोग को मजबूती प्रदान करना- भारतीय विदेश नीति का एक लक्ष्य दक्षिण एशिया में अपने पड़ोसी देशों के साथ मैत्री एवं सहयोग को मजबूत बनाना है। इस प्रयोजन हेतु वह देश में स्थायी विश्वास एवं सूझबूझ का वातावरण निर्मित करता है। भारत ने सदैव सभी राष्ट्रों के साथ व्यापार, उद्योग, निवेश तथा तकनीक हस्तान्तरण इत्यादि को बढ़ावा दिया है।

प्रश्न 8. भारत की विदेश नीति के प्रमुख सिद्धान्त कौन-कौन से हैं?

उत्तर- भारत की विदेश नीति के मौलिक सिद्धान्तों को निम्न प्रकार स्पष्ट किया जा सकता है-

1. तटस्थता अथवा असंलग्नता- भारत का सर्वाधिक महत्वपूर्ण सिद्धान्त यह है कि इसने किसी भी सैनिक गुट में सम्मिलित न होकर तटस्थता अथवा असंलग्नता की नीति अपनाई है। भारत की तटस्थता अथवा असंलग्नता का यह आशय कदापि नहीं लगाया जाना चाहिए कि वह विश्व में घटित विभिन्न घटनाओं की अनदेखी करता है तथा दुनिया से अलग निष्क्रिय बना रहता है।

2. सहअस्तित्व अथवा पंचशील- विभिन्न देशों के अस्तित्व के प्रति सहनशीलता, जिसे पंचशील का नाम भी दिया जाता है, भारतीय विदेश नीति का एक अन्य मौलिक सिद्धान्त है। भारत के लिए सह-अस्तित्व कोई नवीन सिद्धान्त नहीं है। भारत ने तो सदैव ही सहनशीलता के रास्ते को अपनाया है तथा यही सह-अस्तित्व का प्रमुख आधार भी है।

3. आन्तरिक मामलों में विदेशी हस्तक्षेप का विरोध- भारतीय विदेश नीति का एक सिद्धान्त यह है कि वह विविध देशों के आन्तरिक मामलों में विदेशी हस्तक्षेप का प्रबल विरोधी है।

4. अन्तर्राष्ट्रीय सद्भाव, सहयोग एवं मित्रता- भारत की विदेश नीति का एक प्रमुख सिद्धान्त विश्व के विविध देशों के साथ सद्भाव, सहयोग एवं मित्रता के सम्बन्ध स्थापित करना है। भारत ने आजादी की साँस लेते ही विश्व के सभी देशों के लिए मित्रता का हाथ बढ़ाया है।

5. साम्राज्यवाद, उपनिवेशवाद एवं रंगभेदपरक असमानता का विरोध- भारतीय विदेश नीति का एक अन्य सिद्धान्त किसी भी रूप में साम्राज्यवाद, उपनिवेशवाद तथा रंगभेद का विरोध करना रहा है। अपनी इस नीति के अन्तर्गत उसने फ्रांस एवं हॉलैण्ड द्वारा दक्षिण-पूर्व एशिया के स्वतन्त्रता आन्दोलनों को दबाने के प्रयासों का विरोध किया। इसी तरह भारत ने अफ्रीकी देशों द्वारा किए गए स्वतन्त्रता आन्दोलनों का समर्थन तथा दक्षिण अफ्रीका की रंगभेद नीति का विरोध किया।

6. विश्व शान्ति को प्रोत्साहन- भारतीय विदेश नीति का एक सिद्धान्त विश्व शान्ति को प्रोत्साहन देना भी है। इस नीति के अन्तर्गत वह इस बात के लिए हमेशा प्रयत्नशील रहता है कि दुनिया के विभिन्न देशों के बीच ऐसी परिस्थितियाँ उत्पन्न न होने पाएँ, जिनसे विश्व में अशान्ति का वातावरण निर्मित हो।

प्रश्न 9. गुटनिरपेक्षता नीति के प्रमुख उद्देश्य क्या हैं?

उत्तर- गुटनिरपेक्षता नीति के उद्देश्य निम्न हैं

(1) सार्वभौमिक परमाणु निःशस्त्रीकरण को बढ़ावा देना।

(2) वैश्विक स्तर पर सैन्य संघर्षों को हतोत्साहित करना तथा इससे दूरी बनाए रखना।

(3) रंगभेद की नीति का विरोध करना।

(4) भारत द्वारा गुटनिरपेक्ष को अपनी विदेश नीति का सिद्धान्त बनाने के पीछे अपना आर्थिक विकास, राजनीतिक स्वतंत्रता व अक्षुण्ण सम्प्रभुता, विश्व शान्ति कायम रखना आदि उद्देश्य हो सकते हैं।

(5) किसी भी देश के आंतरिक मामलों में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष दोनों तरीकों से किसी भी तरह का हस्तक्षेप न करना चाहे वह किसी भी उद्देश्य से हो।

प्रश्न 10. कारगिल संघर्ष पर टिप्पणी लिखिए।

उत्तर- साल 1999 की सदियों में पाकिस्तानी घुसपैठियों ने मौका देखकर जम्मू-कश्मीर की कारगिल समेत और कुछ चोटियों पर कब्जा कर लिया था, पाकिस्तान को यहां से खदेड़ने के लिए 8 मई से 26 जुलाई तक कश्मीर की चोटियों पर दुश्मन के साथ हमारी सेनाओं का युद्ध हुआ।

साल पहले कारगिल की पहाड़ियों पर भारत और पाकिस्तान (India Pakistan war) के बीच जंग हुई थी। इस जंग की शुरूआत तब हुई थी, जब पाकिस्तानी सैनिकों ने कारगिल (Kargil) की ऊंची पहाड़ियों पर घुसपैठ करके अपने ठिकाने बना लिए थे। भारतीय सेना (Indian Army) को इसकी भनक तक नहीं लगी थी, लेकिन जब भारतीय जवानों का पता चला तो उन्होंने पाकिस्तानी सेना के जवानों को खदेड़ दिया और कारगिल की चोटियों पर तिरंगा लहरा दिया।

कारगिल युद्ध (Kargil war) की शुरूआत मई में हुई थी और इसके लिए भारतीय सेना ने ऑपरेशन विजय (Operation Vijay) चलाया था। 26 जुलाई 1999 को उस वक्त के प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने इस युद्ध में भारत की जीत का ऐलान किया था। तब से हर साल 26 जुलाई को विजय दिवस (Vijay Diwas) के तौर पर मनाया जाता है।

प्रश्न 11. भारत और नेपाल संबंध को समझाइए।

उत्तर- भारत के पड़ौसी देश नेपाल की संस्कृति लगभग हमारे ही समान है। नेपाल भारत तथा तिब्बत के बीच स्थित है। अतः तिब्बत पर चीन के आधिपत्य के पश्चात यह देश भारत एवं चीन के बीच एक अन्तरस्थ राज्य अर्थात् बफर स्टेट का कार्य करता है। चीन द्वारा तिब्बत पर अधिकार के पश्चात् नेपाल का राजनीतिक महत्व भारत के लिए काफी बढ़ गया है। इसमें भारत की सुरक्षा पर्याप्त सीमा तक नेपाल की सुरक्षा पर ही निर्भर करती है। 17 मार्च, 1950 को पण्डित जवाहरलाल नेहरू ने दोनों देशों के सम्बन्धों के महत्व को स्पष्ट करते हुए उचित ही कहा था कि, "जहाँ तक कुछ एशियाई गतिविधियों का सम्बन्ध है, भारत तथा नेपाल के बीच किसी प्रकार का सैन्य समझौता नहीं है, लेकिन नेपाल पर किए जाने वाले किसी भी आक्रमण को भारत सहन नहीं कर सकता। नेपाल पर कोई भी सम्भावित आक्रमण निश्चित रूप से भारत की सुरक्षा हेतु खतरा होगा।" इसी प्रकार अक्टूबर 1956 में तत्कालीन भारतीय राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने अपनी नेपाल यात्रा के दौरान स्पष्ट शब्दों में कहा था कि, "नेपाल की शान्ति एवं सुरक्षा हेतु कोई खतरा भारतीय शान्ति तथा सुरक्षा के लिए खतरा है। नेपाल के मित्र हमारे मित्र तथा उसके शत्रु हमारे भी दुश्मन हैं।"

प्रश्न 12. भारत की परमाणु नीति समझाइए।

उत्तर- (अ) भारत की परमाणु नीति- भारतीय परमाणु नीति है कि हम परमाणु शक्ति का प्रयोग केवल शान्तिपूर्ण उद्देश्यों के लिए ही करेंगे तथा किसी भी परमाणु हथियार बनाने एवं युद्ध में उनको प्रयुक्त करने का कार्य नहीं करेंगे। वर्तमान में न केवल अमेरिका, रूस, चीन, ब्रिटेन तथा फ्रांस के पास परमाणु बम हैं, बल्कि इजराइल, जर्मन, कोरिया, ब्राजील तथा पाकिस्तान इत्यादि देशों के पास भी या तो इनका भण्डार है अथवा उन्हें तैयार करने की क्षमता विद्यमान है। इससे प्रतीत होता है कि इन देशों के पास परमाणु शक्ति का युद्ध में प्रयुक्त किए जाने की कोई न कोई योजना अवश्य ही है। हमारे देश में मई 1974 तथा मई 1998 में विश्व को आभास करा दिया था कि हम भी परमाणु क्षमता से लैस है। अमेरिका, चीन तथा यूरोपीय देशों ने भारत के परमाणु परीक्षणों पर तीव्र नाराजगी प्रदर्शित की थी, लेकिन जब भारत ने प्रतिउत्तर से कहा था कि ये परीक्षण वह शान्तिपूर्ण उद्देश्यों हेतु कर रहा है तो सभी शान्त हो गए। हालांकि भारत ने और परमाणु परीक्षण न करने की बात की है, लेकिन उसने् अपने सभी विकल्प भी खुले रखे हैं।

प्रश्न 13. संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रमुख उद्देश्य लिखिये।

उत्तर- संयुक्त राष्ट्र संघ के घोषणा-पत्र के अनुसार इसके प्रमुख उद्देश्य निम्न प्रकार हैं-

1. युद्ध एवं विवादों का शान्तिपूर्ण समाधान- अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति एवं सुरक्षा का अनुकरण करना तथा इस उद्देश्य की

6. विश्व शान्ति को प्रोत्साहन- [illegible] सिद्धान्त विश्व शान्ति को प्रोत्साहन देना [illegible] अन्तर्गत वह इस बात के लिए हमेशा प्रयासरत रहता है कि दुनिया के विभिन्न देशों के बीच ऐसी परिस्थितियाँ उत्पन्न न होने पाएं, जिनसे विश्व में अशान्ति का वातावरण निर्मित हो।

प्रश्न 9. गुटनिरपेक्षता नीति के प्रमुख उद्देश्य क्या है?

उत्तर- गुटनिरपेक्षता नीति के उद्देश्य निम्न है-

(1) सार्वभौमिक परमाणु निःशस्त्रीकरण को बढ़ावा देना।

(2) वैश्विक स्तर पर सैन्य संघर्षों को हतोत्साहित करना तथा इससे दूरी बनाए रखना।

(3) रंगभेद की नीति का विरोध करना।

(4) भारत द्वारा गुटनिरपेक्ष को अपनी विदेश नीति का सिद्धान्त बनाने के पीछे अपना आर्थिक विकास, राजनीतिक स्वतंत्रता व अक्षुण्ण सम्प्रभुता, विश्व शान्ति कायम रखना आदि उद्देश्य हो सकते हैं।

(5) किसी भी देश के आंतरिक मामलों में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष दोनों तरीकों से किसी भी तरह का हस्तक्षेप न करना चाहे वह किसी भी उद्देश्य से हो।

प्रश्न 10. कारगिल संघर्ष पर टिप्पणी लिखिए।

उत्तर- साल 1999 की सदियों में पाकिस्तानी घुसपैठियों ने मौका देखकर जम्मू-कश्मीर की कारगिल समेत और कुछ चोटियों पर कब्जा कर लिया था, पाकिस्तान को यहां से खदेड़ने के लिए 8 मई से 26 जुलाई तक कश्मीर की चोटियों पर दुश्मन के साथ हमारी सेनाओं का युद्ध हुआ।

साल पहले कारगिल की पहाड़ियों पर भारत और पाकिस्तान (India Pakistan war) के बीच जंग हुई थी। इस जंग की शुरुआत तब हुई थी, जब पाकिस्तानी सैनिकों ने कारगिल (Kargil) की ऊंची पहाड़ियों पर घुसपैठ करके अपने ठिकाने बना लिए थे। भारतीय सेना (Indian Army) को इसकी भनक तक नहीं लगी थी, लेकिन जब भारतीय जवानों को पता चला तो उन्होंने पाकिस्तानी सेना के जवानों को खदेड़ दिया और कारगिल की चोटियों पर तिरंगा लहरा दिया।

कारगिल युद्ध (Kargil war) की शुरुआत मई में हुई थी और इसके लिए भारतीय सेना ने ऑपरेशन विजय (Operation Vijay) चलाया था। 26 जुलाई 1999 को उस वक्त के प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने इस युद्ध में भारत की जीत का ऐलान किया था। तब से हर साल 26 जुलाई को विजय दिवस (Vijay Diwas) के तौर पर मनाया जाता है।

प्रश्न 11. भारत और नेपाल संबंध को समझाइए।

उत्तर- भारत के पड़ौसी देश नेपाल की संस्कृति लगभग हमारे ही समान है। नेपाल भारत तथा तिब्बत के बीच स्थित है। अतः [illegible] पर चीन के आधिपत्य के पश्चात यह देश भारत एवं चीन के बीच एक अन्तःस्थ राज्य अर्थात् बफर स्टेट का कार्य करता है। चीन द्वारा तिब्बत पर अधिकार के पश्चात् नेपाल का राजनीतिक महत्व भारत के लिए काफी बढ़ गया है। इससे भारत की सुरक्षा पर्याप्त सीमा तक नेपाल की सुरक्षा पर ही निर्भर करती है। 17 मार्च, 1950 को पण्डित जवाहरलाल नेहरू ने दोनों देशों के सम्बन्धों के महत्व को स्पष्ट करते हुए उचित ही कहा था कि, "जहाँ तक कुछ एशियाई गतिविधियों का सम्बन्ध है, भारत तथा नेपाल के बीच किसी प्रकार का सैन्य समझौता नहीं है, लेकिन नेपाल पर किए जाने वाले किसी भी आक्रमण को भारत सहन नहीं कर सकता। नेपाल पर कोई भी सम्भावित आक्रमण निश्चित रूप से भारत की सुरक्षा हेतु खतरा होगा।" इसी प्रकार अक्टूबर 1956 में तत्कालीन भारतीय राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने अपनी नेपाल यात्रा के दौरान स्पष्ट शब्दों में कहा था कि, "नेपाल की शान्ति एवं सुरक्षा हेतु कोई खतरा भारतीय शान्ति तथा सुरक्षा के लिए खतरा है। नेपाल के मित्र हमारे मित्र तथा उसके शत्रु हमारे भी दुश्मन हैं।"

प्रश्न 12. भारत की परमाणु नीति समझाइए।

उत्तर- (अ) **भारत की परमाणु नीति-** भारतीय परमाणु नीति है कि हम परमाणु शक्ति का प्रयोग केवल शान्तिपूर्ण उद्देश्यों के लिए ही करेंगे तथा किसी भी परमाणु हथियार बनाने एवं युद्ध में उनको प्रयुक्त करने का कार्य नहीं करेंगे। वर्तमान में न केवल अमेरिका, रूस, चीन, ब्रिटेन तथा फ्रांस के पास परमाणु बम है, बल्कि इजराइल, जर्मन, कोरिया, ब्राजील तथा पाकिस्तान इत्यादि देशों के पास भी या तो इनका भण्डार है अथवा उन्हें तैयार करने की क्षमता विद्यमान है। इससे प्रतीत होता है कि इन देशों के पास परमाणु शक्ति का युद्ध में प्रयुक्त किए जाने की कोई न कोई योजना अवश्य ही है। हमारे देश में मई 1974 तथा मई 1998 में विश्व को आभास करा दिया था कि हम भी परमाणु क्षमता से लैस है। अमेरिका, चीन तथा यूरोपीय देशों ने भारत के परमाणु परीक्षणों पर तीव्र नाराजगी प्रदर्शित की थी, लेकिन जब भारत ने प्रतिउत्तर से कहा था कि ये परीक्षण वह शान्तिपूर्ण उद्देश्यों हेतु कर रहा है तो सभी शान्त हो गए। हालांकि भारत ने और परमाणु परीक्षण न करने की बात की है, लेकिन उसने अपने सभी विकल्प भी खुले रखे हैं।

प्रश्न 13. संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रमुख उद्देश्य लिखिये।

उत्तर- संयुक्त राष्ट्र संघ के घोषणा-पत्र के अनुसार इसके प्रमुख उद्देश्य निम्न प्रकार हैं-

1. युद्ध एवं विवादों का शान्तिपूर्ण समाधान- अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति एवं सुरक्षा का अनुकरण करना तथा इस उद्देश्य को

... विरोधी तत्वों के निराकरण एवं आक्रामक ... के अन्य अतिक्रमणों के दमन के लिए ... सामूहिक उपाय करना संयुक्त राष्ट्र संघ का मुख्य ... पर अन्तर्राष्ट्रीय झगड़ों का समाधान अथवा ... करता है, जिनसे विश्व शान्ति भंग होने का भय है।

2. **समानाधिकार एवं आत्म निर्णय-** राष्ट्रों के समान अधिकार एवं आत्मनिर्णय के आधार पर विश्व के देशों के बीच मैत्रीपूर्ण सम्बन्ध का विकास तथा विश्व शान्ति को सुदृढ़ बनाने हेतु अन्य उपाय करना भी संयुक्त राष्ट्र संघ का ही उद्देश्य है।

3. **विभिन्न समस्याओं का समाधान-** संयुक्त राष्ट्र संघ का एक अन्य उद्देश्य आर्थिक, सामाजिक तथा अन्य अन्तर्राष्ट्रीय समस्याओं के समाधान हेतु अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग प्राप्त करना एवं मानवाधिकारों तथा मूलभूत स्वतन्त्रताओं के प्रति सम्मान की भावना का परिवर्द्धन करना है।

4. **समन्वय की स्थापना-** इन उद्देश्यों की पूर्ति हेतु प्रस्तुत विविध राष्ट्रों के क्रिया-कलापों में उचित तालमेल बनाए रखने के लिए एक केन्द्र की स्थापना करना भी संयुक्त राष्ट्र संघ का ही उद्देश्य है। ■

अध्याय 5. कांग्रेस प्रणाली: चुनौतियाँ और पुनर्स्थापना

स्मरणीय बिन्दु

- **खतरनाक दशक:** 1960 के दशक को खतरनाक दशक कहा जाता है, क्योंकि गरीबी, गैर बराबरी, सांप्रदायिक और क्षेत्रीय विभाजन आदि के सवाल अभी अनसुलझे थे।
- **जय जवान-जय किसान:** लाल बहादुर शास्त्री 1964 से 1966 तक देश के प्रधान मंत्री रहे। इस छोटी अवधि में देश ने दो बड़ी चुनौतियों [भारत-चीन युद्ध तथा सूखे की समस्या] का सामना किया। शास्त्री जी ने "जय जवान-जय किसान" का नारा दिया।
- **गैर-कांग्रेसवाद:** आर्थिक स्थिति की विकटता, बेरोजगारी, कृषक विद्रोह यह सारी स्थिति देश की दलगत राजनीति से अलग-थलग नहीं रह सकती थी। विपक्षी दल जन-विरोध की अगुवाई कर रहे थे और सरकार पर दबाव डाल रहे थे, जो दल अपने कार्यक्रम अथवा विचार धाराओं के धरातल पर एक-दूसरे से एकदम अलग थे, वे सभी दल एकजुट हुए और उन्होंने कुछ राज्यों में कांग्रेस विरोधी मोर्चा बनाया।
- **गठबंधन:** 1967 के चुनाव [illegible] संयुक्त विधायक दल [illegible]

अति लघुउत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. खतरनाक दशक किसे कहा गया?

उत्तर- 1960 के दशक को खतरनाक दशक इसलिए कहा जाता है, क्योंकि इसी समय भारत व चीन का युद्ध हुआ था, जिसमें भारत हार गया और देश की अर्थव्यवस्था को बहुत नुकसान पहुँचा, खाद्यान्न संकट और देश के दो महान प्रधानमंत्रियों की मौत हो गई थी (1) प्रधानमंत्री (पं. जवाहरलाल नेहरू), (2) प्रधानमंत्री (लाल बहादुर शास्त्री)।

प्रश्न 2. "जय जवान जय किसान" का नारा किसने दिया?

उत्तर- "जय जवान जय किसान" का नारा भारत के भूतपूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने दिया था।

प्रश्न 3. ताशकंद समझौता क्या था?

उत्तर- ताशकंद समझौता भारत और पाकिस्तान के बीच 10 जनवरी 1966 को हुआ। यह एक शान्ति समझौता था। इस समझौते के अनुसार यह तय हुआ कि भारत और पाकिस्तान अपनी शक्ति का प्रयोग नहीं करेंगे और अपने झगड़ों को शान्तिपूर्ण ढंग से तय करेंगे।

प्रश्न 4. देश का चौथा आम चुनाव कब हुआ?

उत्तर- देश का चौथा आम चुनाव 1967 में हुआ।

प्रश्न 5. गैर कांग्रेसवाद के जन्मदाता कौन थे?

उत्तर- गैर कांग्रेसवाद के जन्मदाता डॉ. राम मनोहर लोहिया थे।

प्रश्न 6. "आया राम गया राम" जुमले को किससे जोड़ा गया?

उत्तर- विधायकों द्वारा तुरन्त पार्टी छोड़कर दूसरी-तीसरी पार्टी में शामिल होने की घटना से भारत के राजनीतिक शब्दकोश में "आयाराम-गयाराम" का जुमला दाखिल हुआ। इस जुमले की प्रसिद्धि के साथ एक खास घटना जुड़ी हुई है। एक पखवाड़े के अंदर तीन दफा अपनी पार्टी बदली, जो कि हरियाणा के एक विधायक गया राम थे।

प्रश्न 7. 1969 के चुनाव में राष्ट्रपति पद हेतु कांग्रेस की ओर से किस प्रत्यासी ने भागीदारी की?

उत्तर- राष्ट्रपति पद 1969 के चुनाव हेतु कांग्रेस की ओर से वि.वि. गिरी ने भागीदारी की थी।

प्रश्न 8. प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने खुलेआम अंतरात्मा की आवाज पर वोट डालने को कह कर किनका समर्थन किया?

उत्तर- वी.वी. गिरी का।

प्रश्न 9. किंग मेकर किसे कहा गया?

उत्तर- आधुनिक भारत के नृप निर्माता (किंग मेकर) के नाम से 'सय्यद बंधुओं' को जाना जाता है। इन दोनों भाइयों का नाम सैय्यद हुसैन अली और सैय्यद हसन अली (अब्दुल्ला खाँ) था।

प्रश्न 10. पंडित नेहरू के बाद किसे लोकतंत्र का उत्तराधिकारी माना गया?

उत्तर- पंडितजी को राजनीति पिता मोतीलाल नेहरू से विरासत में मिली थी, लेकिन उनके असली राजनीतिक गुरु महात्मा गाँधी थे, जिन्होंने बाद में जवाहरलाल को अपना राजनीतिक उत्तराधिकारी घोषित किया।

प्रश्न 11. दलबदल का क्या अर्थ है?

उत्तर- दलबदल का मतलब है कि यदि कोई व्यक्ति किसी दल का टिकट लेकर वह निर्वाचित होकर उस दल को छोड़ देता है और फिर किसी अन्य दल में चला जाता है, उसे ही दलबदल कहा जाता है।

प्रश्न 12. सिंडीकेट से क्या तात्पर्य है?

उत्तर- कांग्रेस सिंडीकेट का अर्थ- सिंडीकेट कांग्रेसियों का एक अनौपचारिक संगठन था, जिसमें के.कामराज, एस.के. पाटिल, अतुल्य घोष तथा निजलिंगप्पा इत्यादि अनुभवी कांग्रेसी सम्मिलित थे। इस समूह के नेताओं का कांग्रेस संगठन पर नियन्त्रण था। उल्लेखनीय है कि पण्डित जवाहरलाल नेहरू के निधन के पश्चात् लाल बहादुर शास्त्री तथा तदुपरान्त श्रीमती इन्दिरा गाँधी दोनों ही सिंडीकेट की मदद से ही प्रधानमंत्री बन पाए थे।

प्रश्न 13. 1967 के आम चुनाव के बाद कितने राज्यों में गैर कांग्रेस दलों की सरकार बनी?

उत्तर- 1967 में आम चुनाव के बाद गैर कांग्रेस दलों को जहाँ सात राज्यों में बहुमत नहीं मिला, वहीं आठ राज्यों में विभिन्न गैर-कांग्रेसी दलों की गठबंधन सरकारें सत्तारूढ़ हुइ।

प्रश्न 14. "पॉपुलर यूनाइटेड फ्रंट" किसे कहा गया?

उत्तर- पंजाब में बनी संयुक्त विधायक दल की सरकार को 'पॉपुलर यूनाइटेड फ्रंट' की सरकार कहा गया।

प्रश्न 15. यह कथन किसका था "सभी वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं को इस्तीफा दे देना चाहिए"?

उत्तर- यह कथन के. कामराज का है।

अध्याय 6. लोकतान्त्रिक व्यवस्था का संकट

स्मरणीय बिन्दु

- **लोकतांत्रिक व्यवस्था क्या है-** लोकतांत्रिक व्यवस्था वह व्यवस्था है, जिसमें समग्र नागरिकों को मौलिक अधिकार प्राप्त, विकास के समान अवसर एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्राप्त हो। लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में, न्याय, विश्व बंधुत्व पर आधारित है, जो लोकतंत्र का आधार है।
- **संपूर्ण क्रांति-** जय प्रकाश नारायण ने संपूर्ण क्रांति द्वारा सच्चे लोकतंत्र की स्थापना की बात की थी। भारतीय जनसंघ, कांग्रेस ओ, भारतीय लोक दल, सोशलिस्ट पार्टी जैसी गैर कांग्रेसी दलों के समर्थन से संसद मार्च का नेतृत्व किया था।
- **1971 के बाद की राजनीतिक-** 25 जून 1975 से 18 मार्च तक अनुच्छेद 352 के तहत (आंतरिक अशांति) लागू रहा। आपातकाल में देश की अखंडता व सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए समस्त शक्तियां केंद्र सरकार के पास थी।
- **आपातकाल के प्रमुख कारण-** आर्थिक कारक, छात्र आंदोलन, नक्सलवादी आंदोलन, रेल हड़ताल, न्यायपालिका का संघर्ष।
- **राम मनोहर लोहिया-** समाजवादी चिंतक, गांधीवादी विचारक ने देश में व्याप्त आसमानता को दूर कर समानता के लिए संघर्ष किया। महिला-पुरुषों के भेदभाव समाप्त किया जाए। रंग, नस्ल, जाति के आधार पर भेदभाव ना हों। आर्थिक असमानता पर बल दिया व सत्याग्रह के पक्ष में अहिंसक मार्ग का अनुसरण किया।
- **दीन दयाल उपाध्याय-** सनातन तथा हिंदुत्व की विचार धारा के समर्थक, भारतीय जन-संघ के अध्यक्ष थे। दर्शनिक, अर्थशास्त्री, राजनेता व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सक्रिय सदस्यों ने एकात्म मानववाद का समर्थन किया। समग्रता की प्रधानता स्वायत्तता, धर्म-स्वायत्तता की, समाज की स्वायत्तता पर जोर दिया।
- **नक्सलवादी आंदोलन-** 1967 मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के लोगों के नेतृत्व में नक्सलवादी आंदोलन, पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले के नक्सलवादी इलाके के किसानों ने हिंसक विद्रोह किया था। जिसे नक्सलवादी आंदोलन कहा जाता है।